पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002

पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पूर्व राष्ट्रपति माननीय
रामनाथ जी कोविंद

माहेश्वरी महिला

※ वर्ष : 24 जनवरी 2026
※ अंक : 5 मूल्य : बीस रुपए

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

MGM माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन
केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष
सौ. ज्योतिजी राठी
को बहुत-बहुत बधाई व मंगलकामनाएँ

पू.रा. अध्यक्ष श्रीमती सुशीला काबरा व सौ. शोभाजी सादानी सम्मानित

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

होली, नवसंवत्सर एवं गणगौर की हार्दिक शुभकामनाएं

शशि लड्ढा
प्रदेश अध्यक्ष

मनीषा बागला
प्रदेश मंत्री

आभा बेली
अंचल सहप्रभारी

कांता धूत
रा. कार्यकारिणी

सुनीता रांधड़
अंचल सहप्रभारी

गुंजन मोदानी
प्रदेश कोषाध्यक्ष

अर्चना लोहिया
पू.रा. कार्यसमिति

कृष्णा मंत्री
प्रदेश संगठन मंत्री

मीनाक्षी रांधड़
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

मंजु मुरक्या
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

शोभा मूंदड़ा
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

कमलेश मूंदड़ा
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

मोनिका भंसाली
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

रेखा जाजू
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

वर्षा तापड़िया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

शकुंतला मांधनिया
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

सुमन बांगड़
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

रेखा जाजू
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

विनीता रांधड़
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

संजू कोगटा
राष्ट्रीय कार्यकारिणी

माहेश्वरी महिला
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी
महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

* प्रकाशक *
माहेश्वरी महिला समिति
22/18, [illegible], इन्दौर
मो.: [illegible]
kabrasushila@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती लता लाहोटी, पुणे

उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू, सूरत

सचिव
श्रीमती सुशीला काबरा, इंदौर

कोषाध्यक्ष
श्रीमती अनिता माहेश्वरी, ग्वालियर

संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी, कोलकाता

सदस्य
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा
इंदौर
श्रीमती कल्पना गगरानी
मुंबई
श्रीमती आशा माहेश्वरी
कोटा

संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ.लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी

अध्यक्ष-सौ. [illegible], [illegible]
उपाध्यक्ष-सौ. [illegible] लाहोटी, कोटा
सचिव-सौ. [illegible], इन्दौर
सदस्य-सौ. [illegible], [illegible]
सदस्य-सौ. [illegible] साबू, इन्दौर

संपादकीय

77वें गणतंत्र दिवस की बहुत-बहुत बधाई

होली, नवसंवत्सर एवं गणगौर की बहुत-बहुत शुभकामनाएं

स्नेही बहनों,

चौदहवें सत्र की नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सौ. ज्योति राठी को राष्ट्रीय संगठन की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं।

नववर्ष नव सत्र में नई ऊर्जा, नया उत्साह, नई उमंग का संचार करे,

नई शक्ति व चेतना के साथ, नई-नई योजनाएं बनायें व समाज का उत्थान करें।।

भारतीय संस्कृति विश्व में त्यौहारों व पर्वों के लिये विख्यात है, जिससे लोगों में नई चेतना व नई ऊर्जा का संचार होता है एवं हमारी सांस्कृतिक विरासत भी इन्हीं त्यौहारों के माध्यम से भावी पीढ़ी में स्वयमेव ही हस्तांतरित होती रहती है व संस्कारों के प्रति जागरुक करती रहती हैं। सामाजिक पर्वों के साथ राष्ट्रीय पर्व भी जनमानस में राष्ट्रीय भावना का संचार करते हैं एवं देश प्रेम के प्रति प्रेरित भी करते हैं।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा ''रामलला'' की नगरी अयोध्या में **''मानस सिद्धि''** कार्यक्रम का आयोजन एवं ''उत्तरांचल-अधिवेशन'' अपनी अनूठी छाप छोड़ गया। ''मानस-अभिव्यंजना'' के माध्यम से वर्तमान परिप्रेक्ष्य में रामायण के नारी पात्रों का सटीक अभिनय, नारी शक्ति के उन पात्रों के विशेष गुणों का संदेश व उद्देश्य का प्रदर्शन बहनों के अन्तर्मन की गहराई को छू गया। विभिन्न नारी-पात्रों जैसे मीरा, शबरी, दुर्गा, राधा आदि के आधार पर स्वरचित भजन की प्रस्तुति बहनों की काव्य लेखन कला एवं गायन प्रतिभा को दर्शा गया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट ''बंदनवार बनाओ'' प्रतियोगिता ने बहनों की कलात्मकता व पुरानी चीजों का सदुपयोग दिखाया। रामायण की चौपाइयों के उदाहरण के साथ रामायण हमारे जीवन में कितनी उपयोगी है एवं मार्गदर्शक यह दर्शाया गया ''मानस हंस'' कार्यक्रम के माध्यम से। ''पंच तत्व'' का हमारे जीवन में कितना महत्व है, देखने को प्रत्यक्ष रूप से मिला। बहनों की रचनात्मकता व सोच से, आदर्श गाँव का मॉडल बनाया गया एवं दर्शाया गया। संत मंदाकिनी दीदी ने रामायण व महाभारत दोनों के महिला पात्रों का विश्लेषण बहुत ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया, जिसे भावी पीढ़ी को भी आत्मसात करना चाहिये। मन की सोच व विचार पर ही जीवन में सब कुछ निर्भर है। अतः सोच सदैव सकारात्मक रखें।

अ.भा. महासभा द्वारा 2026 के नववर्ष का आगाज जोधपुर में ''माहेश्वरी ग्लोबल

कन्वेन्शन'' MGC के रूप में भव्य एवं विराट रूप में आयोजित किया गया, जिसमें समाज की जनशक्ति, संगठन शक्ति एवं उद्यम शक्ति का विशाल प्रदर्शन हुआ। देश के गृह मंत्री श्री अमितजी शाह, लोकसभा स्पीकर श्री ओमजी बिड़ला, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलालजी शर्मा ने शिरकत की एवं समाज की संगठन शक्ति तथा एक्पो के माध्यम से उद्यमशील समाज के स्टाल के रूप में व्यावसायिक शक्ति तथा उन्नति का भी अवलोकन किया एवं उनकी उत्पादन क्षमता को पहचाना। युवा पीढ़ी के लिये प्रशिक्षण वर्ग एवं सेमिनार रखकर व्यावसायिक कौशल को बढ़ाने के गुर समझाये गये। समाज की प्रगति व उत्थान के लिये एक मील का पत्थर साबित हुआ। जोधपुरवासियों की समाज के प्रति सेवा, समर्पण व कर्त्तव्य की भावना भी सबको प्रभावित कर गई।

भारतीय संस्कृति में अनेकता में एकता ही उसकी संगठन शक्ति की परिचायक है। श्री सत्यनारायणजी नुवाल को सरकार द्वारा ''पद्मश्री'' उपाधि से नवाजे जाने पर समाज गौरवान्वित है एवं उन्हें बहुत-बहुत बधाई।

सुशीला काबरा, संपादक महिला पत्रिका

स्वयं को सुधारें-समाज को सुधारें

कुछ तोड़ने का मन करे तो अपने अहम को तोड़ना सीखिए, कुछ जलाने का मन करे तो अपने क्रोध को जलाना सीखिए, कुछ त्यागने का मन करे तो कटु वचनों को त्यागना सीखिए और कुछ देने का मन करे तो सबको सहयोग देना सीखिए। बिना अहम को तोड़े आप यथार्थ से वंजित रह जाओगे, बिना क्रोध को जलाये आप आत्मिक सुख से वंजित रह जाओगे, बिना कटु वचनों का त्याग किये आप अपनत्व से वंचित रह जाओगे और बिना सहयोग दिये आप दूसरों के सहयोग प्राप्ति से भी वंचित रह जाओगे। जब तक आप स्वयं को छोड़ कर बाकी सबको बदलने का प्रयास करते रहोगे तब तक आत्मिक सुख को सदैव अपने से दूर ही पाओगे। अहम दूसरों में दिखे तो एक बार स्वयं का निरीक्षण करने की भी आवश्यकता है। क्रोध किसी और में दिखे तो एक बार स्वयं को परखने की आवश्यकता है और कटुता दूसरों में दिखे तो एक बार स्वयं की वाणी के मूल्यांकन की भी आवश्यकता है। स्वयं के सुधार के लिए किया गया प्रत्येक प्रयास समाज सुधार की दिशा में कार्य करना ही है।

गौभक्त श्री संजीव कृष्ण ठाकुर जी, श्रीधाम वृन्दावन

तो समझाओ नहीं

अगर कोई आपकी बात
नहीं समझता है...
तो समझाओ नहीं।
क्योंकि...
कुछ बाते समझाने से
नहीं खुद पर बीत जाने
पर ही समझ आती है।
किसीके जाने के बाद,
मिस यू लिखने से बेहतर है,
उसके रहते हुए ही कह दो..
आलवेज विथ यू
जिंदगी मुस्करा देगी...
नोट इकठ्ठा मत कीजिए,
नोट बदल जाते है...।
दोस्त इकठ्ठा कीजिए...
पुराने भी चल जाते हैं..!
सुख और दुख
अपनी तकदीर से मिलते है,
अमीरी या गरीबी से उसका
कोई लेना देना नही....
रोने वाले महलों में भी रोते है,
और जिनकी तकदीर में..
खुशीयाँ होती है, वो झोपडों
में भी हंसते है।

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी महिला संगठन
(कार्यकाल सत्र 2023-26)

* राष्ट्रीय अध्यक्ष *
सौ. मंजु बांगड़, कानपुर

* राष्ट्रीय महामंत्री *
सौ. ज्योति राठी, रायपुर

* राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष *
सौ. किरण लढ़ा, दिल्ली

* राष्ट्रीय संगठन मंत्री *
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा

* रा. निवृतमान अध्यक्ष *
सौ. आशा माहेश्वरी, कोटा

* आंचलिक उपाध्यक्ष *
सौ. मंजु मानधना, नई दिल्ली
उत्तरांचल
सौ. अनुसूया मालू, कोल्हापुर
दक्षिणांचल
सौ. उर्मिला कलंत्री, अहमदाबाद
मध्यांचल
सौ. विनिता सारडा, विराटनगर
पूर्वांचल
सौ. मधु बाहेती, कोटा
पश्चिमांचल

* आंचलिक संयुक्त मंत्री *
सौ. मंजु लुनावत, मेरठ
उत्तरांचल
श्रीमती रेणु सारडा, हैदराबाद
दक्षिणांचल
सौ. अनिता जाखोटिया, बनखेड़ी
मध्यांचल
सौ. निशा बंग, कोलकाता
पूर्वांचल
सौ. शिखा भदादा, भीलवाड़ा
पश्चिमांचल

* कार्यालय मंत्री *
सौ. प्रीति तोषनीवाल (कानपुर)

अध्यक्षीय

महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

निष्ठा परिश्रम और एकजुटता को पग पग पर साकार करते हुए शुभ संकल्पित मानस सिद्धि को बनाया श्रेष्ठतम.. सफलतम

प्रिय बहनों...

जय उमा महेश , जय सियाराम

भगवान भोलेनाथ और जगत जननी आदिशक्ति के चरणों में सादर नमन अर्पित करते हुए आप सभी को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं..

महाशिवरात्रि केवल एक तिथि नहीं अपितु माहेश्वरी समाज की आत्मिक पहचान का उत्सव है। हमारा समाज भगवान महादेव की कृपा से इतिहास के पन्नों में अमर हुआ, उन्ही भगवान उमा महेश के नाम से हमारी पहचान बनी। इसलिए शिवरात्रि माहेश्वरी समाज के लिए केवल पर्व नहीं पुण्य स्मरण है। यह बेला सर्वदा स्मरण कराती है कि हम केवल आर्थिक रूप से सक्षम नहीं बल्कि संस्कारवान और सेवाभावी समाज है। शिव और शक्ति का अद्वैत भाव हमें सिखाता है की नारी और पुरुष समाज के दो सम्मानित स्तंभ हैं जो एक दूसरे के पूरक है। इसी से माहेश्वरी समाज में नारी सम्मान और सहभागिता सदैव सशक्त रही है। किसी कवि ने सच कहा है–

भगवान शिव है मौन में छिपा महामंत्र, मां पार्वती है शक्ति का उज्ज्वल स्वर
वैराग्य और वात्सल्य का, जहां संगम हो, वही शिवालय का मनोरम पथ
शिव का तांडव हमें परिवर्तन सिखाता है, पार्वती का स्नेह सृजन का भाव जगाता है
और इन दोनों की संयुक्त कृपा से सेवा और अध्यात्म ही जीवन का सबसे बड़ा व्रत बन जाता है।

ऐसी ही पावन भावना के साथ सरयू की मधुर मुस्कान लिए मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में मानस सिद्धि कार्यक्रम सफलता के शिखर तक पहुंचा, जिसके लिए राष्ट्रीय नेतृत्व व संरक्षक मंडल की प्रेरणा के साथ स्वागताध्यक्ष मंजुजी मानधना, स्वागतमंत्री कमलेश जी राठी,आयोजक उत्तरांचल के शीर्ष पदाधिकारी, प्रदेश नेतृत्वकर्ता, व प्रत्येक कार्यकर्ता को साधुवाद जिनके संगठित समर्पण और सेवाभाव ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया, विशेष रूप से प्रमुख आयोजक मध्य उत्तर प्रदेश जो पिछले कई महीनो से इसकी तैयारी में संलग्न था की कर्मठ अध्यक्ष सीमा जी झंवर, सचिव नीलम जी मंत्री और उनकी समर्पित टीम एवं सामाजिक बंधुओ को हृदय की गहराई से नमन जिनके संयुक्त प्रयासों ने मनोहारी सुव्यवस्थाओं के साथ निष्ठा परिश्रम और एकजुटता को पग पग पर साकार करते हुए शुभ संकल्पित मानस सिद्धि को बनाया श्रेष्ठतम.. सफलतम।

जब संकल्प बना नेतृत्व और श्रम ने पाया सीमायुक्त मान,
उत्तरांचल की बहनों ने रच दिया सफलता का ज्योर्तिमय गान

सम्मिलित प्रयासों के हुनर से किरण सी उज्ज्वल मंजिल पाई है
इस मंजुल स्वप्न की सिद्धि पर दिल से प्रीति भरी बधाई है।

संस्था की विदुषी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बहनों का मार्गदर्शन, परम पूज्य मंदाकिनी दीदी के मानस बोथ स्वरूप आशीर्वचन, राम जन्मभूमि आंदोलन के अमर बलिदानी राम शरद कोठारी की बहन पूर्णिमा जी का अभिनंदन, महासचिव श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट श्री चंपत राय जी का प्रेरक उद्बोधन, सदन में मंचासीन माहेश्वरी विभूतियों के शानदार वक्तव्य, भारत के14वें राष्ट्रपति महामहिम श्री रामनाथ जी कोविंद का वर्चुअल संदेश तथा उद्घाटन कर्ता के रूप में श्रीमती अन्नपूर्णा देवी महिला बाल विकास केंद्रीय मंत्री भारत सरकार, के ऊर्जा पूर्ण संबोधन में संगठन के कार्यों की प्रशंसा ने मन को अभिभूत कर दिया।

सेवा, संकल्प, संवेदना की जीवंत पहचान, आदरणीय श्रीमती अन्नपूर्णा देवी कैबिनेट मंत्री राष्ट्र की शान
आपकी उपस्थिति ने संपूर्ण सदन को कृतार्थ किया, हर मन में सम्मान की सुरभि और हर कर्म में उत्साह का संचार किया।

इस अवसर पर सिया में राम पिक्चर की लांचिंग के साथ, समाज की ख्याति प्राप्त प्रकाश पुंज युवा बेटियों व प्रबुद्ध बहनों को शक्ति वंदनम सम्मान से सम्मानित किया जाना भी अत्यंत प्रेरणादाई रहा। वस्तुतः मानस सिद्धि कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं था यह एक साधना थी मानस के माध्यम से मानव मन को अध्यात्म से परिष्कृत करने की साधना, सेवा ,संस्कार और संस्कृति के नैतिक मूल्यों को समाज में स्थापित करने की सुंदर भावना जिसके लिए उत्तरांचल अधिवेशन के साथ–साथ राष्ट्रीय समिति प्रभारी व उनकी टीम द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रम मानस प्रेरक तथा एक से बढ़कर एक थे।

रामचरितमानस में नारी को सदैव शक्ति रूप में देखा गया है..

जहां सुमति तहां संपत्ति नाना, जहां कुमति तहां विपत्ति निदाना

नारी की सुमति परिवार को भी संवारती है और समाज को भी दिशा देती है। आज महिला सशक्तिकरण केवल भाषण का विषय नहीं जीवन का उद्देश्य बनना चाहिए। हर बहन सशक्त बने, सेवा की मशाल बने, संस्कृति की प्रहरी बने और संस्कारों की संवाहक बने–तभी सशक्त समाज का स्वप्न साकार होगा।

बहनों त्रयोदश सत्र अब अंतिम पड़ाव पर है और चतुर्दश सत्र का स्वागत है जिसकी अध्यक्ष के रूप में श्रीमती ज्योति जी राठी का मनोनयन हम सभी के लिए हर्ष का विषय है। उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं।

परिवर्तन प्रकृति का नियम है। प्राचीनता का स्थान नवीनता को लेना होता है। नवीन परिवेश में नवीन पदाधिकारी के चयन (स्थानीय जिले तालुका प्रदेश और राष्ट्र) नए–नए कार्यक्रमों तथा विचारों का आदान–प्रदान कार्यकर्ताओं में उत्साहवर्धन करता है। गत और आगत का समन्वय ही संगठन की सफलता का सूत्र बनता है। अतः महिला संगठन में नए सत्र के लिए इलेक्शन नहीं सिलेक्शन होता है। उसी के अनुरूप हमें हर स्तर पर श्रृंखलाबद्ध संगठन के तहत चयन प्रक्रिया संपन्न करवानी है। सभी को अग्रिम शुभकामनाएं।

ध्यान रहे.. जहां सेवा कर्तव्य नहीं स्वभाव बन जाती है–जहां संस्कार शब्दों में नहीं आचरण में झलकता हैं और जहां संस्कृति अतीत की स्मृति नहीं वर्तमान की शक्ति बनकर आगे बढ़ती है वही संगठित नारी शक्ति समाज को जाग्रत करती है।

वर्ष 2026 राष्ट्रीय महिला संगठन की स्वर्णिम यात्रा का उत्सव है। अतः आगामी 12–13 अप्रैल 2026 को सूरत में अखिल भारतवर्ष माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक स्वर्ण मंगलम में स्वर्ण जयंती का शुभारंभ होने जा रहा है जिसमें सम्मान समारोह के साथ नई टीम का अभिनंदन भी होगा। अंत में आप सभी को सदभावना, समरसता के प्रतीक रंगों के त्यौहार स्नेहिल मंगलमय होली की हार्दिक शुभकामनाओं सहित..

सौ. मंजु बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष

दुनियादारी समझदारी

हमारी पर्व संस्कृति-राष्ट्रीय पर्व

हमारी महान सनातन संस्कृति पर्वों और उत्सवों की संस्कृति है। हमारे पंचांग में हर दिन एक विशिष्ट दिन, विशिष्ट तिथि, विशिष्ट वार लिये होती है। हमारे सभी पर्व भी अनेकों विशेष कारणों से मनाये जाते हैं। कथाओं के विशेष नायक-नायिका यथा शंकर, देवियां, राम-कृष्ण, परशुराम, महावीर, बुद्ध आदि देवत्व प्राप्त चरित्र, जीवन को जीने योग्य बनाने वाली धरती, जल, अग्नि, आकाश, नक्षत्र, ऋतुएं आदि से जुड़े पर्व। जीवनदायिनी पेड़ पौधे (वड़ सावित्री, आंवला नवमी, तुलसी), पशु-पक्षी (गाय, बैल, सांप), नदियां, तालाब, कुआं।

निष्कर्षतः जिनका भी हमारे जीवन को सहज, सरल, सुंदर बनाने में जरा सा भी योगदान रहा है हम उसका आभार प्रगट करते हैं, अपना प्रेम कृतज्ञता के साथ व्यक्त करते हैं। इसी श्रृंखला में एक और पर्व प्रकार है हमारे राष्ट्रीय पर्व-(1) स्वतंत्रता दिवस-15 अगस्त (2) गणतंत्र दिवस-26 जनवरी।

हमारे जीवन को जीने लायक बनाने में इन दोनों दिवसों का बहुत बड़ा योगदान है। रामचरित मानस सिखाती है-

''पराधीन सपनेहु सुख नाहिं''

सुख तो क्या, दुःख, दारिद्रय, अपमान, जलालत से भरा परतंत्रता का वो इतिहास।

सोने की चिड़िया, व्यापार का केन्द्र, ज्ञान और आविष्कारों की पूज्यनीय धरा, सदियों लुटेरों के हाथ लुटती रही। गुलामी की बेड़ियां जकड़ती रहीं। देश की धन संपन्नता आततताइयों के ताजों में जड़ती रही।

गुलामी की वो दास्तान, स्वतंत्रता संग्राम के वो बलिदान

अब तक की पीढ़ी ने अपने बुजुर्गों की जुबानी सुने हैं। ये 77वां गणतंत्र दिवस है। तीन जनरेशन इस बीच देश देख चुका है। कितनी मुश्किल से मिली है ये स्वतंत्रता। हमारे पूर्वजों ने कैसे सहे वो अत्याचार, लूटता रहा कैसे हमारा देश। आजादी के बाद भी कितना कठिन था अलग-अलग 565 रियासतों को एक साथ लाना। देश के टुकड़े-टुकड़े में बंटे छोटे-बड़े हिस्सों को जोड़कर एक आकार दिलाना। जिक्सा पजल सा थ्रिलिंग नहीं, लोहे के चने चबाना था। इसीलिये तो सरदार वल्लभभाई पटेल लौह पुरुष कहलाते हैं।

बहुत मेहनत, बलिदान और खून की होली खेल अथक प्रयासों से बना है ये गणतंत्र ''भारत देश''।

15 अगस्त और 26 जवनरी हमारे सबसे बड़े पर्व हैं। पर्व अतीत के महत्व को समझाने वाला शाश्वत सत्य होता है।

हमारे यहां हर पर्व के दिन उस पर्व की कहानी पढ़ी जाती है और पढ़ने वाला, सुनने वालों से हुंकारा मरवाता

है। ये हुंकारा इस बात का द्योतक होता है कि वो ध्यान से सब सुन रहा है। यही कारण है कि अर्वाचीन संस्कृति, देवत्व को पाने वाले ब्रह्मा, विष्णु, महेश की निमित्त हमें अब भी याद है। राम और कृष्ण की पौरुष गाथाओं से आदर्श जीवन की सीख निरंतर मिलती रहती है। नवदुर्गा की उपासना, शक्ति के महत्व को समझाती रहती है।

आजादी की ये कहानियां

गणतंत्र निर्मिति की ये दुर्गम दास्तानें आने वाली पीढ़ियों के दिलों दिमाग में उतारनी होगी, कितनी कीमती है ये धरोहर। ये बात समझनी होगी। इसकी रक्षा तुम्हारा परम कर्त्तव्य है, बताना होगा। इन दोनों पर्वों को सबसे अधिक धूमधाम से मनाना होगा। अंग अंग जब तक बलिदान गाथा से रोमांचित होगा तब ही युवाओं का खून खोलेगा। जवाबदारी का अहसास होगा, सुरक्षित रखने का भाव होगा।

हर देशवासी की ये व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय जवाबदारी है। हर संस्थान की ये जिम्मेदारी है। आने वाली पीढ़ी को इन सच्चाइयों से हर पल जागरुक कराना होगा। इन त्योहारों को तहेदिल और गहरी गर्मजोशी से सजाना होगा।

इनफारमेशन टेक्नोलाजी और सोशल मीडिया के इस युग में व्हाट्सएप, फेसबुक, रील, स्टोरी, वीडियो, पॉडकास्ट, शार्ट स्टोरी, सीरिज, फिल्मों के माध्यम से जन जन का जोश जगाना होगा। हर सांस के साथ उसे जीवित रखना होगा।

ये जवाबदारी सिर्फ सरकार, संस्थान, समाज की ही नहीं, हर देशवासी की है। हर पीढ़ी की है, आने वाले कल को बीते हुए कल की कहानी सुनाने, समझाने, गाने–गुनगुनाने व देखने–दिखाने का बीड़ा उठाना होगा।

–प्रो. कल्पना गगडानी, सह–संपादक

अहंकार

सही लोग अगर साथ हो तो बुरे दिन भी अच्छे बन जाते है, हो सके तो वह किसी की समस्या का हल बनें, कारण नहीं, अहंकार ऐसा मेहमान है, आता तो अकेले है, लेकिन जाते–जाते सब रिश्ते साथ लें जाता है, विचार और जल हमेशा स्वच्छ होना चाहिए, दूषित जल स्वास्थ्य बिगाड़ देता है, और दूषित विचार जीवन को ? अगर भरोसा ईश्वर पर है तो निश्चिंत रहो, किस्मत में लिखा हर फल तुम्हे समय पर मिल ही जाएगा, गम का मिलना बदकिस्मती नही है, और खुशी का मिलना खुशकिस्मती नहीं है, एक व्यक्ति नही, व्यक्तित्व बनकर जिंदा रहो, अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण रखो, प्रभु श्रीचरणों के प्रति प्रेम विकसित करो, वह प्रेम तुम्हे वह सब कुछ देगा, जिसकी तुम्हे आवश्यकता है।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्षा का रायपुर में जोरदार स्वागत... बहुत-बहुत बधाई, अभिनंदन

रायपुर के श्री गोपाल मंदिर ट्रस्ट द्वारा आदरणीय ज्योति भाभी का ठाकुरजी का उपरना ओड़ा कर सपरिवार स्वागत किया। गोपाल मंदिर के ट्रस्टी रमेशजी नत्थानी, राजकिशोरजी नत्थानी, अशोकजी बागड़ी, ओमप्रकाशजी नागोरी, सुरेशजी बागड़ी, हरिशजी बजाज ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। श्रीमती माला नत्थानी, श्रीमती कल्पना नत्थानी, श्रीमती प्रतिभा नत्थानी ने भी पुष्प गुच्छ से स्वागत किया।

गर्व से भर गया मन हर नारी का हार्दिक अभिनंदन

माहेश्वरी महिला संगठन की
राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं ज्योति जी,
गर्व से भर गया मन हर नारी का,
रायपुर, छत्तीसगढ़ की माटी ने
आज मान-सम्मान बढ़ाया है,
आपके सक्षम नेतृत्व ने
देशभर में नाम कमाया है।
सेवा, समर्पण, संस्कारों से
आपने रचा नया इतिहास,
नारी शक्ति को सशक्त बनाकर
दिखाया संगठन का विश्वास
ढेरों बधाई, शुभकामनाएं अपार,
आपके नेतृत्व में और बढ़े
माहेश्वरी समाज का मान-सम्मान व विस्तार।
आपका यह नया दायित्व
सफलताओं से भरा रहे - यही कामना है।

नारी सशक्ति करण की जीवंत मिसाल

अपने सपनों को पंख लगाकर,
जीवन का हर क्षण करती साकार ।

औरों को भी संग लेकर चलतीं,
ऐसे व्यक्तित्व को नमन बार बार।।

जैसा नाम, वैसा कर्म है उनका,
ज्योत से ज्योत जलाती हर पल ।

नारी सशक्ति करण की जीवंत मिसाल,
बन गई है वो असंख्य नारी की सम्बल।।

छत्तीसगढ़ का नाम किया रोशन,
अखिल भारतीय महिला अध्यक्ष बनकर।

ईश्वर करे आप सदैव स्वस्थ रहें,
मस्त रहें,खुशियों से रहे झोली भरकर।।

नीतू गाँधी
छत्तीसगढ़

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का भव्य आयोजन

मानस सिद्धि

19-20-21 दिसंबर 2025

रामलला नगरी श्री अयोध्या धाम

अखिल भारतवर्षीय माहेश्र्वरी महिला संगठन की नवम कार्यसमिति, तृतीय कार्यकारिणी, उत्तरांचल अधिवेशन एवं आध्यात्मिक शिविर का त्रिदिवसीय आयोजन दिनांक 19-20-21 दिसंबर 2025 को रामलला नगरी श्री अयोध्या धाम के रॉयल हेरिटेज रिसॉर्ट में उत्तरांचल के आयोजकत्व में व मध्य उत्तर प्रदेश के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

19 दिसंबर 2025

सर्वप्रथम सुबह मानस संगम कार्यक्रम के अंतर्गत नेपाल चैप्टर सहित पूरे भारतवर्ष से आने वाली समस्त कार्यकारिणी बहनों का तिलक लगाकर जय श्री राम की टोपी व दुपट्टा पहना कर आयोजक संस्था द्वारा आगमन अभिनंदन किया गया।

तत्पश्र्चात 11 बजे समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारी व संरक्षक मंडल बहनों की उपस्थिति में संरक्षक मां रतनी देवी काबरा, राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ एवं राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी के कर कमलों द्वारा औद्योगिक मेला मानस हाट का उद्घाटन संपन्न हुआ जिसमें संपूर्ण भारतवर्ष की बहनों ने स्टॉल लगाए थे।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी व कार्य समिति बैठक

11.30 बजे राष्ट्रीय कार्यकारिणी व कार्य समिति बैठक प्रारंभ हुई। इस अवसर पर आयोजक संस्था द्वारा सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत सत्कार किया गया। भगवान उमा महेश का पूजन व वंदना के साथ सभी पदाधिकारियों को मंचासीन करवाकर राष्ट्रीय कार्यसमिति तथा कार्यकारिणी बैठक का आगाज किया गया। हरियाणा पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सीमा जी मूंधड़ा द्वारा सभी बहनों का शब्द सुमनों से स्वागत किया गया तथा मध्य उत्तर प्रदेश सचिव नीलम जी मंत्री व पंजाब हरियाणा प्रदेश सचिव अनु जी सोमानी के सुंदर संचालन उपरांत मंच संचालन की बागडोर राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी को सौंपी गई।

महामंत्री जी द्वारा बैठक का विधिवत संचालन करते हुए सर्वप्रथम दिवंगत स्वजनों को श्रृद्धांजलि अर्पित की गई। राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा गत कार्यसमिति बैठक मंगल अभिव्यक्ति की कार्यवाही की पुष्टि सभागार द्वारा करवाई गई।

सर्वप्रथम राष्ट्रीय नेतृत्वकर्ता आदरणीय मंजुजी बांगड़ ने ''प्रभु श्री राम'' एवं ''वंदे मातरम्'' के जय घोष के

साथ इतनी अधिक संख्या में बहनों के एकत्रित होने पर हर्ष जताते हुए सभी का अभिनंदन किया..

राम नाम का मधुर स्वर, अध्यात्म का उजास ।

स्वागत बहनों आपके संग, खिल उठा सफलता का मंजुल विश्वास।।

एवं कहा की त्रयोदश सत्र जो प्रभु श्री राम को समर्पित है उसमें अयोध्या में इस बैठक का साकार होना मानो एक दिव्य मंजुल स्वप्न है, जो सबकी संगठित शक्ति से साकार हो रहा है जिसके लिए स्वागताध्यक्ष तथा स्वागत मंत्री के साथ राष्ट्रीय पदाधिकारी तथा उत्तरांचल के सभी प्रदेश अध्यक्ष, उनकी टीम विशेष रूप से मध्य उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सीमा जी झंवर व उनकी टीम को बधाई देते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

मानस सिद्धि का अर्थ है ..... मन की सिद्धि, विचारों की निर्मलता, संकल्पना की दृढ़ता और कर्तव्य के प्रति समर्पण... अयोध्या का हर कण हमें बताता है कि व्यक्ति का जीवन तभी सफल होता है जब उसका लक्ष्य स्पष्ट हो और संगठन भी तभी उन्नत होता है जब हर सदस्य का मन एक सूत्र में बंधा हो । काव्यात्मक शैली में उन्होंने कहा....

''राम धरा पर जब संगठन एकत्रित हो जाए

संकल्पो की साधना मानस सिद्धि बन जाए''

मर्यादा के संदेश संग जब समाज हित में निर्णय लिए जाते हैं तभी संगठन के संगठित प्रयास समाज को राह दिखाते हैं।

आपने कहा कि भावी पीढ़ी में संस्कारों का संवर्धन आज की महती आवश्यकता है जिसके लिए राष्ट्रीय महिला संगठन के तत्वाधान में संस्कारसिद्धा समिति द्वारा संगमनेर में आयोजित किशोरी संस्कार शिविर ''सिद्धि-सृजन'' अत्यंत सफल रहा जिसे सभी प्रदेशों में जिला व स्थानीय स्तर पर अवश्य आयोजित करना चाहिए । पुनः समाज में बेटियों की मानसिक व शारीरिक सुरक्षा हेतु आत्मरक्षा अभियान की पहल भी सर्वत्र प्रशंसनीय रही, जिसे हमें आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है। मेडिकल बैंक्स की

योजना, कौशल विकास, शिक्षा संस्कृति साहित्यिक जागरण, साइबर सुरक्षा, विभिन्न सेवा उपक्रमों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं।

महामंत्री ज्योति जी राठी द्वारा सचिव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तीन माह में संपन्न हुए कार्यक्रम की विस्तृत रूप रेखा रखी।

कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा द्वारा सदन में आय व्यय का वित्तीय लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया तथा संगठन मंत्री ममता जी मोदानी ने सभी संगठनों की संगठनात्मक जानकारी सभागार के समक्ष रखी।

संरक्षक आदरणीय रतनी मां ने संगठन को अपनी शुभ कामनाएं तथा आशीर्वचनों से सराबोर किया। निवर्तमान अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी ने संगठन के पदाधिकारी की कार्य शैली कैसी हो, संगठन का कार्य कैसे किया जाए और आगामी समय में किन विषयों पर हमें ध्यान देना है इन सभी विषयों पर बहुत सुंदर जानकारी सदन के समक्ष रखी। माहेश्वरी महिला पत्रिका की अध्यक्ष सौ. शैला जी कलन्त्री ने पत्रिका के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष ललिता जी मालपानी ने ट्रस्ट संबंधी जानकारी सभागार को दी।

विधान समिति प्रकल्प प्रभारी मंगल जी मरदा द्वारा प्रादेशिक मॉडल विधान के साथ-साथ जिला विधान के बारे में भी सदन को जानकारी दी, तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ द्वारा जिला विधान को सर्वसम्मिति से सदन में स्वीकृत कराया गया।

''युगल सिद्धा'' समिति प्रभारी शर्मिला जी राठी ने

अपनी समिति के कार्यों को पीपीटी प्रेजेंटेशन द्वारा दर्शाया। विवाह योग्य बच्चों के बायोडाटा की जानकारी हेतु मानस मैचिंग का काउंटर भी समिति प्रदर्शक अनीता जी जांवदियां व आंचलिक सहप्रभारी व उनकी टीम से लगाया गया था जिसमें सभी अभिभावकगण पहुंचकर अपने विवाह योग्य बच्चों के लिए जानकारी प्राप्त कर रहे थे ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ ने प्रदेशों के पिछले चार माह की रिपोर्ट के मूल्यांकन की घोषणा की, एवं आने वाले समय में दिए जाने वाले कार्यक्रम तथा जोधपुर अधिवेशन बाबत सभागार को जानकारी देते हुए बताया की राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा जोधपुर एक्सपो में 12 स्टॉल लगाए जा रहे हैं, जिसके लिए निवृत्तमान अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी, पश्चिमांचल उपाध्यक्ष मधु जी बाहेती व संचार सिद्धा समिति प्रभारी भाग्यश्री के प्रयासों की विशेष सहभागिता रही । **''ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति''** द्वारा पूर्व में आयोजित लेखन प्रतियोगिता के पुरस्कार राष्ट्रीय संगठन द्वारा दिए गए। उत्तरांचल संयुक्त मंत्री मंजुजी हरकुट द्वारा दिए गए आभार ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

''मानस शिल्पी'' वन्दनवार प्रतियोगिता

रघुकुलरीतसिद्धा : पारिवारिक समरसता व परामर्श समिति अंतर्गत भगवान के प्रयुक्त वस्त्रों से बंदनवार बनाने की रचनात्मक प्रतियोगिता ''मानस शिल्पी'' पारिवारिक मांगलिक प्रसंगों में ''खुशियों की वंदनवार, बनाईए स्वयं और सजाइये अपना घर द्वार'' राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी 27 प्रदेशों से हस्तशिल्प की खूबसूरत प्रस्तुति स्वरूप 52 बंदनवार बनकर आई थी।

इस कार्यक्रम का संपूर्ण निर्वाह समिति प्रभारी अर्चना जी काबरा, समिति प्रदर्शक शिखा जी भदादा एवं उनकी टीम के द्वारा मनमोहक अंदाज में हुआ जिसको सभी ने खूब सराहा।

मानस मंगल समारोह

समारोह के मुख्य अतिथि महासचिव श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट श्री चंपतराय जी, राम भक्त राष्ट्रवादी चिंतक एवं सम्मानीय अतिथि समाजसेवी श्रीमती पूर्णिमा जी कोठारी, उपसभापति महासभा उत्तरांचल श्रीमान विनीत जी केला, संयुक्त मंत्री महासभा उत्तरांचल श्रीमान ओम जी तापड़िया थे। आयोजक संस्था द्वारा मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया। सभागार में उपस्थित विशिष्ट समाज विभूतियों श्री राजेंद्रजी बांगड़, श्री कमल किशोरजी राठी, श्री विशालजी माहेश्वरी, श्री श्याम सुंदर जी मूंदड़ा, श्री भगवानदासजी सादानी, श्री शरद जी गगरानी, श्री रमेश चंद्र जी लड्ढा, श्री गोपाल जी मानधना, श्री ललित जी बाहेती, श्री अनिल जी हरकुट, श्री अनिल जी तोषनीवाल, श्री जय भुराडिया, श्री विजय काल्या, श्री सुशील जी राठी, श्री आशीष जी अग्रवाल एवं समाज बंधुओ का स्वागत पूर्वी उत्तर प्रदेश की अध्यक्ष भारती जी करवा मंत्री पुष्पा जी धूत, आयोजक संस्था के अध्यक्ष सीमा जी झंवर तथा सचिव नीलम जी मंत्री द्वारा किया गया।

वंदनवार सजाओ प्रतियोगिता

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ ने कहा कि आज का यह क्षण केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं बल्कि हमारी आस्था, संस्कार और संकल्प का पावन सेतु है जहां संगठन की दिशा को अध्यात्म की गहराई और सेवा की ऊंचाई मिलती है। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव आदरणीय श्री चंपत राय जी की उपस्थिति न केवल कार्यक्रम को गरिमा प्रदान कर रही है बल्कि हमें प्रेरणा भी दे रही है कि हम प्रभु श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन, परिवार और संगठन मे सेवा कार्य द्वारा साकार करें। जब उद्देश्य पवित्र हो और मन राममय हो तो असंभव भी संभव बन जाता है। राम जन्मभूमि आंदोलन में अपने प्राण न्योछावर करने वाले अमर बलिदानी श्री राम कोठारी, श्री शरद कोठारी को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी बहन पूर्णिमा जी कोठारी की राम भक्ति, त्याग, समर्पण की सराहना की। महासभा के उपस्थित पदाधिकारियों का अभिनन्दन करते हुए सभी के प्रति साधुवाद प्रकट किया। उन्होंने कहा सेवा से समाज निर्माण, संस्कार से पीढ़ी निर्माण और साधना से आत्मनिर्माण को सार्थक करते हुए महिला संगठन सामूहिक शक्ति से अपने कार्यों को चरितार्थ कर रहा है।

तत्पश्चात शिक्षाविद डॉक्टर श्रेया माहेश्वरी (कोटा) को शक्ति वंदनम सम्मान अलंकरण प्रदान किया गया जिसका परिचय देते हुए राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी ने बताया कि वे शिक्षक के साथ–साथ एक सफल करियर काउंसलिंग फर्म भी चलाती है जहां वे युवाओं को कैरियर चयन और जीवन में सफलता के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है।

सम्माननीय अतिथि श्री चंपतराय जी ने श्री राम मंदिर निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तारपूर्वक वर्णन सभागार मे दिया। जो सभी के दिल को छू गई। आपने बताया कि राम मंदिर के निर्माण में जिस टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया गया है वह एक हजार वर्षों तक मंदिर को स्थायित्व प्रदान करेगी। उन्होंने स्मरण दिलाया वंदे मातरम का 150वाँ वर्ष है। इसे कंठस्थ करें तथा सामूहिक गायन के माध्यम से देशभक्ति कायम करें।

महासभा के संगठन मंत्री श्री प्रवीण जी सोमानी ने अपने उद्‌बोधन में सभी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए संगठन के कार्यों की प्रशंसा की विशेष रूप से अभी हाल में संपन्न संगमनेर में आयोजित किशोरी संस्कार शिविर से राष्ट्रीय महिला संगठन ने संपूर्ण समाज में अपनी विशेष पहचान बनाई है।

श्रीमती पूर्णिमा जी कोठारी ने श्री राम के जय घोष के साथ अपने वक्तव्य में कहा की कि मेरी दोनों भाइयों का राम मंदिर के प्रति बलिदान केवल आवेग नहीं था, अपितु उनके संस्कार थे। उन्हें परंपरा, संस्कृति आस्था यह सारी विरासत घर से मिली थी जिसको उन्होंने सार्थक किया। यही चेतना हमें अपने बच्चों में जागृत करनी है जिससे हमारा राष्ट्र आगे बढ़े। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ के प्रति आभार अभिव्यक्ति के साथ ही इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति को कार्यक्रम की सफलता बताया।

फिल्म निर्मात्री रूपल जी मोहता द्वारा निर्मित फिल्म सिया में राम पिक्चर की लॉन्चिंग करवाई गई। राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा धन्यवाद के साथ यह कार्यक्रम भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ

मानस हंस

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति द्वारा रामायण के माध्यम से समस्याओं के निराकरण वैचारिक मंथन प्रस्तुति **''मानस हंस''** का आंचलिक स्तर पर आयोजन किया गया। वर्तमान के सामाजिक ज्वलंत विषयों पर प्रतिभागी बहनों का अनूठे अंदाज में समाधान बहुत ही सराहनीय रहा। समिति प्रभारी अनुराधा जी जाजू, समिति प्रदर्शक मंजू जी मानधना तथा समस्त सह प्रभारियों का पूर्ण योगदान रहा। प्रस्तुति में भाग लेने संपूर्ण राष्ट्र से पधारी सभी बहनों को पुरस्कृत किया गया।

मानस भक्ति

संस्कृति सिद्धा : अध्यात्म व परंपरा समिति अंतर्गत स्वरचित भजन प्रतियोगिता भक्ति के रंग.. सुरों के संग मानस भक्ति का आयोजन जिसमें संपूर्ण राष्ट्र से पधारी विभिन्न प्रदेशों से 3-3 बहनों ने अपने सुमधुर स्वरों से स्वरचित भजन प्रस्तुत कर वातावरण को अध्यात्ममय बना दिया। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झवंर तथा समिति प्रदर्शक निशा जी लड्ढा ने किया । स्वरचित भजनों की ई पत्रिका का विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष व मंत्री द्वारा कराया गया।

कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे, निर्देशक एलन कैरियर इंस्टिट्यूट कोटा से श्री गोविंद जी माहेश्वरी जिन्होंने भजन प्रतियोगिता हेतु निर्णायक मंडल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर विशेष पर अ.भा.माहे.महासभा के अर्थ मंत्री श्री राजकुमार जी काल्या की विशेष उपस्थिति रही जिन्होंने अपने उद्बोधन में कहा की महिला संगठन टीमवर्क के रूप में शानदार कार्य कर रहा है, चाहे जिला, स्थानीय, प्रदेश सर्वत्र एकजुट होकर राष्ट्रीय स्तर से दिए जा रहे सभी सेवा उपक्रमों को फलीभूत कर रहे हैं। महिलाएं इसी तरह सशक्त होकर सर्वदा कार्य करें और आगे बढ़े। इस राम सत्र में अयोध्या मे सफलतापूर्वक अधिवेशन आयोजित करने हेतू राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ एवं समस्त संगठन की बहनों को हार्दिक बधाई दी।

मानस कत्थक योग (20 दिसंबर 2025)

सुबह की शुरुआत योग प्रशिक्षक डॉ. गोविंद आयुर्वेदाचार्य के अनूठे अंदाज में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम मानस कत्थक योग के साथ की गई जिसकी संयोजना ''संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति'' प्रभारी श्रीमती कुंतल तोषनीवाल, समिति प्रदर्शक श्रीमती मंजु हुरकट एवं उनकी टीम द्वारा की गई जिसका सभी बहनों ने भरपूर आनंद लिया।

मानस मंच

अष्ट सिद्धा : व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति अंतर्गत सभी प्रदेश अध्यक्षों हेतु आयोजित विशेष कार्यक्रम आपकी अदालत ''मानस मंच'' में आंचलिक प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें जूरी मेंबर्स के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता जी मूंधड़ा, शोभाजी सादानी तथा निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशाजी माहेश्वरी थे। ''जज'' का दायित्व निभाया राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़ ने एवं वकील का कार्यभार संभाला राष्ट्रीय महामंत्री ज्योतिजी राठी तथा राष्ट्रीय समिति प्रभारी नम्रता बियानी ने। कार्यक्रम के आयोजन में समिति प्रदर्शक मधुजी बाहेती एवं उनकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

11.30 बजे से अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक रखी गई जिसका संचालन मंत्री श्रीमती मीना सांवल ने किया। सभी पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया व सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष ललिताजी मालपानी ने ट्रस्ट संबंधी जानकारी प्रदान करवाई तथा नए ट्रस्टियों का स्वागत किया गया। उक्त बैठक में ट्रस्ट की निवृत्तमान अध्यक्ष आदरणीय रत्नी मां, संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती गीताजी मूंदड़ा ने ट्रस्ट

की प्रगति हेतु अपने विचार व्यक्त किये तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड़ ने सामाजिक स्तर पर जरूरतमंद महिलाओं की शिक्षा व स्वावलंबन में ट्रस्ट की भागीदारी की प्रशंसा करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

मानस विकास

संकल्प सिद्धा ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति अंतर्गत विकसित गांव के मॉडल की आंचलिक स्तर पर प्रतियोगिता **''पंचतत्व... ग्राम सत्व''** मानस विकास आयोजित की गई जिसमें पर्यावरण संरक्षण को महत्ता देते हुए आधुनिक गांव के मॉडल प्रस्तुत किए गए। जिसकी संकल्पना समिति प्रभारी भावनाजी राठी प्रदर्शक रेनूजी सारड़ा एवं उनकी टीम द्वारा की गई। निर्णायक के रूप में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पनाजी गगडानी तथा वैशाली बियानी की विशेष उपस्थिति रही। बहनों की सुंदर रचनात्मक कलाकृति की सभी ने बहुत सराहना की।

उद्घाटन समारोह

डॉ. अनुराधाजी जाजू के संचालन के साथ 4 बजे उद्घाटन सत्र प्रारंभ हुआ। सर्वप्रथम रंग बिरंगे राजपूती परिधानों में सजे उत्तरांचल के पांचों प्रदेश अध्यक्ष तथा सचिव द्वारा पारंपरिक अंदाज में मीठी मनुहार भरे नृत्य तथा घूमर के साथ सभी अतिथियों, पदाधिकारियों तथा साभागार में उपस्थित सभी का भावभीना स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की उद्घाटनकर्ता केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णादेवी ने सभी अतिथियों के साथ उमा महेश पूजन व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उत्तरांचल की बहनों द्वारा भगवा वस्त्रों में महेश वंदना प्रस्तुति ने आयोजन में चार चांद लगा दिए।

महामंत्री ज्योति राठी द्वारा सचिव प्रतिवेदन के रूप में पीपीटी के माध्यम से संगठन के कार्यक्रमों की डिजिटल रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसकी सभी ने सराहना की।

मंत्र आमंत्रण के साथ सभी अतिथिगण तथा पदाधिकारियों को मंचासीन किया गया। आयोजक संस्था द्वारा मंचस्थ अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया।

स्वगताध्यक्ष उत्तरांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मंजुजी मानधना ने एवं स्वागत मंत्री श्रीमती कमलेश माहेश्वरी द्वारा सभी का उत्तरांचल की धरा पर शाब्दिक स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया अयोध्या केवल एक नगर नहीं, यह मर्यादा, करुणा और धर्म की जीवंत चेतना है. यह वह भूमि है जहां राजसिंहासन से अधिक कर्त्तव्य को प्रतिष्ठा मिली। इस पावन धरा पर आयोजित इस कार्यक्रम में उद्घाटनकर्ता के रूप में भारत सरकार की प्रतिष्ठित केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णादेवी की उपस्थिति हमसभी के लिए प्रेरणा स्तोत्र हैं। उनके अभिनंदन में काव्यात्मक पंक्तियां प्रस्तुत हैं–

जन सेवा जिनका व्रत समर्पण जिनका श्रृंगार
अन्नपूर्णा देवीजी है राष्ट्र की अभिमान आधार
नारी शक्ति की प्रतीक सरलता की मिसाल
नेतृत्व में झलका उनका सच्चा सदाचार
शिक्षा और समाज की मंजुल दीप शिखा बनी
गांव गांव में नव चेतना की ज्योति जली
संवेदना जिनकी शक्ति, कर्म जिनका धर्म
ऐसे प्रेरक व्यक्ति को शत–शत नमन शत–शत नमन

उन्होंने कहा कि जीवन में दिव्यता लाने के लिए श्रीराम का आचरण सर्वोत्तम पाथेय है। आज हम सब संकल्प लें कि हम श्रीराम के आदर्शों को केवल मंच से नहीं,

अपने आचरण में जीवंत करेंगे।

विशेष सम्मान अलंकरण में सर्वप्रथम पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती शोभाजी सादानी तथा श्रीमती सुशीलाजी काबरा का अभिनन्दन पत्र के साथ सम्मान केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णादेवी के करकमलों से किया गया।

संत मंदाकिनी दीदी

राष्ट्रीय महिला संगठन की तरफ से विशिष्ट, अति विशिष्ट तथा सशक्त महिलाओं का सम्मान किया जाता है। महामंत्री द्वारा उनके नाम की घोषणा कर उनका जीवन परिचय तथा उपलब्धियों के बारे में बताकर उन्हें मंच पर आमंत्रित कर उन्हें **''शक्ति वंदनम् सम्मान''** से सम्मानित किया गया।

रितु बियानी

वैशाली बियानी

पूर्णिमा कोठारी

सिद्धि करनानी

पल्लवी लड्ढा

✻ आर्मी, डॉक्टर, पैराटूपर, कैंसर योद्धा, पर्वतारोही पुणे से **डॉक्टर कैप्टन रितु बियानी**

✻ महिला उद्यमी तथा पर्यावरण संरक्षक कानपुर से **वैशाली बियानी**

✻ राजनीतिज्ञ राष्ट्रवादी चिंतक एवं समाजसेवी कोलकाता से **पूर्णिमा कोठारी**

✻ अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला उद्यमी तथा समाजसेवी कोलकाता से **सिद्धि करनानी**

✻ प्रतिष्ठित महिला उद्यमी भीलवाड़ा से **पल्लवी लड्ढा**

मंचासीन अतिथियों द्वारा सत्र स्मारिका **''शाश्वतम्''** के मुख्य पृष्ठ का विमोचन किया गया।

उद्‌घाटनकर्ता श्रीमती अपन्नपूर्णा देवी द्वारा अपने उद्‌बोधन में कहा–राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ के नेतृत्व में महिला संगठन बहुत ही अच्छे ढंग से कार्यों को कर रहा है। आज इस कार्यक्रम के माध्यम से अयोध्या की यह पुण्य भूमि एक ऐसे आयोजन की साक्षी बन रही है, जहां संस्कृति, साधना, संकल्प तीनों का अद्‌भुत संगम हो रहा है। राम जन्मभूमि हमें याद दिलाती है कि मर्यादा जब जीवन का आधार बनती है, तब राष्ट्र महान बनता है। नर सेवा नारायण सेवा की भावना समाज के लिए प्रेरक शक्ति है और संस्कार, संगठन और संकल्प से राष्ट्र निर्माण कैसे होता है यह आपके संगठन ने सिद्ध किया है। नारी केवल शक्ति की प्रतीक नहीं अपितु शक्ति का साक्षात् स्वरूप भी है। आधुनिक सोच के साथ भविष्य निर्माण का भी प्रयास कर रही है। आध्यात्मिक के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से विरासत के साथ विकास के मंत्र को भी अपनाया जा रहा है। आपके संगठन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम आदरणीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति प्रदान करेगा और स्वदेशी अपनाने का जो मंत्र है उसको भी शक्ति प्रदान करेगा। हमें विश्व में नेतृत्व करना है तो हमें अपनी जड़ों व संस्कृति से जुड़ना होगा। सरकार द्वारा लिए जा रहे जनहित कार्यक्रमों को जैसे एक पेड़ मां के नाम, साइबर अवेयरनेस, मेगा मेडिसिनल प्लांटेशन, वस्त्रम प्रोजेक्ट, योग शिविर, भाषा और संस्कृति को लेकर किए जा रहे कार्यक्रमों के साथ महिला व बाल विकास की उन्नति में सहभागिता द्वारा बहनों को राष्ट्र सेवा से जुड़ने हेतु प्रेरित किया।

राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा ''ओजस्वम्'' के अंतर्गत संस्कार सिद्धा समिति की प्रभारी श्रीमती अंजलि तापड़िया एवं उनकी टीम तथा अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट के सहयोग से जरूरतमंद मेधावी किशोरियों को 17 लैपटॉप वितरण किए गए।

सम्मानित अतिथि श्रीमती संगीता बियानी चेयरमैन बियानी एजुकेशन ग्रुप ने अपने उद्‌बोधन द्वारा समाज को

पारिवारिक रिश्तों के महत्व को दर्शाते हुए संदेश दिया।

अत्यंत हर्ष तथा गर्व का विषय है कि उक्त कार्यक्रम हेतु विशेष रूप से भारत के 14वें राष्ट्रपति रामनाथजी कोविंद का वर्चुअल शुभकामना संदेश भी हमें प्राप्त हुआ, जिसे स्क्रीन पर सभी को दर्शाया गया। उन्होंने कहा कि अयोध्या की पावन भूमि पर मानस सिद्धि कार्यक्रम के रूप में नई चेतना का संगम बहुत ही सौभाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य का निर्माण महिला शक्ति के हाथों में है, क्योंकि प्रथम गुरु के रूप में एक मां अपने बच्चों को शिक्षा व संस्कार देती है। मानस सिद्धि कार्यक्रम अखिल भारतवर्ष माहेश्वरी महिला संगठन के नवचेतना, नव दिशा और नव संकल्प का स्रोत बनेगा। इस आयोजन से जुड़ी नेतृत्वकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री सभी पदाधिकारी बहनों और कार्यकर्ता मातृशक्ति को उज्ज्वल भविष्य निरंतर सेवा और सामाजिक नेतृत्व के लिए हार्दिक शुभकामनाएं तथा बधाई प्रेषित की। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्यामाजी भांगड़िया ने सभी का आभार ज्ञापन किया।

मानस युगांतर

दिल्ली प्रदेश सचिव लक्ष्मीजी बाहेती तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश सचिव मनीषाजी राठी के सुंदर संचालन के साथ उत्तरांचल अधिवेशन के रूप में आयोजक संस्था द्वारा सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम **''मानस युगांतर''** प्रस्तुत किया गया, जिसमें उत्तरांचल के पांचों प्रदेश के कलाकारों का समावेश था। कार्यक्रम सूत्रधार समिति सह प्रभारी राजश्री जी मोहता तथा उर्वशी जी साबू के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में प्रस्तुति को पूरे सदन से सराहना मिली। राष्ट्रीय महिला संगठन की तरफ से कलाकारों को 51 हजार रुपए की राशि पुरस्कार स्वरूप दी गई।

''मानस शिल्पी'' तथा **''मानस विकास''** प्रतियोगिता के निर्णय घोषित कर पुरस्कार वितरण किया गया। मानस विकास प्रतियोगिता में पांचों अंचल के सभी मॉडल का डिजिटल प्रस्तुतीकरण सभी अंचल के सहप्रभारी द्वारा समयबद्धता के साथ किया गया जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण बना और समाज को सुंदर संदेश दे गया।

मानस अभिव्यंजना (21 दिसंबर 2025)

उत्तरांचल के पाँचों प्रदेशों द्वारा रामायण के सशक्त महिला पात्रों की एकल अभिनय प्रतियोगिता मानस अभिव्यंजना में उत्तरांचल के पाँचों प्रदेशों को 2-2 किरदार दिए गए थे। इस तरह कुल 10 सशक्त महिला पात्रों की ज्ञानवर्धक प्रस्तुति सम्पन्न हुई। इसका सुंदर संचालन उत्तरांचल की संयुक्त मंत्री श्रीमती मंजु हुरकट ने किया। निर्णायक मंडल के रूप में कार्यक्रम में विशेष उपस्थिति रही। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीलाजी काबरा तथा फिल्म निर्मात्री व अभिनेत्री रूपल जी मोहता की। सभी विजेताओं व प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु बांगड़ एवं पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीताजी मूंदड़ा को उनके जन्मदिवस की बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

सौ.गीताजी मूंदड़ा का जन्मदिन मनाया

''मानस बोध''

संत वाणी मानस बोध अंतर्गत परम पूज्य मंदाकिनी दीदी श्री रामकिंकरजी द्वारा मानस में मातृशक्ति विषय पर

बहुत ही सरल ग्राह भाषा में अपने प्रेरक उद्गार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि हमें सनातन धर्म एवं संस्कृति का अनुपालन करना है। रामचरित मानस अब केवल सनातन धर्म की निधि नहीं, अपितु सारे विश्व की विलक्षण कृति घोषित कर दी गई है। यूनेस्को के धरोहर में सम्मिलित हो गया है। अयोध्या भूमि श्रीराम राज्य की स्थापना की साक्षी है तो रामचरित मानस जन–जन को संदेश देने वाला पवित्र दर्पण है। आप सब लोग यह संकल्प लेकर जाएं कि हम सभी श्रीराम तथा भरत का अनुपालन करते हुए रामचरित मानस को अपने परिवार तथा जीवन में सार्थक करेंगे। कार्यक्रम का संचालन बहन प्रभाजी जाजू द्वारा किया गया।

बहुत ही गौरव का विषय है कि वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड़, निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशाजी माहेश्वरी द्वारा महामंत्री ज्योतिजी राठी के नाम की नए सत्र 2026 से 2029 कार्यकाल के लिए अध्यक्ष के रूप में घोषणा की गई। मंजुजी ने नव मनोनीत अध्यक्ष ज्योतिजी राठी के नाम की घोषणा करके पगड़ी पहनाकर स्वागत किया तथा साथ ही उन्हें सफल कार्यकाल के लिए परम पूज्य संत मंदाकिनी दीदी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीताजी मूंदड़ा, शोभाजी सादानी, सुशीलाजी काबरा के साथ श्री कमल किशोरजी राठी की विशेष उपस्थिति रही। मध्यांचल की बहनों ने स्वागत नृत्य से पूरे सदन को ज्योतिर्मय कर दिया।

समापन समारोह

अंत में कार्यकर्ता सम्मान तथा समापन समारोह का प्रारंभ हुआ जिसकी सम्मानित अतिथि श्रीमती अनिताजी जांवधिया (सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं संयुक्त मंत्री मध्यांचल) तथा श्रीमती प्रीति तोषनीवाल (राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री) थी। आयोजक संस्था की तरफ से सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं, विशेष रूप से भोजन व्यवस्था हेतु श्री जय भुराड़िया, श्री सतीश करनानी एवं उनकी टीम तथा यातायात हेतु कानपुर युवा संगठन के अध्यक्ष राकेशजी मूंदड़ा, उनकी टीम, समाज बंधुओं, प्रदेश की बहनों के आत्मीय सहयोग के लिए स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर संचार सिद्धा समिति की टीम की अमृताजी सारड़ा, पूनमजी, रिंपीजी कोठारी एवं सदस्यों का भी उनके टेक्निकल सहयोग हेतु सम्मानित किया गया।

विशेष घोषणा

आदरणीय अध्यक्ष श्रीमती मंजुजी बांगड़ ने आगामी नए सत्र के चुनावों के बारे में जानकारी दी। सभी प्रदेशों को अपने जिलों तथा स्थानीय क्षेत्रों में 15 जनवरी से 15 फरवरी के मध्य तथा प्रदेश में 15 फरवरी से 15 मार्च तक चुनाव सम्पन्न करवाने हैं। आगामी बैठक 12–13 अप्रैल 2026 को सूरत में होगी, जिसमें प्रदेशों के नए अध्यक्ष को आना होगा। पुराने अध्यक्ष तथा उनकी टीम का सम्मान किया जाएगा और नए अध्यक्ष का स्वागत व अभिनंदन किया जाएगा। अंत में राष्ट्रीय महामंत्री ज्योतिजी राठी ने पूरे राष्ट्र के 27 प्रदेश तथा नेपाल चैप्टर से आई समस्त बहनों का, सभी अतिथियों का, उत्तरांचल के पांचों प्रदेश विशेष रूप से मध्य उत्तर प्रदेश की पूरी टीम का यथोचित व्यवस्था हेतु राष्ट्रीय महिला संगठन की तरफ से आभार व्यक्त किया। पूरे राष्ट्र से पधारी 650 बहनों की उपस्थिति से कार्यक्रम अत्यधिक भव्यता पूर्वक सफल रहा तथा रामलला के दर्शन के साथ ही सभी सदस्यों को (श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट) द्वारा निर्मित महाप्रसाद का वितरण आयोजक संस्था द्वारा कराया गया।

रा. अध्यक्ष–मंजु बांगड़ ❊ रा.महामंत्री–ज्योति राठी

अयोध्या में उत्तरांचल अधिवेशन ''मानस–सिद्धि'' भव्यता पूर्वक संपन्न

19-20- 21दिसम्बर, 2025 को अयोध्या में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं नवम कार्यसमिति बैठक **''मानस सिद्धि''** के अंतर्गत उत्तराँचल अधिवेशन भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

इसके अंतर्गत 20 दिसंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम चारों युगों को भगवान विष्णु के दशावतार के माध्यम से प्रदर्शित कार्यक्रम युगान्तर की भव्य व विराट प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ की परिकल्पना, उपाध्यक्ष मंजु मान्धना व संयुक्त मंत्री मंजु हरकुट की संयोजना, राज श्री मोहता व उर्वशी साबू की संकल्पना, पांचो प्रदेशों के सभी अध्यक्ष व सचिवों सीमा झंवर, नीलम मंत्री,मोनिका माहेश्वरी, मनीषा राठी,सीमा मूंदड़ा, अनु सोमानी, भारती करवा, पुष्पा, श्यामा धूत, लक्ष्मी बाहेती, दिल्ली की अवधारणा ने रूप लिया युगान्तर का, साथ ही पांचो प्रदेशों से आयी लेखिका बहनों की कलम का जादू ज़ब बिखरा, तो सभी प्रदेशों के 15 शहरों से आये 73 प्रतिभागियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से इसे चिर – स्मृति के रूप में सभी उपस्थित जनों के हृदय में विराजित कर दिया।

एक युग का अंत व दूसरे का आरम्भ, सतयुग की रत्न प्रसवनी धरा कैसे त्रेता व द्वापर से कलयुग के आने तक चीत्कार कर उठी व पुनः कैसे सृजन की ओर जाती है, यही इस कार्यक्रम का उद्देश्य भी था और सार्थकता भी। वास्तव में ये प्रस्तुति एक धारणा बनकर सभी को मंत्र –मुग्ध करने में सफल रही, जिसे राष्ट्रीय संगठन द्वारा 51,000/ रूपये की राशि पुरस्कार रूप में प्रदान की गयी।

21 दिसम्बर, 2025 को इसी अधिवेशन के अंतर्गत दूसरा कार्यक्रम ''मानस अभिव्यंजना'' को, उत्तराँचल के पांचो प्रदेशों से आये दस प्रतिभागियों (प्रत्येक प्रदेश से दो) द्वारा मंचस्थ किया गया, जो रामायण के दस सशक्त महिला पात्रों पर आधारित था, जिनके बिना रामायण का ये स्वरुप, जो आज हम देखते व सुनते है, यथार्थ के धरातल पर कदापि सम्भव नहीं होता। प्रत्येक पात्र (अनुसूया, कौशल्या, कैकई, सीता, उर्मिला, मंदोदरी, शुपर्णखा, त्रिजटा, शबरी, अहिल्या)मानो साक्षात् मंच पर उस चरित्र को जी रहा था। सभी पात्रों के अथक प्रयासों से ये कार्यक्रम सफलता के शीर्ष तक पहुंचा।

उत्तराँचल के सभी प्रदेश अध्यक्ष सचिवों, सीमा झंवर, नीलम मंत्री, मोनिका माहेश्वरी, मनीषा राठी, भारती करवा, पुष्पा धूत सीमा मूंदड़ा, अनु सोमानी (पंजाब / हरियाणा), श्यामा भाँगड़िया, लक्ष्मी बाहेती के पूर्ण सहयोग की इस अधिवेशन को सफल बनाने में,जितनी प्रशंसा की जाये, कम ही है। स्वागत अध्यक्ष मंजू जी मान्धना(दिल्ली), स्वागत मंत्री कमलेश जी (मध्य उत्तर प्रदेश) की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। आयोजक संस्था, मध्य उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष, मंत्री व कार्यालय मंत्री प्रीति जी ने जिस प्रकार अपने उत्तरदायित्व को कुशलतापूर्वक निभाया, निसंदेह प्रशंसनीय है। सभी के अथक परिश्रम से ही ये कार्यक्रम सफलता के साथ अपनी मंजिल तक पहुँचने में सफल रहा। मानस अभिव्यँजना का संचालन संयुक्त मंत्री मंजू हरकुट द्वारा किया गया। निर्णायक की भूमिका का निर्वहन पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला जी काबरा एवं फ़िल्म निर्मात्री व अभिनेत्री रुपल जी मोहता द्वारा किया गया।

प्रथम स्थान प्राप्त करने का गौरव हासिल किया–सृष्टि माहेश्वरी (शबरी) मध्य उत्तर प्रदेश

द्वितीय स्थान पर रहीं प्रियंका राठी (उर्मिला) पश्चिमी उत्तर प्रदेश

तृतीय स्थान पर रहीं गुंजन पटवारी (शुपर्णखा)पूर्वी

उत्तर प्रदेश

अन्य सभी प्रतिभागियों (इंदु लड्ढा (कैकेयी), आराधना लाहोटी (मंदोदरी), राधिका मुंदड़ा(अनुसूया), भावना राठी(सीता), ममता भट्टर (त्रिजटा), निधि माहेश्वरी (अहिल्या),पूजा कोठारी(कौशल्या) को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किये गए।

सम्माननीय अतिथि प्रतिभा जी, जय श्री भट्टर, विनीता जी राठी, रजनी जी हरकुट(पश्चिमी उत्तर प्रदेश) निशा जी कहाल्या, सुजाता जी राठी एवं प्रेमा जी झंवर (मध्य उत्तर प्रदेश) के सहयोग के बिना इस कार्यक्रम का मूर्त रूप संभव नहीं था।

जीवन को आज के परिप्रेक्ष्य में अनुभव कर उसे नव जागृति व नव चेतना प्रदान करना ही इस प्रकार के कार्यक्रमों का उद्देश्य होता है।

अंतिम दिवस होने के बाद भी बहनों का बड़ी संख्या में उपस्थित होना सभी को प्रोत्साहित कर गया।

मंजू मान्धना (उपाध्यक्ष, उत्तराँचल)

मंजू हरकुट (संयुक्त मंत्री, उत्तराँचल)

झलकियाँ

ज्ञानवर्धक था हर एक प्रोग्राम

राम नगरी में लेकर राम का नाम,
मानस सिद्धि के मनलुभावन थे सब काज,
ज्योतिर्मय किरण से मंजुल हुए ममत्व भरे थे हर एक काज,
और ज्ञानवर्धक था हर एक प्रोग्राम,
स्वरचित भजन सुन मन हर्षाया,
आपकी अदालत ने संगठन को समझाया,
तो स्मार्ट गांव में नई तकनीकी का दर्शन सबने पाया,
दशावतार देख मन मंत्रमुग्ध हो आया,
मंदाकिनीजी की दिव्य वाणी ने ज्ञान बरसाया,
मानस के मोती की अद्‌भुत कल्पना को अनुराधा जी टीम की सोच ने सुंदर जामा पहनाया,
बंदनवार की झांकी देख कलाकार बहनों की कला ने चौंकाया,
सुंदर व्यवस्था के बीच स्वादिष्ट भोजन कर मन हुआ तृप्त
मंजू की मंजुल आशा को ज्योति रूपी किरण ने
श्री राम का ममता भरा आशीर्वाद पाया
मानस सिद्धि के सफल आयोजन पर आयोजकों को बहुत बहुत बधाई

विनीता लाहोटी कोटा

झलकियाँ

अयोध्या में मानस सिद्धि ने मानस को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसे मानस शब्द का चमत्कार समझें या आप लोगों के नेतृत्व का प्रभाव।
मानस से ज्वलंत समस्याओं का समाधान निकलना,
भक्ति संगीत की अविरल धारा में बहती अपनी बहनों की क्रियात्मकता और कलात्मकता,
पंच तत्वों को सहेजती ग्राम सत्व की पांच परिकल्पनाएं,
सफलताओं की बंदनवार से तोरणद्वार बनते दिखे।
उत्तरांचल की प्रस्तुतियां
स्पंदन जगाने के लिए दो ही दस के बराबर थीं।
युगांतर ने मन मोहते हुए मन मस्तिष्क को सोचने के लिए उद्वेलित कर दिया।
युगों बाद योग्या से बनी महिला शक्ति नासमझी में फिर से भोग्या न बन जाए,पुराणों के हवाले से दिया गया
ये गहन संदेश नृत्य,नाट्य,संगीत के माध्यम से गूढ़ संदेश दे गया।
नारी पात्रों का अभिनय न देख पाने का दुख रहा।
भोजन,निवास, मेल मिलाप,
मंदिर दर्शन, अतिथि वक्तव्य, विभूति सम्मान,
किसी कार्यक्रम की सफलता का
इससे बड़ा साक्षी और क्या हो सकता हे।
आप की टीम की सूझ बुझ, समन्वय क्षमता,
कर्त्तव्यनिष्ठा, प्रशंसनीय है।
आयोजक संस्थाये साधुवाद का पात्र हैं।

अनुग्रहित-कल्पना गगड़ानी

मानस सिद्धि के सफल आयोजन पर कुछ प्रतिक्रियाएँ

कैसे करूं बखान

प्रिय मंजु जी, ज्योति जी एवं सभी पदाधिकारी
मानस सिद्धी कार्यक्रम की सफलता पर ढेर सारी बधाइयां।
अन्तर्मन के भावों ने लिया आकार,
अयोध्या धाम में मीटिंग का स्वप्न हुआ साकार।
भव्य मंदिर में राम लला के दर्शन,
पूर्व राष्ट्रपति जी का सार गर्भित संदेश,
तपस्वी चंपतराय जी के ऐतिहासिक उद्गार,
अन्नपूर्णादेवीजी का पदार्पण,मंदाकिनी दीदी के विचार महान्।
हुआ निर्माणाधीन शौर्य भवन का अवलोकन।
उत्तरांचल की बहनों का कैसे करूं बखान
प्रीति जी का समर्पण, प्रेमा जी का स्नेह ,
सीमा जी की सौम्य मुस्कान,
नीलिमा जी की वीडियो ग्राफी की लगन,
सुजाता जी की उपस्थिति अडिग,
आवास ,आवागमन हो या भोजन,
सभी बहनों का अच्छा रहा योगदान।
सभी प्रदेशों की कला का अभूतपूर्व प्रदर्शन
सधे हुए, संदेश युक्त कार्यक्रमों का आयोजन।
कमलेश जी सहित मंजुल त्रिवेणी का करती हूं अभिनंदन।
नव नेतृत्व की हुई उद्घोषणा, ज्योति जी को अनेक अनेक
शुभकामना उन सभी कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाइयां।

गीता मून्दड़ा, इंदौर

अयोध्या धाम में स्वप्न सजा

मानस सिद्धि का गौरव गान अयोध्या धाम में स्वप्न सजा,
राम लला का आशीष मिला, मंजु जी,
ज्योति जी के नेतृत्व में, संगठन का यह पुष्प खिला।
उत्तरांचल की बहनों का, अद्भुत दिखा यहाँ समर्पण,
पांचो प्रदेश के पदाधिकारीयों का,सादर भावपूर्ण अभिनंदन।
सात्विक भोजन, सुघड़ व्यवस्था, शौर्य भवन की दिव्य आभा,
बहनों की अटूट लगन ने, बढ़ाई इस उत्सव की भव्य शोभा।
नव नेतृत्व की ज्योति जली, गूँजा फिर से मधुर गान ,
मानस सिद्धि की यह सफलता, हम सबका ही सम्मान !

अंजली तापडिया रा.प्रभारी -संस्कार सिद्धा समिति

सेवा-भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ

मानस सिद्धि अयोध्या का यह आयोजन अत्यंत भव्य, सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायी रहा। कार्यक्रम की परिकल्पना से लेकर समापन तक प्रत्येक व्यवस्था उत्कृष्ट रही। आवागमन, आवास, भोजन, समय-प्रबंधन एवं अनुशासन-हर स्तर पर आपकी टीम का समर्पण, सूझबूझ और सेवा-भाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। यह कार्यक्रम न केवल सफल रहा, बल्कि सभी सहभागियों के लिए एक अविस्मरणीय, आध्यात्मिक एवं आनंददायक अनुभव बन गया। इतने सुंदर और सुचारु आयोजन के लिए आप सभी निश्र्चय ही साधुवाद के पात्र हैं।

मंजू भराड़िया, नीलम तापड़िया
पूर्वी राजस्थान प्रदेश

संगठन, साधना और संस्कृति का अद्भुत संगम

रॉयल हेरिटेज, अयोध्या की पावन धरती पर आयोजित यह बैठक बनी संगठन, साधना और संस्कृति का अद्भुत संगम। हर सत्र में ज्ञान, हर पल में प्रेरणा, मंजु भाभी बांगड़ का कुशल प्रबंधन - सहजता और गरिमा का संगम, ज्योति भाभी राठी का मधुर साथ - ऊर्जा और सौहार्द का संचार, उत्तरांचल टीम की संगठन शक्ति - प्रेरणादायी और अनुकरणीय, घना कोहरा और कड़ाके की ठंड भी नहीं रोक सकी सदस्याओं के उत्साह को, हर चेहरा आस्था से दमकता, हर मन संकल्प से सजग, सुषमा भाभी बंग का विदर्भ प्रदेश को संगठन रूपी माला में पिरोने का सुंदर संकल्प, नीलिमा जी मंत्री का प्रबंधन एवं द्वारा रामलला की शृंगार आरती - दुर्लभ सौभाग्य , काशी विश्वनाथ के अप्रतिम दर्शन, गंगा मैया की दिव्य आरती, गंगा और सरयू

के पवित्र जल में स्नान – आत्मशुद्धि और अलौकिक अनुभूति, काल भैरव के दर्शन ने साधना को पूर्णता दी, हर क्षण अविस्मरणीय बना... क्योंकि यह बैठक अयोध्या में थी।

– सौ. संगीता सीताराम राठी, विदर्भ प्रदेश

मधुर मधुर मुस्कान

राम लला की नगरी, उनकी मधुर मधुर मुस्कान , मुख की शोभा इतनी सुंदर, मानो जो चाँद को था अपने ऊपर वो टूटा उसका भी गुमान । मानस सिद्धि के सफल आयोजन की सभी सदस्यों को बहुत बहुत बधाई ।

राम लला की नगरी मे कदम रखते ही जैसे मानो खुद राम लला ने ही सारे कार्यक्रम का भार अपने ऊपर ले लिया हो। तभी तो इतना सुंदर अतिथियों के स्वागत की सुव्यवस्था थी। मंजू दीदी, ज्योति दीदी सहित सभी अंचल से जो भी दीदियां आयी और उन्होंने जो अपनी अनमोल वाणी से मार्गदर्शन/भक्ति/योग/शिल्प/विकास/मानस मंगल/ के साथ कार्यक्रम की रूप रेखा को बनाया और संवारा है उसके लिए हम उनका तहे दिल से धन्यवाद करते हैं । राम लला के दर्शन भ्रमण से लेके /सवादिष्ट व्यंजन/ शॉपिंग /टिफिन /आवास तक की सुंदर और सुचारू व्यवस्था थी।

मीना लाहोटी

संस्कार सिद्धा समिति संयोजक कोलकाता

******

Manjuji And Jyotiji, Greetings With Love

Just 2 Days Back I Came Back To Mumbai After Became A Part Of Big Show At "Ramji Ki Nagari Ayodhya" "Manas Siddhi" A Program Well "Organized" And "Managed" By "Akhil Bharat Varshiya Maheshwari Mshila Sanghatan"

A Program Not Only A Gathering Of "Mahila Members" From All Parts Of India But You Provide Them A Platform For Their Hidden Talents. You Both Are Deserving A Big "Salute" From Me And My Other Friends

Brother, Where Do You Get Such Useless Ideas!!?? Let's Go After The Idea The Way You And Your Team Members Are Bringing Them In The Form Of "Reality Performance " On The Stage Really It's A Huge Compliment. You Co-related Today's Burning Problems With "Manas" A Great Team Work Under Anuradhaji's Guidence Bhakti Sangeet With Creativity And Artistic Performances. Connecting "Panch Tatva With Gram Satva" Is A Message That You Have Given To All Of Us, Stay At Your Hometown.

And Try To Make It So Modern That One Should Not Think Of Going To City.this Can Stop "Out Go" I Have A Seen 50'60 Pylon Made Out Of "Remains" Of Old Dress Of Gods.great Creativity.and Finally "Yugantar"

A Mind Boggling Performance I Ever Seen.bringing 73 Performers From Different Part Of Uttarachal On One Platform.a Great Great Idea "Manjuji".credits Also Goes To"Writer And Kathak Dancer Sir "A Govinda"

Food - What Can I Say? I Gained 3 Kg (Not Joking). Staying - More Than Guests.

On Top Of It, A Warm "Welcome" From You And Your Team. May "Shri Ram" Inspire You To Continue Doing Great Work. With This Prayer, A Big Thank You.

Note - Jyotiji Best Wishes To You For The Upcoming Season.

शरद गगडानी, मुंबई

पूर्व राष्ट्रपति माननीय रामनाथ जी कोविद का उद्बोधन

किसी भी संगठन के 50 वर्ष पूरा करना यह उसके सदस्यों की तपस्या, सेवा, निरंतरता और सामाजिक उत्तरदायित्व को दर्शाता है

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की माननीय राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती मंजू जी बांगड़, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी, संगठन के समस्त राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारी गण, सम्मानित बहनों – आज अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के मानस सिद्धि कार्यक्रम में आप सभी के बीच वर्चुअल रूप से उपस्थित होना मेरे लिए हर्ष का विषय है।

ये कार्यक्रम सामाजिक चेतना, नारी सामर्थ्य और सांस्कृतिक राष्ट्रीयता का एक दिव्य संगम है। आपका संगठन अपने स्थापना के 50 वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक पड़ाव की ओर बढ़ रहा है ऐसे में इस कार्यक्रम का महत्व और भी बढ़ जाता है। किसी भी संगठन के 50 वर्ष पूरा करना यह उसके सदस्यों की तपस्या, सेवा, निरंतरता और सामाजिक उत्तरदायित्व को दर्शाता है और आज का यह आयोजन भी समाज की चेतना, नारी की सामर्थ्य और राष्ट्र की संस्कृति की आत्मा का एक सशक्त अभिव्यक्ति पल है। आपका अधिवेशन अयोध्या की पावन धरती पर हो रहा है, यह अपने आप में अत्यंत अर्थपूर्ण है। अयोध्या केवल एक नगरी नहीं यह मर्यादा, कर्तव्य और करुणा का जीवंत प्रतीक है। ये वह भूमि हैं जहां हमें यह शिक्षा मिलती है कि शक्ति का सबसे ऊंचा रूप संयम और त्याग में निहित होता है ऐसी भूमि पर नारी चेतना का ये संगम बहुत ही सौभाग्यपूर्ण है।

प्रिय बहनों – आज का विश्व तेज परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान और तकनीक में बहुत सी नई संभावनाएं खोल दी है, पिछले कुछ दशकों से भौतिक रूप से विश्व ने बहुत तरक्की की है परंतु इन सब के साथ ही समाज में भी बहुत सी नई चुनौतियां भी सामने आई है, ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या विकास केवल भौतिक प्रगति से मापा जा सकता है या फिर उसका वास्तविक मूल्य मानव संवेदना, सामाजिक संतुलन और नैतिकता में निहित होता है। भारत की परंपरा हमें सिखाती है कि संतुलित विकास वही है जिसमें प्रगति और जीवन मूल्य साथ–साथ चलते हैं और आदिकाल से हमारी संस्कृति में इसी संतुलन की सबसे बड़ी भाग रही है – नारी। हमारी संस्कृति में माना जाता है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है वहां देवत्व का वास होता है, यही कारण है कि हमारी संस्कृति में नारी को सम्मान व अधिकार मिला है और यहां तक की मार्गदर्शक का स्थान भी मिला है।

आपका संगठन, शिक्षा, आत्मरक्षा और स्वास्थ्य के

कार्यों से लेकर पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल साक्षरता व स्वरोजगार को भी बढ़ावा दे रहा है। आपके द्वारा संचालित आत्मरक्षा- प्रशिक्षण, किशोरी संस्कार शिविर, वस्त्रम उपक्रम, वृक्षारोपण अभियान, स्वदेशी मेले, साइबर सुरक्षा जागरूकता, नेत्रदान और स्वास्थ्य मिशन जैसे कार्यक्रम यह दर्शाते हैं कि यह संगठन सामाजिक जरूरतों की पूर्ति और समस्याओं के निवारण के लिए किसी की राह नहीं देखता है बल्कि समाधान की पहल करता है।

मैं विशेष रूप से स्वदेशी के भावना के प्रति आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। स्वदेशी केवल आर्थिक नीति नहीं, केवल वस्तुओं के चयन का प्रश्न नहीं है ये राष्ट्रीय स्वाभिमान, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक गौरव का संकल्प है। जब एक परिवार स्वदेशी को अपनाता है तो वह केवल अर्थव्यवस्था को नहीं बल्कि देश के श्रमिक, कारीगर और उद्यमी को भी सशक्त करता है। परिवार की आर्थिक प्राथमिकताओं को आकार देने में महिलाओं की केंद्रीय भूमिका होती है। यदि हमारी माताएं और बहनें यह संकल्प ले कि वो अपनी खरीदारी में स्वदेशी को प्राथमिकता देंगे तो आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य स्वतः साकार होने लगेगा।

जब महिलाएं शिक्षित, आत्मविश्वासी और जागरूक होती है तब समाज और राष्ट्र स्वाभाविक रूप से प्रगतिशील बनता है। भारत के भविष्य का निर्माण बड़े राजनेताओं, सरकारी अधिकारियों और उद्योगपतियों के हाथों में नहीं है, भारत के भविष्य का निर्माण सही मायने में आप सबके हाथों में है क्योंकि भारत का भविष्य हमारे घरों में गढ़ा जाता है। भारत का भविष्य उन संस्कारों में आकार लेता है जो प्रथम गुरु के रूप में एक मां अपने बच्चों को देती है।

मुझे विश्वास है कि मानस सिद्धि का ये कार्यक्रम अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन के लिए नवचेतना, नवदिशा और नव संकल्प का स्त्रोत बनेगा। इस आयोजन से जुड़ी सभी पदाधिकारी बहनों और कार्यकर्ता मातृशक्ति को इस सफल आयोजन के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई।

जय मातृ शक्ति – जय हिंद

प्रतिक्रिया

पत्रिका को और भी जीवंत, उपयोगी एवं पठनीय बना दिया

माहेश्वरी महिला पत्रिका में हर बार कुछ न कुछ नवीन, प्रेरक और विचारोत्तेजक पढ़ने को मिलता है। दिवाली विशेषांक में संपादकीय लेख के माध्यम से शक्ति, भक्ति और जागृति का जो सारगर्भित वर्णन प्रस्तुत किया गया है, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। लक्ष्मी पूजन की आराधना को केवल धन-समृद्धि तक सीमित न रखते हुए, उसे धन, स्वास्थ्य, सौंदर्य एवं पारिवारिक रिश्तों की घनिष्ठता से जोड़कर जिस सहज और सुंदर ढंग से समझाया गया है, वह पाठकों को आत्ममंथन हेतु प्रेरित करता है।

कल्पना जी गगरानी द्वारा प्रस्तुत नवदुर्गा के विविध रूपों का वर्णन अत्यंत प्रेरणादायी है। उनके लेख से नारी शक्ति की प्रतिध्वनि, समय के साथ परिवर्तन और आत्मबल की महत्ता का गहन संदेश प्राप्त होता है। साथ ही, विशेष त्योहारों पर प्रस्तुत खाने-खजाने के चटकारे जैसे रोचक स्तंभ ने पत्रिका को और भी जीवंत, उपयोगी एवं पाठकप्रिय बना दिया है। समग्र रूप से यह अंक ज्ञान, संस्कार, परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम है। माहेश्वरी महिला पत्रिका की पूरी टीम को इस उत्कृष्ट प्रस्तुति हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

पूर्वी राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष मंजु भराड़िया

श्रीमती शोभा सादानी एवं श्रीमती सुशीला काबरा का राष्ट्रीय संगठन की ओर से सम्मान, बहुत-बहुत बधाई

सम्मान पत्र

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

आदरणीय शोभा जी सादानी

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा, सत्र 2010 - 2013

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन को अपनी दूरदर्शिता, सौम्यता और कुशल नेतृत्व से नयी दिशा प्रदान करने वाली आदरणीया शोभा जी सादानी कोयह सम्मान-पत्र अर्पित करते हुए हम सभी स्वयं को अत्यंत गौरवान्वित महसूस करते हैं।

यह सम्मान-पत्र अर्पित करते हुए हम सभी स्वयं को अत्यंत गौरवान्वित महसूस करते हैं।

आपके नेतृत्व काल में संगठन ने एकता, संगठनात्मक शक्ति और नारी-उत्थान के अनेक सार्थक पड़ाव प्राप्त किए। सामाजिक जागरूकता, सेवा-भाव, संस्कृति-प्रेम और संगठनात्मक विकास-इन सभी क्षेत्रों में आपका योगदान अविस्मरणीय है।

आप हैं ---

शो - भायमान है व्यक्तित्व आपका, जो देता है प्रेरणा का संदेश।
भा - रत माता के प्रति आपके समर्पण में छिपे हैं संस्कार और दृढ़ विश्वास।
जी - वन को सार्थक बना रहा हिंदुत्व का आपका पवित्र संकल्प।
सा - मर्थ्य आपका असीमित, सफलता को साधने का अटूट व्रत।
दा - दी बनकर लकीर की, शिक्षा देती हैं संस्कारों की अमूल्य धरोहर।
नी - लकंठ की भक्त बनकर सिखाती हैं सद्व्यवहार, सरलता और विनम्रता।

आप भारतीय नारी-शक्ति, सांस्कृतिक आस्था और संगठनात्मक समर्पण की सच्ची प्रतिमूर्ति हैं। आपके योगदानों ने संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया और समाज सेवा की लौ को प्रज्वलित रखा।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से, हम भगवान महेश से प्रार्थना करते हैं कि वे आपको सदैव सुस्वस्थ, प्रसन्न, दीर्घायु रखें और संगठन तथा समाज के हित में सेवा करते रहने की सदैव शक्ति प्रदान करें।

॥ जय उमा महेश ॥

सम्मान पत्र

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

आदरणीय सुशीला जी काबरा

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा, सत्र 2013 - 2016

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन को सन् 2013 से 2016 तक शीर्ष नेतृत्व प्रदान करने वाली आदरणीया सुशीला जी काबरा का सम्मान कर हम सभी अत्यंत गौरवान्वित हैं।

आपके कार्यकाल में इंदौर में आयोजित ऐतिहासिक महाअधिवेशन "सृजन सेतु" आज भी सभी के हृदय में अविस्मरणीय है। आपने संगठन के प्रत्येक दायित्व को निष्ठा, समर्पण और दक्षता के साथ निभाया। आप लेखनी की धनी हैं, और संगठन के मुख्य पत्र "माहेश्वरी महिला" का आपका कुशल संपादनआपके प्रखर लेखन एवं चिंतन का उज्ज्वल प्रमाण है।

मध्य प्रदेश के छोटे से गाँव खिड़किया में जन्मी यह नवल-कलिका इंदौर में पल्लवित व पुष्पित होकरसंगठन कार्यों में तल्लीन रहकर लोकहित की साधना करने की अद्भुत प्रेरणा देती रही हैं। आपने वात्सल्य स्रोत को सदैव निर्मल, सजीव और सार्थक बनाए रखा।

मध्य प्रदेश के छोटे से गाँव खिड़किया में जन्मी यह नवल-कलिका इंदौर में पल्लवित व पुष्पित होकरसंगठन कार्यों में तल्लीन रहकर लोकहित की साधना करने की अद्भुत प्रेरणा देती रही हैं। आपने वात्सल्य स्रोत को सदैव निर्मल, सजीव और सार्थक बनाए रखा।

आप हैं -

सु - सुंदर व सहज व्यक्तित्व की धनी,
शी - शीतल चाँदनी-सी मन की मालकिन।
ला - लाखों में अलग आपका अंदाज,
जी - जीवन के हर क्षण को सँवारती आप।
का - काया से परिश्रम की खान,
ब - बनकर विनम्र करती हर काम।
रा - रामजी की कृपा सदा अपार।

आप भारतीय संस्कृति के आदर्श "सादा जीवन - उच्च विचार" की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं।
राष्ट्रीय संगठन की ओर से इस सम्मान-पत्र समर्पण की पावन बेला में ओढ़रदानी भगवान महेश से यही प्रार्थना है कि - वे आपको सदैव सुस्वस्थ, दीर्घायु रखें और सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने की अटूट शक्ति प्रदान करते रहें।

MGM माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एवं माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो अविस्मरणीय, ऐतिहासिक, अद्भुत आयोजन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के मार्गदर्शन व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संदीपजी काबरा के नेतृत्व में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एवं माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो जिसकी प्रभावशाली टैगलाइन पधारो आपणे देश रही– निःसंदेह माहेश्वरी समाज के इतिहास का एक विराट, दिव्य, भव्य, ऐतिहासिक एवं विश्वस्तरीय आयोजन सिद्ध हुआ। यह केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि समाज के संघटन द्वारा किया गया एक विशाल रचनात्मक और दूरदर्शी सामाजिक कार्य था । पचास हजार से अधिक माहेश्वरी समाजबंधुओं को एक साथ लाना–भारत के समस्त प्रांतों, केंद्रशासित प्रदेशों एवं विश्व के पचास से अधिक देशों से पधारे समाजजनों की उपस्थिति ने इस आयोजन को सही अर्थों में विश्व माहेश्वरी महाकुंभ का स्वरूप प्रदान किया।

उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में जैसी संवेदनशील सामाजिक चेतना – यह सब आयोजन को मानवीय ऊँचाइयों तक ले गई।

युवाओं के लिए एम.सी.सी. में स्टार्टअप एवं युवा उद्यमिता प्रोत्साहन हेतु सफल सेमिनार, अत्यंत भव्य शोभायात्रा, जिसमें प्रत्येक प्रांत एवं एन.आर.आई. समाजबंधुओं की सहभागिता रही–यह आयोजन को नई ऊर्जा प्रदान करने वाला रहा।

माननीय केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी, लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला जी, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी तथा सांसद श्री गजेंद्र सिंह शेखावत जी द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम में समाज एवं सामाजिक कार्यों की मुक्त कंठ से की गई सराहना ने इस महाकुंभ की गरिमा को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

विभिन्न तंत्रज्ञान के साथ संस्कृति और संस्कारों का अद्भुत संगम, अत्यंत उच्चस्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, समाज के विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले महानुभावों का सम्मान – इन सबने इस आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया।

परिवार एवं समाज के 1000 वर्षों से अधिक पुराने रिकॉर्ड ,जागा जी की बहियों में सजीव रूप में देख पाना – यह अनुभव प्रत्येक सहभागी के लिए गौरव का विषय रहा।

इस ऐतिहासिक आयोजन के पीछे जोधपुर माहेश्वरी समाज द्वारा कई महीनों तक किया गया अथक परिश्रम, सामाजिक निष्ठा, सेवाभाव, समाज के भामाशाहों का उदार सहयोग तथा आम आदमी के लिए हर संभव सहायता की भावना – इन सबने मिलकर इस महाकुंभ को सफल बनाया।

माननीय सभापति श्री संदीप जी काबरा, महामंत्री श्री अजय जी काबरा, उपसभापति (मध्यांचल) श्री विजय जी राठी, संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) श्री दिनेश जी राठी, सभापति कार्यालय मंत्री श्री नारायण जी राठी एवं आपकी समर्पित टीम का दूरदर्शी विज़न, नेतृत्व क्षमता एवं संगठन कौशल अत्यंत प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय है।

जोधपुर महाधिवेशन एमजीसी 9-10-11 जनवरी 2026 में पारित प्रस्ताव

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के प्रस्ताव

प्रस्ताव क्रमांक 1 : समाज की घटती जनसंख्या और बढ़ते लिंगानुपात की समस्या को दृष्टिकोण रखते माहेश्वरी समाज देश में कन्या जन्म हो उत्सव के रूप में मनाये यह प्रस्ताव पारित करता है, जिसे पूर्व में भी संकल्पित किया गया। समाज द्वारा कन्या जन्म को उत्सव के रूप में मनाना, कन्या के जन्म पर भी मिष्ठान वितरण करना, थाली बजाना ताकि समाज में कन्याओं के जन्म को उत्सव के रूप में मनाकर हम बढ़ते लिंगानुपात की समस्या को हल कर सकें। इस हेतु महासभा ने तीसरी संतान के जन्म को उत्सव मनाते हुए उन्हें जननी सम्मान योजना के माध्यम से सम्मानित करने का निर्णय किया है। इस कार्य में हमारे सहयोगी संगठन अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा तीसरी संतान के जन्म पर जननी सम्मान योजना निधि की घोषणा की गई है, जिसे जारी रखना एवं जिले एवं प्रदेश सभाओं को इस बात के लिए प्रेरित करना यह महासभा का प्रस्ताव है।

विवाह की बढ़ती उम्र भी इस समस्या का बड़ा कारण है। महासभा इस अधिवेशन में यह प्रस्ताव पारित करती है कि कन्या 21 वर्ष से 22 एवं लड़का 24-25 वर्ष का हो एवं विवाह हो तो महासभा ऐसे दम्पति का सम्मान करेगी एवं महासभा की ओर से 21 हजार रुपए की राशि शगुन की सामाजिक पदाधिकारी द्वारा उन्हें सम्मान स्वरूप दी जायेगी।

प्रस्ताव क्रमांक 2 : वर्तमान में देशभर में उच्च शिक्षा का बढ़ता प्रभाव एवं उच्च शिक्षा की बढ़ती लागत एवं इसकी समस्या को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा के लिये कार्य करना इस अभियान की सफलता के लिये जो समाज ने माहेश्वरी ड्रीम भोपर एवं माहेश्वरी प्रतिभा प्रोत्साहन योजना की जो अभियान प्रारम्भ किया है। हम प्रस्ताव पारित करके उन अभियानों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हैं।

प्रस्ताव संख्या 3 : अ.भा. माहेश्वरी महासभा इस चिंता को महसूस करती है कि आने वाले समय में संगठनात्मक कार्यों में खर्चों की अधिकता एवं बढ़ता प्रदर्शन की समस्या से संगठन जुझ रहा है। आज इस सदन में हम यह प्रस्ताव पारित करके चाहे महासभा, प्रदेश सभा, जिला सभा, महिला संगठन, युवा संगठन इन सभी की संगठनात्मक बैठकें सामाजिक भवनों में ही आयोजित हो। यह आवस्यक रहेगा। वर्तमान में महासभा द्वारा इस सत्र में इस अभियान की पालना की जा रही है। आगामी दिनों से सभी संगठनों को तय नीति के अनुसार बैठकें सामाजिक भवनों में ही आयोजित करनी होगी। इसके साथ ही बैठकों में समय, श्रम, भक्ति का सदुपयोग हो। समय के अनुसार समाज तकनीक का उपयोग करे इस हेतु सभी संगठनों को यह सुविधा मिलनी चाहिये कि हमारी वार्षिक तय बैठकों में एक बैठक आभासी और एक बैठक फिजिकल हो। बैठकें पूर्ण रूप से अनौपचारिक रहे। विषय संगठनात्मक, रचनात्मक, प्रबोधानात्मक रहे यह आवश्यक है।

प्रस्ताव संख्या 4 : समाज में अल्प आय वाले समाज बंधुओं के लिये आवास योजना का प्रारम्भ किया गया था जो गत माह अधिवेशन के संकल्प प्रस्ताव के लिये जानी जाती है। इस योजना को फलीभूत करने के लिये दो न्यास भी गठित हुये लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिली। इस योजना को पुनः संरचना करते हुए पहले 22 बड़े शहर जहां दो हजार से अधिक माहेश्वरी परिवार निवास करते हैं उन जिलों में इसे लागू किया जाये। पूर्व में दी जाने वाली मासिक सहयोग राशि को पूर्व में घोषित राशि के स्थान पर 3 हजार रुपये प्रति माह संगठन केन्द्रान्श एवं 1000 रुपए स्थानीय प्रदेश अथवा जिला द्वारा दिया जाये अर्थात् प्रति परिवार 4 हजार सहयोग राशि हो जायेगी।

प्रस्ताव क्रमांक 5 : समाज में व्याप्त हो रही बढ़ते फिजूल खर्च एवं संस्कार विहित अमर्यादित कार्यक्रमों के संदर्भ में प्रस्ताव यह देखने में आ रहा है कि सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रम अत्यधिक खर्चीले हो रहे हैं। इस संबंध में देशभर के समाज बंधुओं एवं चिंतकों में चिंता है। महासभा यह प्रस्ताव पारित करती है कि-

1. पूर्व पारित संकल्प प्रस्ताव प्रीवेडिंग शूट पर प्रतिबंध जारी रहे।

2. वर्तमान में बेबी शावर, बेचलर पार्टी, आफटर पार्टी के नाम पर इवेन्ट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा हमारे मूल संस्कार एवं संस्कृति पर एक अघोषित हमला चल रहा है। इसे रोकने के लिये परिवारों में इस तरह के कार्यक्रमों का पूर्ण प्रतिबंध रहे। हमारे नित्य नूतन, चिरपुरातन, संस्कारयुक्त सभी कार्यक्रमों पूर्ण धूमधाम से आयोजित करे। विवाह-शादियों में बढ़ती फिजूल खर्च, भोजन प्रसाद में अनगिनत व्यंजनों का निर्माण, यह ठीक नहीं है। इस हेतु महासभा का इस प्रस्ताव के माध्यम से सभी से आग्रह है कि सामाजिक मर्यादा युगानुकुल व्यवस्था को बैलेंस करते हुये हम अपने निजी कार्यक्रमों में आचरण रखे। स्वच्छतापूर्ण व्यवहार माहेश्वरी समाज की मूल जाती है। यथा वैवाहिक समारोह में न्यूनतम व्यंजन रहे जो हमारे परंपरागत आयोजन है उनको संरक्षित करना है।

प्रस्ताव क्रमांक 6 : आगामी 2047 जब देश आजादी के 100वें वर्ष में प्रवेश करेगा तो उस वक्त माहेश्वरी समाज के सभी परिवार विकसित परिवारों की श्रेणी में रहे। यह संकल्प प्रस्ताव पारित करना चाहते हैं। इसी को दृष्टिगत रखते हुए महासभा द्वारा फ्लैगशिप योजनाओं का निर्माण एवं प्रयास प्रारंभ किया गया, जिसमें निरन्तरता आवश्यक है। अतः वर्ष 2047 तक समाज में हमारे सभी परिवारों को अवसरों की समानता उपलब्ध हो, उनके मूलभूत आवश्यकताओं के साथ भविष्य को मजबूत करने की दृष्टि से योजना बनाकर कार्य करे चाहे वह महासभा हो, युवा संगठन हो, महिला संगठन हो, या हमारे श्रृंखलाबद्ध संगठन हो। हमें यह प्रयास करना चाहिये कि हमारे संगठन का हर कार्यक्रम युगानुकुल हो, प्रगतिशील हो और हमारे संकल्प हमारे विकसित भारत समृद्ध समाज विजन 2047 को पुष्ट करने वाला हो।

प्रस्ताव संख्या 7 : सामाजिक संगठनों के चुनाव सर्वानुमति चयन/लोकतांत्रिक चुनाव से हो। सामाजिक संगठनों में लोकतांत्रिक व्यवस्था हो और ये मजबूत हो यह आवश्यक है, लेकिन वर्तमान में संगठन के स्वरूप एवं समय की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम संगठनों में श्रृंखलाबद्ध संगठन में तहसील से लेकर जिला प्रदेश एवं महासभा तक लोकतंत्र व्यवस्थाओं की मजबूती को ध्यान में रखते हुए सर्वानुमत चुनाव/चयन की प्रक्रिया हो। लेकिन उसमें व्यक्ति मत्वता को प्रधानता की बजाय कार्यकर्ता के गुण दोष के आधार पर यदि हमें नीचे से संगठनों को मजबूत करेंगे तो ये संगठनों के हितों की दुरगामी हितों की रक्षा होगी। इस हेतु यह आवश्यक है कि आचार संहिता में उन सारे बिंदुओं को समाहित किया जाये, जिनमें अधिकतम क्रियान्वयन के लिये प्रतिबद्धता तय हो।

प्रस्ताव क्रमांक 8 : समाज में युवाओं के घटते रुझान एवं सामाजिक संगठनों से बढ़ती दूरी तक चिंता का विषय है इसलिये समाज में हमारे टीनेजर्स किशोर किशोरियों को जोड़ा जाना चाहिये। इस हेतु सदन के सामने 12-18 वर्ष के किशोर-किशोरियों को जोड़ने हेतु एक संगठन निर्माण का प्रस्ताव है जिसका गठन प्राथमिक रूप से 44 जिला सभायें जहाँ 1 हजार से अधिक माहेश्वरी परिवार निवास करते हैं वहाँ से प्रारम्भ किया जाये। यदि परिणाम सकारात्मक होंगे तो 500 से अधिक परिवारों को जिला सभाओं को द्वितीय चरण में एवं 250 से अधिक जिला सभाओं को तृतीय चरण में जोड़ा जा सकता है। इसके गठन की प्रक्रिया के जो 22 जिला सभाओं के लिये जो गठन होगा । उसमें जिलाध्यक्ष, युवा संगठन का अध्यक्ष, महिला संगठन से अध्यक्ष, सामूहिक रूप से ऐसे किशोर व किशोरियों का चयन किया जायेगा जो आने वाले समय में समाज के बेहतर कल के लिये हमारे लिये भावी समय के कार्यकर्ताओं का निर्माण कर सकेंगे। संस्कार निर्माण अभियान को सहयोग मिलेगा जिसकी सम्पूर्ण कार्य पद्धति शीघ्र ही जारी कर दी जायेगी। भविष्य में इसे अ.भा.मा. किशोर किशोरी संगठन के नाम से जाना जायेगा, जिस तरह जिला स्तर पर तीनों संगठन समन्वित रूप से इन नामों को चयन करेंगे वहीं प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर लागू रहेगा। किसी प्रकार का शुल्क विहित यह संगठन रहेगा और इनके संगठनात्मक कार्यों की व्ययोवृत की चिंता महासभा द्वारा जो युवा व महिला संगठन को दी जाती है। इन्हें भी प्रदान की जायेगी। महासभा की उन फ्लैगशिप योजनाओं का क्रियान्वयन व गठन इस संगठन द्वारा किया जावे। यह प्रस्ताव है।

प्रस्ताव संख्या 9 : अ.भा.मा. महासभा द्वारा केन्द्र और राज्य सरकार से यह मांग की जाती है कि यह प्रस्ताव पारित कर पत्र भेजा जायेगा कि पारिवारिक कानूनों में हिन्दू मैरिज एक्ट, आर्थिक विषयों के बदलाव में किये जाने वाले नीतिगत बदलाव में सरकार सामाजिक संगठनों को भी स्टेक होल्डर माने। क्योंकि महासभा जैसा सामाजिक संगठन जो कि ग्राम सभा से लेकर अंतराष्ट्रीय इकाइयां संगठित है। सरकार विकसित भारत की कल्पना से जो कार्य कर रही है, उसमें देश के रोजगारुन्मुख छोटे उद्योग रिटेलिंग का कार्य करने वाले बहुत सारे वर्ग प्रभावित हैं जिन्हें सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता है। यथा व्यापारी का व्यापारी के लिये पेंशन योजना, व्यापारी के लिये सुरक्षा योजनाओं का निर्माण यह सभी सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता है।

महासभा द्वारा चेतना लहर विचार समिति की और व्यापक एवं युगानुरूप बनाते हुए विभिन्न विषयों पर वैचारिक आदान-प्रदान के कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को जोड़ने एवं समाज में जन जागृति कार्य व्यापक स्तर पर किया जावे, इस हेतु प्रस्ताव रखना।

प्रस्ताव क्रमांक 10 : सामाजिक संगठन में विषयों को युगानुकुल करते हुए हमें वैचारिक प्रबोधन के कार्यक्रम लेने चाहिए। इसमें हमारी आवश्यकता यह रहना चाहिये कि किसी भी समाज में वैचारिक परिवर्तन के लिये वैचारिक प्रवाह आवश्यक है। इसके लिये हमें अनवरत प्रयासरत रहना चाहिए एवं संगठन आपके द्वार व सामाजिक जागरुकता के कार्यक्रम अधिकतम करना चाहिए।

ये सभी प्रस्ताव समिति के समक्ष आयोजित बैठक में रखे गए एवं सभी आए हुए पत्रों को समिति के समक्ष रखने के पश्चात रखे गए प्रस्तावों पर निर्णय हुआ।

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा MGC माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन का सफल आयोजन

जब संकल्पों को दिशा मिली, संस्कारों को मंच मिला

जोधपुर महाकुंभ विचार क्रांति से कार्य संस्कृति तक जाना जाएगा

जोधपुर महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित यह महाआयोजन केवल एक सम्मेलन नहीं, बल्कि समाज के लिए विचार क्रांति, संगठनात्मक एकता और कार्य-संस्कृति का जीवंत एवं सशक्त उदाहरण बनकर उभरा।

कार्यक्रमों की भव्य एवं विविध श्रृंखला के माध्यम से तीन दिवसीय इस ऐतिहासिक आयोजन में वैदिक परंपराओं के साथ शुभारंभ, भव्य शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक संध्याएँ गीता परिवार द्वारा सनातन संस्कृति का महत्व दर्शाया गया।

TRIS-RG Startup Event एवं MGC उद्घाटन सत्र Maheshwari Global Expo (MGE), महिला सशक्तिकरण सत्र - Financial Literacy, UD--N Self Defence, Work - Family Balance, युवाओं, उद्यमियों एवं प्रोफेशनल्स हेतु - Startup, Export, -l in Business, Brand Building, Waste to Wealth, Organic Farming, I-S, Judges, Doctors, Chartered -ccountants, NRIs हेतु विशेष सेमिनार, Education, Leadership Development, Succession Planning Family Values, समाज अलंकरण समारोह, MVP -wards एवं भव्य समापन सत्र।

इन विचारोत्तेजक, प्रेरणादायी और भविष्यदृष्टा कार्यक्रमों ने यह सिद्ध कर दिया कि माहेश्वरी समाज व्यापार, ज्ञान, संस्कार, सेवा एवं संगठन - पाँचों स्तंभों पर सुदृढ़ता से खड़ा है।

इस अधिवेशन में अलंकरण समारोह में विदर्भ प्रदेश से समाज रत्न-श्री श्यामजी सोनी, श्री सत्यनारायणजी नूवाल, समाज गौरव-श्रीमती प्रभाजी भैया, श्री अशोकजी चांडक, सुश्री दिशाजी कासट, सेवा सम्मान - श्री राकेशजी भैया, कर्नल आकाशजी तपड़िया को सम्मानित किया गया। यह विदर्भ प्रदेश के लिए अभिनंदनीय पल रहा ।

जो सपनों को दिशा और दिशा को संकल्प बनाता है। संगठन को शक्ति, समाज को स्वाभिमान दिया आपने, समाज के भविष्य को आत्मविश्वास दिया आपने। एकजुटता सेवा संस्कार समृद्धि इन्हीं मूल्यों के साथ माहेश्वरी समाज निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर हो - यही मंगलकामना है।

भारतवर्ष की संकल्पना भारतीय सभ्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना

भारतवर्ष की संकल्पना भारतीय सभ्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की एक अत्यंत व्यापक, गहन और कालातीत अवधारणा है। यह केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि जीवन दर्शन, सांस्कृतिक एकता और आध्यात्मिक उद्देश्य का प्रतीक है।

शाब्दिक एवं शास्त्रीय अर्थ

'भारतवर्ष' शब्द दो भागों से मिलकर बना है

भारत: सम्राट भरत के नाम पर, जिनका उल्लेख विष्णु पुराण, भागवत पुराण और महाभारत में मिलता है।

वर्ष: एक विस्तृत भू-भाग या क्षेत्र ।

विष्णु पुराणके अनुसार:

उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम् ।
वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः ।।

अर्थात् हिमालय के दक्षिण और समुद्र के उत्तर में स्थित भू-भाग भारतवर्ष कहलाता है।

भौगोलिक नहीं, सांस्कृतिक अवधारणा

भारतवर्ष की पहचान सीमाओं से नहीं, बल्कि संस्कृति और जीवन-मूल्यों से होती है।

भिन्न-भिन्न भाषाएँ, वेश-भूषा, खान-पान और परंपराएँ होते हुए भी यहाँ एक सांस्कृतिक एकात्मता है।

एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति वसुधैव कुटुम्बकम्

ये सूत्र भारतवर्ष की आत्मा को दर्शाते हैं।

आध्यात्मिक भूमि- भारतवर्ष को कर्मभूमि कहा गया है। जहाँ मनुष्य जन्म लेकर धर्म-कर्म-मोक्ष की साधना करता है । यहीं वेद, उपनिषद, योग, ध्यान, आयुर्वेद और दर्शन विकसित हुए।

चार पुरुषार्थ-

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष भारतवर्ष की जीवन-दृष्टि का मूल हैं।

सहिष्णुता और समन्वय की परंपरा

भारतवर्ष ने सदा विभिन्न विचारधाराओं को स्वीकार किया- सनातन, बौद्ध, जैन, सिख, इस्लाम, ईसाई यहाँ संघर्ष से अधिक समन्वय को महत्व मिला।

राष्ट्र से सभ्यता तक

आधुनिक भारत एक राष्ट्र-राज्य है, पर भारतवर्ष एक सभ्यता है- हजारों वर्षों से निरंतर प्रवाहित हो रही है।

इसलिए कहा जाता है: भारत एक भूखंड नहीं, एक विचार है।

भारतवर्ष की मूल भावना

''सत्य और अहिंसा'' ''करुणा और सेवा'' ''ज्ञान और साधना''

प्रकृति और मानव का संतुलन

भारतवर्ष का उद्देश्य मानव को मानव बनाना है । भारतवर्ष केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि आज और भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक जीवन-दर्शन है। यह भौतिक उन्नति के साथ-साथ आत्मिक उत्कर्ष की शिक्षा देता है।

प्राचीन भारतवर्ष की संकल्पना आधुनिक राजनीतिक सीमाओं से कहीं अधिक व्यापक थी। इसमें आज के कई देश और क्षेत्र शामिल माने जाते थे। शास्त्रों, इतिहास और सांस्कृतिक साक्ष्यों के आधार पर इसे इस प्रकार समझा जा सकता है-

प्राचीन भारतवर्ष में शामिल क्षेत्र/देश

1. वर्तमान भारत

भारतवर्ष का केंद्रीय और प्रमुख भाग -वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, गुप्त- मौर्य सभ्यता का केंद्र

2. नेपाल–मिथिला, जनकपुर, कपिलवस्तु जैसे क्षेत्र

माता सीता की जन्मभूमि, भगवान बुद्ध की कर्मभूमि

सांस्कृतिक,धार्मिक रूप से भारतवर्ष का अभिन्न अंग

3. पाकिस्तान–सिंधु सभ्यता (हड़प्पा, मोहनजोदड़ो) तक्षशिला जैसा महान शिक्षा केंद्र।

पंजाब और सिंध क्षेत्र प्राचीन भारतवर्ष का भाग

4. बांग्लादेश–प्राचीन बंग / वंग देश पाल वंश, नालंदा परंपरा से जुड़ा क्षेत्र भाषा और संस्कृति में भारतीय प्रभाव

5. श्रीलंका (लंका)–रामायण काल से भारतवर्ष से गहरा संबंध बौद्ध धर्म का प्रमुख केंद्र अशोक के पुत्र महेन्द्र द्वारा बौद्ध धर्म का प्रसार

6. अफगानिस्तान

गांधार देश,तक्षशिला विश्वविद्यालय

बौद्ध, वैदिक और भारतीय कला का प्रभाव

7. भूटान

हिमालयी सांस्कृतिक क्षेत्र

बौद्ध परंपरा और भारतीय दर्शन से जुड़ाव

8. म्यांमार (बर्मा)

बौद्ध धर्म का प्रसार भारत से

भाषा, लिपि और संस्कृति में भारतीय प्रभाव

9. मालदीव

प्राचीन समुद्री व्यापार मार्ग सांस्कृतिक संपर्क भारतवर्ष से

संक्षेप में (आज के देश)

प्राचीन भारतवर्ष में मुख्यतः भारत, नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, भूटान, म्यांमार, मालदीव शामिल माने जाते हैं (कुछ विद्वान इसके प्रभाव क्षेत्र में थाईलैंड, कंबोडिया, इंडोनेशिया आदि को भी सांस्कृतिक रूप से जोड़ते हैं) महत्वपूर्ण बात, भारतवर्ष कोई राजनीतिक संघ नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक–आध्यात्मिक सभ्यता क्षेत्र था, जिसे जोड़ने वाला सूत्र था **– धर्म, दर्शन, भाषा, परंपरा और जीवन–दृष्टि ।**

–गिरिजा सारड़ा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, पूर्वांचल

श्रद्धांजलि सभा

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से 14 फरवरी 2026 को स्मृति शेष देहदानी स्वर्गीय श्री श्याम सुंदरजी मूंदड़ा के देवलोक गमन पर वर्चुअल सभागार में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। देहदानी स्वर्गीय श्यामसुंदरजी मूंदड़ा (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीताजी मूंदड़ा के जीवनसाथी) सहज, सरल, उदारता की जीवंत तस्वीर थे। जीवन के प्रति गहरी सोच रखने वाले श्यामसुंदर जी मानवीय मूल्य से परिपूरित रहे। जीवन के हर क्षेत्र में इन्होंने दूर दृष्टि से कार्य किया है।

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विदाई से पूर्व गॉड ऑफ ऑनर से भी सम्मानित किया गया। ऐसे महापुरुष के महाप्रयान पर आज सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसमें प्रमुख रूप से महासभा के सभापति संदीप जी काबरा, पूर्व अध्यक्ष रामपाल जी सोनी, निवृत्तमान अध्यक्ष श्याम जी सोनी, युवा संगठन के अध्यक्ष भाई शरद जी सोनी, मध्यांचल के पदाधिकारी के साथ रामेश्वरलालजी काबरा भी उपस्थित थे। महिला संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुजी बांगड, मां रत्नीदेवी काबरा, पूर्व रा.अध्यक्ष शोभा जी सादानी, सुशीलाजी काबरा, आशा जी माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा मध्यांचल के उपाध्यक्ष उर्मिला जी कलंत्री, संयुक्त मंत्री अनीता जी जवांधिया सभी ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि शब्द सुमन के साथ अर्पित की।

मूंदड़ा परिवार से छोटे भाई श्री डॉक्टर आई.एल. मूंदड़ा, बेटे विकल्प और अनुराग, चाची पुष्पा जी मूंदड़ा बहू वंदना और सरिता आदरणीय गीता दीदी के साथ श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित थे। आभा जी बेली ने भी अपने मन के भाव रखें। सभी ने सभागार के समक्ष मूंदड़ा जी की जीवनी के कुछ अंश रखें। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बैठक का संचालन किया। अंत में महामंत्री द्वारा सभी राष्ट्रीय संगठन के पदाधिकारी उपस्थित सभी बहने व मूंदड़ा परिवार के परिजन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंजू बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष ※ ज्योति राठी राष्ट्रीय महामंत्री

अष्ट सिद्धा : व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति

अयोध्या में आयोजित मानस मंच - आपकी अदालत बना ज्ञान, अनुभव और नेतृत्व का प्रेरक संगम

अयोध्या की पावन नगरी में आयोजित मानस मंच – आपकी अदालत कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय, प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक वातावरण में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अनुभव, अध्ययन, नेतृत्व हस्तांतरण और वैचारिक मंथन का सशक्त मंच सिद्ध हुआ।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य था कि वे प्रदेश अध्यक्ष, जो शीघ्र ही अपने कार्यकाल की पूर्णता की ओर अग्रसर हैं, वे अपने अनुभव, अध्ययन और दृष्टिकोण को आत्मसात करते हुए आने वाले नेतृत्व को पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान कर सकें, इसीलिए पूर्व में प्रकाशित कर्मपथ, मानस मंथन एवं सफलता के अमृत कणश्रृंखला को इस मंच के केंद्र में रखा गया।

कार्यक्रम में कुल पाँच प्रमुख राउंड आयोजित किए गए– Extempore Round, Rapid Fire Round, Visual Round, Written Round and Leadership Spark Round.

सभी राउंड की विषयवस्तु कर्मपथ, आत्ममंथन, नेतृत्व कौशल एवं सफलता के मूल सिद्धांतों पर आधारित रही। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि यह पूरी तरह प्रतीकात्मक आप की अदालतके रूप में आयोजित किया गया, जहाँ जीत–हार से अधिक महत्व सीखने, समझने और आत्मविकास को दिया गया। सभी 27 प्रदेशों के अध्यक्षों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला कि इस आयु एवं दायित्व के स्तर पर भी सीखने की जिज्ञासा और ज्ञानवृद्धि की भावना कितनी प्रबल है।

नेतृत्व को मंच देना, अनुभव साझा करना और संगठन को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना। कार्यक्रम के सफल संचालन में राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी एवं समिति प्रभारी डॉ. नम्रता बियाणी का विशेष योगदान रहा, जिनके मार्गदर्शन में इस नवाचार को साकार रूप मिला। मंच संचालन, प्रश्नोत्तर शैली, राउंड संरचना और समग्र प्रस्तुति सभी ने उपस्थित बहनों को भी गहराई से सीखने और प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान यह भावना बार–बार उभरकर सामने आई कि– यह मंच प्रतियोगिता का नहीं, बल्कि आत्ममूल्यांकन और नेतृत्व परिष्कार का माध्यम है।

संगठन की शक्ति केवल पदों में नहीं, बल्कि विचार, अध्ययन, संवाद और सामूहिक चेतना में निहित होती है। कार्यक्रम का समापन अत्यंत सकारात्मक ऊर्जा, संतोष और इस विश्वास के साथ हुआ कि जो कुछ यहाँ सीखा गया, उसे प्रदेश, ज़िला एवं स्थानीय स्तर पर अपनाकर संगठन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड ने जज की भूमिका निभाते हुए अपनी सक्रिय उपस्थिति और महत्वपूर्ण सुझावों से मंच को सशक्त बनाया। वहीं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता जी मूंदड़ा, शोभा जी सादानी एवं आशा जी माहेश्वरी ने जूरी मेंबर्स के रूप में,अत्यंत निष्पक्ष, सूझबूझपूर्ण एवं मार्गदर्शक मूल्यांकन किया। उनके अनुभव और दृष्टि ने पूरे कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। सभी वरिष्ठ सदस्यों का मार्गदर्शन प्रतिभागियों के लिए प्रेरणास्रोत रहा।

कार्यक्रम के सफल संचालन में अष्टसिद्धा समिति की

प्रदर्शक मधु बाहेती का विशेष योगदान रहा। साथ ही सह–प्रभारी डॉ उर्वशी साबू, माधुरी मोदी, शोभा भूतड़ा एवं अनुजा काबरा ने आपसी समन्वय और टीमवर्क के साथ कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं अनुशासित रूप में संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन सभी के सामूहिक प्रयासों से मानस मंच – आपकी अदालत एक स्मरणीय एवं सफल आयोजन के रूप में स्थापित हुआ।पूर्वांचल से मंजू पेड़ीवाल पश्रिचमांचल से सीमा कोग़टा,मध्यांचल से शशि गट्टानी, उत्तरांचल से मोनिका माहेश्वरी एवं दक्षिणांचल से सुनीता पलोड़ को श्रेष्ठ अध्यक्ष का पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के पश्चात ऑडियंस के लिए भी कुछ प्रश्नोत्तर रखे गए।

डॉ. नम्रता मालपानी, राष्ट्रीय प्रभारी, अष्टसिद्धा प्रभारी

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति

''मानस हंस'' कार्यक्रम आयोजित

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अंतर्गत: ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति द्वारा 19,20,21 दिसम्बर अयोध्या में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी व नवम् कार्यसमिति बैठक, ''मानस सिद्धि'' में ''मानस हंस '' कार्यक्रम लिया गया। समिति ने हंस का प्रतीकात्मक रूप लेकर रामचरितमानस से कुछ मोती चुगे।

इसकी तैयारी समिति ने 2025 के फरवरी माह से तुलसीदास द्वारा रचित रामचरितमानस का नियमित पठन समिति ने जुम पर ऑनलाइन आरंभ किया।

मई माह में पारिवारिक व सामाजिक समस्या पर आधारित पूरे राष्ट्र में एक यक्ष प्रश्न प्रतियोगिता रखी गई जिसमें गूगल फॉर्म के माध्यम से माहेश्वरी महिलाओं से प्रश्न मंगवाए गए लगभग 637 प्रश्नों में से समिति ने 10 प्रमुख समस्याओं से जुड़े प्रश्न चुने।

प्रत्येक आंचल से दो–दो प्रश्न चुने गए–

प्रश्न भेजने वाली दस महिला विजेताओं को पुरस्कार राशि तथा सर्टिफिकेट दिए गए।

मानस हंस को प्रस्तुति का आकार दिया गया।

समिति ने सत्ताईस प्रदेश को ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति की प्रादेशिक संयोजिकाओं को प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया उनके नाम –

दक्षिणांचल–महाराष्ट्र : श्रीमती सुनीता चांडक, तेलंगाना : श्रीमती रमा भूतड़ा, मुंबई : श्रीमती सुषमा चांडक, कर्नाटक: श्रीमती भावना राठी, तमिलनाडु : श्रीमती सीमा सुर्जन

उत्तरांचल–हरियाणा पंजाब प्रदेश: श्रीमती पूजा जी राठी, दिल्ली प्रदेश : श्रीमती मोनिका दमानी, पश्चिमी उत्तर प्रदेश श्रीमती प्रिया माहेश्वरी, मध्य उत्तर प्रदेश : श्रीमती वर्षा लाहोटी, पूर्वी उत्तर प्रदेश : श्रीमती कृष्णा सोमानी

मध्यांचल–पूर्वी मध्य प्रदेश : श्रीमती अर्चना बांगड़, पश्चिमी मध्य प्रदेश : श्रीमती सपना कांकानी, छत्तीसगढ़ प्रदेश : श्रीमती प्रेमा काबरा, गुजरात प्रदेश : श्रीमती राजश्री जाजू, विदर्भ प्रदेश: श्रीमती कांता चांडक

पूर्वांचल–कोलकाता :श्रीमती पुष्पा बाहेती, नेपाल : श्रीमती किरण अटल, बिहार झारखंड : श्रीमती शकुंतला मंत्री, पश्चिम बंगाल: श्रीमती आकांक्षा राठी, ओडिशा : श्रीमती स्नेह पचीसिया

पश्चिमांचल–पश्चिमी राजस्थान प्रदेश : श्रीमती स्वाति जैसलमेरिया, दक्षिणी राजस्थान प्रदेश : श्रीमती सुनीता जागेटिया, पूर्वी राजस्थान प्रदेश : श्रीमती निहारिका, पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश : श्रीमती सुलभा सारड़ा, मध्य राजस्थान प्रदेश : श्रीमती मोनिका काहल्या

दस प्रश्न जो समिति ने चुने हैं वो निम्नलिखित हैं

प्रश्न 1.– परिवार से दूर रहने पर बच्चों और माता–पिता में भावनात्मक दूरी आ जाती है। उनके बिगड़ने का पूरा डर बना रहता है क्यूंकि समाज में भटकाव और व्याभिचार

मानस सिद्धि कार्यक्रम की झलकियाँ

अतिथि का स्वागत

महिला एवं बाल विकास केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णादेवी के करकमलों से उद्घाटन

आदर्श गाँव में प्रथम प्रविष्टि

आदर्श गाँव के मॉडल

शक्ति वंदनम् में सम्मानित

मानस मंच के वकील एवं अभियुक्त

मानस मंच

राष्ट्रीय अध्यक्ष जज व रा. मंत्री वकील के रूप में

युगांतर सांस्कृतिक कार्यक्रम

मानस सिद्धि कार्यक्रम की झलकियाँ

भजन गायन में प्रथम टीम

व्याप्त रहता है

इस समस्या को कैसे सुलझाया जाए?

प्रश्न 2. –वर्तमान समय में घर एवं परिवार में छोटी छोटी बात पर दरार पड़ जाती है, कैसे रखे परिवार में सद्भाव और एका?

प्रश्न 3.–विवाहित जीवन में माता पिता की भूमिका क्या हो की विवाहित जीवन सुखी हो पाए.?

प्रश्न 4: –नित ईश्वर की पूजा अर्चना करके भी जीवन इतने दुखों से लिप्त होता है, कैसे सुधारे स्वयं का जीवन

प्रश्न 5 – आज की लड़कियां विवाह करना नही चाहती? स्त्रीत्व के मायने क्या है आखिर?

प्रश्न 6. –आजकल बात–बात पर विवाह टूट रहे हैं। पति–पत्नी के विवाद बढ़ रहे हैं। विवाह को मजबूत कैसे बनाएं? पति–पत्नी के एक दूसरे के लिए क्या कर्तव्य है?

प्रश्न 7. –जीवन में जब भी कोई कार्य करने जाते हैं, बहुत सारी अडचन आती है, ऐसे में अपने लक्ष्य तक कैसे पहुचे? स्वयं को मोटिवेटेड कैसे रखें?

प्रश्न 8.–जीवन की शाम कैसी होनी चाहिए? अपने जीवनसाथी के जीवन से चले जाने के बाद जीवन कैसे बिताएं?

प्रश्न 9. –घर, परिवार, समूह, समाज का नेता कैसा हो?

प्रश्न 10: –वर्तमान समय में मानसिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, इनसे कैसे बचे?

इन सभी सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याओं का समाधान तुलसीदास जी कृत रामचरितमानस को अध्ययन कर निकालने की कोशिश की गई।

इन 10 प्रश्नों में से पांच प्रश्नों के उत्तर पांच अंचलों ने सामूहिक रूप से मिलकर दिए अन्य पांच प्रश्नों के उत्तर सह प्रभारी मंडल ने दिए। यह एक प्रस्तुति थी जिसे सभी ने ह्रदय से सराहा।

साहित्य समिति प्रदर्शक –**श्रीमती मंजू मानधना**

समिति प्रभारी श्रीमती अनुराधा जाजू सह प्रभारी मंडल श्रीमतीअर्चना लाहोटी, श्रीमती सरोज मालपानी, श्रीमती मीनू झंवर, श्रीमती प्रभा जाजू, श्रीमती सरोज गट्टाणी

संजीवन सिद्धा स्वास्थ्य समिति

मानस कथक योग का कार्यक्रम संपन्न 16 मेडिकल बैंक की स्थापना

राष्ट्रीय महिला संगठन की तृतीय कार्यकारिणी व नवम कार्य समिति बैठक मानस सिद्धि में दिल्ली से पधारे सुप्रसिद्ध प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. गोविंद कुमार त्रिवेदी द्वारा मानस कथक योग का कार्यक्रम संपन्न हुआ। राष्ट्रीय समिति प्रभारी श्रीमती कुंतल तोषनीवाल ने बताया की कथक योग कला, अध्यात्म और स्वास्थ्य का दिव्य संगम है ,जिससे मन और आत्मा संतुलित होकर संपूर्ण स्वास्थ्य प्रदान होता है। मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और ऊर्जा का अद्भुत संचार भी होता है। यह सिर्फ शरीर ही नहीं भावनाओं का प्रभाव भी खूबसूरती से संभालता है। आंतरिक मनोविकार निकालने के लिए यह एक सशक्त माध्यम है। लगभग 350 महिलाओं ने कथक योग कर स्वास्थ्य लाभ उठाया। डॉ. गोविंदा त्रिवेदी द्वारा स्वास्थ्य संबंधी टिप्स भी दी गई। उन्होंने बताया कि गुड़हल के फूल की चाय नियमित पीने से बढ़ती उम्र में होने वाली नसों की सिकुड़न से बचा जा सकता है। इससे हार्ट संबंधित दिक्कतों से बचा जा सकता है। ब्रह्मी व बादाम खाने से मस्तिष्क बराबर काम करता है।कथक योग तन और मन का समागम है। श्रीमती कुंतल तोषनीवाल ने कार्यक्रम आरंभ कर डॉक्टर साहब का परिचय दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़, महामंत्री श्रीमती ज्योति जी

राठी व कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा ने डॉक्टर साहब व पूरी समिति का स्वागत अभिनंदन किया। समिति प्रदर्शक मंजू जी हरकुट ने सभी का उत्साह बढ़ाया। आभार उत्तरांचल सह प्रभारी सुजाता राठी ने दिया। दक्षिणांचल सह प्रभारी डॉक्टर अल्पना लड्ढा ने कार्यक्रम में सहयोग दिया। इस अवसर पर सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू जी बांगड़ ने बताया कि राष्ट्र मे अब तक 16 मेडिकल बैंक्स कार्य कर रहे हैं और शीघ्र ही काफी प्रदेशों में मेडिकल बैंक खुलने वाले हैं।

कुंतल तोषनीवाल

राष्ट्रीय समिति प्रभारी संजीवन सिद्धा

संकल्प सिद्धा ग्रामीण विकास व राष्ट्रोदय समिति

मानस विकास "पंच तत्व-ग्राम सत्व"

20 दिसंबर 2025, अयोध्या में तृतीय कार्यकारिणी बैठक मानस सिद्धि में आयोजित

गाँव जब करते उन्नति...

देश स्वत: ही होता विकसित

ग्राम्य पंचतत्वों का कर संवर्धन....

बेहतर ग्राम- सत्व करें सुनिश्चित

जी हाँ!... सर्वविदित है कि भारत गांवों का देश है 2/3 आबादी गांवों में निवास करती है। हमारे कृषि उत्पादन,लघु उद्योग,भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है। गांवों की हस्तकला व हस्तशिल्प हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है।

पंचतत्वों का महत्व पृथ्वी और मानव जीवन दोनों के लिए मौलिक हैं। और इन्हीं के संवर्धन व संरक्षण से विकास संभव है।

मानस विकास पंचतत्व- ग्राम सत्व एक स्मार्ट गांव का मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य यही है कि एक भारतीय नारी होने के नाते हम ...हमसे जुड़े गांव की यदि उन्नति कराते, उसके पंचतत्वों बनाम पंच रत्नों को बेहतर बनाने व साकार करने, आकार देने यह प्रतियोगिता आयोजित की गई। यह एक अंचलवार प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें 5 प्रतिभागी व अंचल सहप्रभारी ऐसे 6 मेंबर की एक टीम बनाकर पंचतत्वों का संवर्धन व संरक्षण,थीम पर स्मार्टगाँव का मॉडल बनाया गया और उसका प्रेजेंटेशन आंचलिक- सहप्रभारी ने दिया। परिणाम इस प्रकार रहे-

1.पश्चिमांचल, 2.दक्षिणांचल, 3.मध्यांचल, 4.पूर्वांचल, 5.उत्तरांचल

भावना राठी, प्रभारी राष्ट्रीय समिति संकल्प सिद्धा

संस्कृति सिद्धा अध्यात्मिक एंव परम्परा समिति

स्वरचित भजनों की ई-बुक भी बनाई गई

अयोध्या में आयोजित 19,20,21 दिसंबर 2025 दिसम्बर को मानस सिद्धि में संस्कृतिसिद्धा अध्यात्मिक एंव परम्परा समिती के अंतर्गत स्वरचित भजन प्रतियोगिता भक्ति के रंग सुरो के संग 19 दिसम्बर 2025 को सम्पन्न हुई। ये प्रतियोगिता प्रादेशिक थी। जिसमे 24 प्रदेशों ने भाग लिया।

भजन हमारी भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है,ये केवल शब्दों का समूह ही नहीं बल्कि भक्ति,श्रद्धा,और आध्यात्मिकता का पवित्र संगम है,जब कोई भक्त अपने हृदय की गहराइयों से भजन रचता है,तो उसमें उसकी साधना,अनुभूति और परमात्मा के प्रति समर्पण की सुगंध होती है और ये प्रत्येक भजन के गायन में महसूस किया गया।

समिति द्वारा स्वरचित भजन कराने का उद्देश्य यही था कि

✻ हमारी बहनों में छिपी साहित्यिक और संगीत प्रतिभा को मंच प्रदान करना।

✻ भक्ति भाव को नए आयाम देना और नई पीढी को संस्कारो से जोडना।

✻ समाज में सकारात्मक उर्जा और आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण करना।

इस कार्यक्रम में समिति द्वारा स्वरचित भजनों की ई-बुक भी बनाई गई , जिसका विमोचन रा.अध्यक्ष मंजु जी बांगड एंव रा.महा मंत्री ज्योती जी राठी द्वारा डिजिटली किया गया । इस ई-बुक में संकलित सभी रचनाए हमारी प्रतिभावान रचनाकारों की आस्था,समर्पण और संवेदनाओं का प्रतिबिंब है। सभी भजन एक से एक सुन्दर और मधुर स्वर में गाये गये ,सभी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन ही नहीं किया बल्कि भक्ति की गंगा को अपनी वाणी से प्रवाहित किया। सदन में बैठी सभी बहनों ने भजन का बहुत आनंद लिया। सभी उपस्थित जनों ने भजनों की सराहना की।

स्वरचित भजन प्रतियोगिता के निर्णायक थे-श्री गोविंद जी माहेश्वरी (कोटा), श्रीमती ज्योति जी टंडन (कानपुर), श्रीमती कविता जी सिंह (कानपुर)।

भजन प्रस्तुतीकरण का संचालन समिति प्रदर्शक निशा जी लढा एंव समिति प्रभारी प्रेमा झंवर द्वारा किया गया। सभी निर्णायक मंडल का परिचय उत्तरांचल सहप्रभारी अंजू जी जाजु ने दिया। हम धन्यवाद देते हैं संचार सिद्धा की संयोजिका अमृता जी सारडा का जिन्होने भजन के कार्यक्रम के टेक्नोलॉजी के सभी कार्य पूर्ण रूप से संभाले।

भक्ति के रंग सुरो के संग, भजन प्रतियोगिता के परिणाम-प्रथम-पश्चिमी मध्यप्रदेश (मीरा की लगन), द्वितीय-नेपाल (पार्वती संग अर्धनारीश्वर), तृतीय-मध्य राजस्थान(श्री राम जानकी विवाह), चतुर्थ-महाराष्ट्र प्रदेश (संकट मोचन कृपा), पंचम-मध्य उत्तर प्रदेश (दुर्गा आराधना)

प्रोत्साहन पुरस्कार-विदर्भ - कृष्ण-अर्जुन सखा, पूर्वी उत्तर प्रदेश- मां गंगा की गोद, कर्नाटक - विघ्न हर्ता गणपति, वृहत्तर कोलकता - रावण का रूद्र, दक्षिणी राजस्थान-भरत राम भात्र प्रेम

प्रेमा झंवर,समिती प्रभारी, संस्कृति सिद्धा

हमारे गौरव... बधाई... बधाई...

समाज गौरव श्री सत्यनारायण जी नुवाल को पद्मश्री सम्मान अ.भा.माहे. महिला संगठन की ओर से बहुत-बहुत बधाई

हमारे समाज के गौरव, श्री सत्यनारायण जी नुवाल को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025 के लिए पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया गया है। यह सम्मान उनके द्वारा समाज, उद्योग, सेवा एवं राष्ट्रहित में किए गए उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायक योगदान का प्रतीक है। यह उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज के लिए गर्व, गौरव एवं सम्मान की बात है। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की समस्त पदाधिकारी बहनों, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों एवं कार्यसमिति सदस्यों की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं उत्तरोत्तर उन्नति की कामना। **राष्ट्रीय अध्यक्ष-सौ. मंजु बांगड़ * राष्ट्रीय महामंत्री-सौ. ज्योति राठी**

शिल्पा माहेश्वरी को मिला ऑल इंडिया कॉमेडी स्टार ऑफ द ईयर

50-50 पार सम्मान की पहल में शिल्पा काहाल्या ने शानदार प्रदर्शन कर विजेता बन आगरा माहेश्वरी समाज का नाम रोशन किया। माहेश्वरी समाज के मंच से निखरी उनकी प्रतिभा ने राष्ट्रीय स्तर पर कई उपलब्धियाँ दिलाईं-मानसी प्रतियोगिता, अरुणोदय दिल्ली में एकल अभिनय, समूह नृत्य व पोस्टर मेकिंग में विजेता रहीं। सांस्कृतिक संस्थानों में जूरी सदस्य और सामाजिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाती रही हैं। कॉमेडी स्टार ऑफ द ईयर, एक लाख रुपये, ट्रॉफी और मेडल प्राप्त कर इन्होंने पूरे समाज को गौरवान्वित किया है।

कनिका मालीवाल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला अमरोहा की कनिका मालीवाल ने समाज को गौरवान्वित किया। शैक्षणिक और पेशेवर उपलब्धियों का सुंदर सफ़र कक्षा 10वीं में 10 सीजीपीए, कक्षा 12वीं: 96%, स्नातक, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय। पेशेवर उपलब्धियाँ-इंस्टिट्यूट ऑफ़ एक्चुअरीज़ की 15 परीक्षाएँ सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर फेलो उपाधि प्राप्त। वर्तमान भूमिका-EXL में Actuarial Manager के रूप में कार्यरत। समर्पण, मेहनत और निरंतर उत्कृष्टता की प्रेरणादायक कहानी।

अनिका माहेश्वरी, बनखेड़ी (म.प्र.)

अनिका माहेश्वरी ने मध्य प्रदेश राज्य टेबल टेनिस चैम्पियनशिप 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट परिचय दिया। अंडर-11 बालिका वर्ग – स्वर्ण पदक, अंडर-13 बालिका वर्ग – कांस्य पदक। इन उत्कृष्ट उपलब्धियों के साथ, अनिका को आगामी राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने का गौरव प्राप्त हुआ है। उनकी यह सफलता निरंतर परिश्रम, अनुशासित प्रशिक्षण और कम उम्र में प्रतिस्पर्धात्मक उत्कृष्टता का प्रतीक है।

विनम्र श्रद्धांजलि

देहदानी श्री श्यामसुंदरजी मूंदड़ा को अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की ओर से श्रद्धा–सुमन भेंट करते हुए प्रभु से प्रार्थना करते हैं। दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे, मोक्ष प्रदान करे।

उजास एनर्जी लिमिटेड, इन्दौर के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मूंदड़ाजी एक सहज, सरल, मितभाषी, मिलनसार, दूरदृष्टि वाले स्वाभाविक व्यक्तित्व वाले थे। आपका महाप्रयाण समाज के लिये व परिवार के लिये अपूरणीय क्षति है। अपनी चिर परिचित मुस्कान के साथ करुणा का भाव सदैव उनके चेहरे पर रहता था, जो अंत समय में भी झलक रहा था। सदैव कम शब्दों में, प्रभावी, प्रेरक व सटीक बात करते थे एवं सकारात्मक सोच वाले अद्वितीय व्यक्तित्व के स्वामी थे। उन्होंने पारिवारिक, सामाजिक और व्यावसायिक सभी क्षेत्रों में कई क्रांतिकारी कदम उठाये थे। जैसे–बिना मुहूर्त में दिन में शादी करना, नेत्रदान, देहदान, मृत्युभोज, पगड़ी प्रथा का विरोध और शोक निवारण अवधि में कमी।

व्यावसायिक क्षेत्र में भी नौकरी छोड़कर पूरे भारत में बड़े ट्रांसफार्मर बनाना और प्रायवेट सोलर पार्क का इनोवेटिट प्लांट इत्यादि। मूंदड़ाजी के रूप में माहेश्वरी समाज ने एक विराट व्यक्तित्व ही नहीं, सहज, सरल, सक्रिय महान संत खोया है, जिसने शांतिपूर्वक इस दुनिया से महाप्रयाण किया। जीवनभर परमार्थ करते हुए अंत में भी उन्होंने नेत्रदान, चमड़ी दान और पूर्ण देहदान कर महान पुण्य का कार्य किया। बड़े गर्व की बात है कि ऐसी पुण्यात्मा को सरकार द्वारा ''गार्ड ऑफ ऑनर'' की सलामी के साथ अंतिम विदाई दी गई। पुनः उनकी आत्मा को शांति व मुक्ति की प्रभु से प्राथना के साथ।

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के अध्यक्ष, मंत्री, समस्त पदाधिकारी व समस्त कार्यसमिति एवं कार्यकारी मंडल की बहनें

श्यामसुंदरजी मूंदड़ा एक सरल, सहज, स्वाभाविक व्यक्तित्व का महाप्रयाण

अपनी चिर परिचित मुस्कुराहट ,सरलता ,सहजता एवं करुणा का भाव सदैव जिनके चेहरे पर रहता था ऐसे अद्वितीय व्यक्तित्व के स्वामी थे मूंदड़ा जी। सदैव कम शब्दों में प्रभावी और प्रेरक बातें हमेशा कहते थे, नकारात्मकता से कोसों दूर ऐसा सकारात्मक व्यक्तित्व जो सदैव सामाजिक कार्यों में संलग्न लोगों को प्रेरणा देता रहता था। श्रीमती गीता मूंदड़ा के साथ आपकी जोड़ी एकदम वास्तविक लगती थी जो की दिखावे एवं जोर–शोर ,तड़क भड़क से मिलो दूर थी। सम्मानीय श्याम जी मूंदड़ा के रूप में माहेश्वरी समाज ने एक विराट व्यक्तित्व ही नहीं खोया है,वरन एक ऐसा सहज सरल इंसान अपने बीच में से खोया है जो सकारात्मक कार्यों में बिना किसी नाम के हमेशा सदैव आगे रहते थे,जिनकी कमी हम लोगों को हमेशा महसूस होगी। असीम दुख के इन क्षणों में हम सब मूंदड़ा परिवार के साथ हैं, भगवान से विनम्र प्रार्थना है, श्री श्याम जी मूंदड़ा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

ईश्वर की अनंत शांति में विलीन हुई पावन आत्मा को नमन

आपश्री का जीवन गीता दीदी के समान ही सादगी, सद्भाव और संस्कारों की सुंदर मिसाल था। आज वे हमारे बीच भले ही देह रूप में नहीं हैं,, पर उनकी स्मृतियाँ, उनके आदर्श और उनका स्नेह सदैव सभी के जीवन पथ को आलोकित करते रहेंगे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह असहनीय दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

श्रद्धा–सुमन

श्री गोपाल कुमार भंडारी का स्वर्गवास

पूर्व कोलकाता प्रदेश की उपाध्यक्ष एवं प्रदेश समिति संयोजिका कुसुम भंडारी के पति श्री गोपाल कुमार भंडारी कोलकाता निवासी का स्वर्गवास दिनांक 17.01.2026 को हो गया है। आप बहुत ही सरल, सहज स्वभाव के समाजसेवी थे। प्रभु से प्रार्थना है दिवंगत आत्मा को मोक्ष प्रदान करें एवं परिवारजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति दे। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की समस्त बहनों की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

डॉ. (श्रीमती) आशा माहेश्वरी (लड्ढा)

आप स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं भूतपूर्व महामहिम राष्ट्रपति स्व. डॉ. शंकरदयाल शर्मा के निकटतम सहयोगी एवं अनन्य मित्र स्व. श्री चतुर्भुजदासजी मालपानी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भोपाल की सुपुत्री हैं। आपका जन्म 7 सितंबर 1951 एवं विवाह श्री सत्यनारायण माहेश्वरी महू से दिनांक 29 मई 1972 को हुआ। आपने एम.ए. करने के बाद एक्युप्रेशर चिकित्सा में एम.डी. की डिग्री प्राप्त की है।

श्रीमती आशा माहेश्वरी (लड्ढा) द्वारा समाज में सेवाएं प्रदान की गई

✻ 1985 से 1994 तक आप माहेश्वरी महिला संगठन फरीदाबाद की कार्यकारिणी में सक्रिय सदस्य के साथ 2 साल तक सचिव तथा 3 साल तक अध्यक्ष पद पर रही हैं। ✻ 1994 से 2001 तक आप हरियाणा, पंजाब एवं जम्मू-कश्मीर के प्रादेशिक संगठन की अध्यक्ष पद पर रही हैं एवं 2002 से 2008 तक उत्तरांचल की उपाध्यक्ष रही हैं तथा 2009 से 2012 तक राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहीं। ✻ आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन में 2012 से 2015 तक अर्थमंत्री रही। ✻ आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला सेवा ट्रस्ट की फाउंडर ट्रस्टी रहीं। ✻ आप कई वर्षों तक माहेश्वरी महिला पत्रिका की अध्यक्ष भी रही हैं।

✻ आप राजस्थान एसोसिएशन, श्री वृद्धाश्रम आश्रम, ग्रामीण विकास महिला समिति, भारत विकास परिषद जैसी अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। आपने वन बंधु परिषद दिल्ली में 5 बच्चों को गोद लिया, तथा मानव सेवा समिति फरीदाबाद में 3 बच्चों को गोद लिया था।

श्री माहेश्वरी विद्यालय ट्रस्ट द्वारा संचालित रुकमादेवी पन्नालाल लड्ढा माहेश्वरी महाविद्यालय छत्रीबाग इन्दौर में स्थित है जिसमें वर्तमान में 3200 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, उसकी आप ट्रस्टी थीं।

करीब 25 वर्षों से आपने एक्यूप्रेशर चिकित्सा में अपनी निःशुल्क निःस्वार्थ सेवायें प्रदान की। आपने ''अपना स्वास्थ्य अपने हाथ'' पुस्तक लिखी है। आप रोजाना शाम को अपने निवास पर तीन घंटा मरीजों का निःशुल्क इलाज करती थीं। आपने अभी तक अनेक शहरों में करीब 25 कैंप आयोजित किये हैं, जिससे हजारों रोगियों को लाभ प्राप्त हुआ है। आपने करीब 15 बार रक्तदान किया था। आपने मृत्योपरांत नेत्रदान की भी घोषणा की है। आपने विकलांग शिविरों एवं नेत्र कैंपों में तन, मन, धन से सहयोग एवं योगदान किया है। विदेशों में भी आपने कैंप लगाकर मरीजों का इलाज एक्यूप्रेशर चिकित्सा द्वारा किया है।

आप समय-समय पर जरुतमंद रोगियों एवं छात्र-छात्राओं की मौन सहायता करने में अग्रणी रही हैं। आप धार्मिकता एवं 'सादा जीवन उच्च विचार' में विश्वास रखती हैं। आपके व्यक्तित्व विकास में शालीनता, सेवाभाव, संस्कारशीलता एवं अनुशासन का योगदान रहा है। मुंबई में निवास करते हुए भी आपने चिकित्सा एवं उपरोक्त सेवा अविरल रूप से जारी रखी थी। समाज में आपकी क्षति अपूरणीय है। प्रभु से प्रार्थना है दिवंगत आत्मा को शांति, मोक्ष प्रदान करें।

अ.भा. माहे. महिला संगठन के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी, कार्यसमिति व कार्यकारी मंडल सदस्य

पूर्वांचल

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

नानी बाई रो मायरो–भक्ति, भाव और विश्वास की वह अमर कथा

जहाँ मायरा नहीं, प्रभु का अपार स्नेह बरसता है।
नरसी की भक्ति, नानी का अटूट विश्वास
हर हृदय को जोड़ती है यह पावन आस।

विराटनगर माहेश्वरी महिला मंच की अध्यक्ष श्रीमती ललिता जी जाजू की अध्यक्षता में एवं सचिव श्रीमती कल्पना जी राठी एवं उनकी संपूर्ण टीम के अथक प्रयास से दिनांक 16 दिसंबर से 18 दिसंबर 2025 तक माहेश्वरी महिला मंच, विराटनगर द्वारा त्रि–दिवसीय ''नानी बाई को मायरो'' कार्यक्रम का भव्य, गरिमामय एवं अत्यंत श्रद्धापूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर जोधपुर से पधारे सुप्रसिद्ध कथावाचक श्री विट्ठलदास जी महाराज ने अपनी ओजस्वी व रसपूर्ण जोधपुरी कथा–शैली से भक्तों को भाव–विभोर कर दिया। समाज के पुरुष वर्ग द्वारा नरसी मेहता के स्वरूप में सुसज्जित होकर, संग–साथियों की टोली सहित भावपूर्ण भजनों का गायन करते हुए शोभायात्रा को अत्यंत भव्य एवं मनोहारी स्वरूप प्रदान किया गया।

दीप प्रज्वलन समारोह में राष्ट्रीय पूर्वांचल उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा जी सारडा, संस्थापिका अध्यक्षा आदरणीय गोमती जी राठी तथा माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्रीमान मुकेश जी राठी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर मायरा प्रसंग की अद्भुत प्रस्तुति की गई। नानी बाई के स्वरूप में श्रीमती प्रीति राठी (कार्यकारिणी सदस्य), सांवरिया सेठ के स्वरूप में श्रीमती संजू बाहेती (सांस्कृतिक सह–सचिव), रुक्मणी के स्वरूप में श्रीमती पूनम राठी (महिला सशक्तिकरण सचिव), राधा रानी के स्वरूप में श्रीमती पूजा राठी (कार्यकारिणी सदस्य), एवं नरसी मेहता की टोली के साथ सभी बहनें पारंपरिक परिधान एवं पूर्ण श्रृंगार में पंक्तिबद्ध होकर मायरा का सामान लेकर जैसे ही सभागार में प्रवेश करती हैं, तो समस्त उपस्थित जनसमूह ने पुष्प–वर्षा कर उनका भावपूर्ण स्वागत किया। सभी बहनें धीरे–धीरे मंच की ओर अग्रसर हुईं और संपूर्ण सभागार का वातावरण पूर्णतः मायरा–मय हो गया।

इस भव्य आयोजन में संगठन की निवर्तमान अध्यक्ष एवं कार्य समिति श्रीमती अनीता जी अटल, राष्ट्रीय पूर्वांचल संजीवन सिद्धा सह–प्रभारी श्रीमती अर्चना जी तापड़िया

तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रचना जी राठी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को सफल बनाने में माहेश्वरी युवा मंच के अध्यक्ष श्रीमान नितेश जी सारडा एवं उनकी संपूर्ण टीम का विशेष सहयोग रहा, जिनकी सक्रिय भूमिका से कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित एवं अनुशासित ढंग से संपन्न हुआ।

मंच की समस्त बहनों एवं साधारण सदस्यों ने भी अपने–अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया, जो इस आयोजन की सफलता का सशक्त आधार बना।

कार्यक्रम के संयोजक श्रीमान राजेंद्र जी मूंदड़ा, संयोजिका श्रीमती पूनम जी राठी, सह–संयोजक श्री पंकज जी सोमानी एवं सह–संयोजिका श्रीमती पूजा जी राठी, आप सभी की उत्कृष्ट समन्वय क्षमता, सौम्य व्यवहार एवं सुनियोजित व्यवस्थाओं के कारण ही इस भव्य आयोजन को चार चाँद लगे। आप सभी को हृदय से विशेष धन्यवाद, साधुवाद एवं आभार।

अध्यक्ष–निशा माहेश्वरी ❊ सचिव–मल्लिका राठी

उत्कल प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

मानस हंस, रामायण पर आधारित प्रतियोगिता में सर्टिफिकेट प्राप्त

अयोध्या में आयोजित मानस सिद्धि अधिवेशन में प्रदेश से 11 सदस्यों की उपस्थिति रही।

मानस भक्ति में स्वरचित भजन प्रतियोगिता में शशि डोंगरा द्वारा लिखित भजन में गायिका सीमा कोठारी, विशाखा राठी, मंजू पेडीवाल की सहभागिता रही व सार्टीफिकेट प्राप्त हुए।

मानस विकास विकसित गांव के माडल प्रतियोगिता में प्रदेश से विशाखा राठी की सहभागिता पूर्वांचल को चतुर्थ स्थान प्राप्त हुआ।

मानस हंस रामायण पर आधारित प्रतियोगिता में स्नेह पचीसिया ने भाग लिया व सार्टीफिकेट प्राप्त हुआ।

बंदनवार–प्रदेश से संतोष चांडक ढेंकानाल,रश्मि झंवर एवं सरिता बागड़ी जाजपुर द्वारा बनाई गई। मानस शिल्पी प्रतियोगिता में दो बंदनवार भेजी गई ।सार्टीफिकेट प्राप्त हुआ।

मानस मंच आपकी अदालत में प्रदेश अध्यक्ष अस्मिता मूंदड़ा की सहभागिता रही व पुरस्कार हासिल किया।

ज्ञान सिद्धा द्वारा राष्ट्रीय प्रतियोगिता देशभक्ति गीत लेखन में अनूजा काबरा को पंचम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्रदेश के अंगुल, तालचेर, ढेंकनाल, ब्रजराजनगर, बड़बिल, कैवैंझर, ब्रह्मपुर, गंजाम, बालेश्वर, बारीपदा

मयुरभंज, द्रक, भुवनेश्वर, कटक, जाजपुर, झारसुगुड़ा, मल्कानगिरी, राउरकेला, सुंदरगढ, संबलपुर, बरगढ़ जिला में नवरात्रि पर डांडिया कार्यक्रम व दिपावली के अवसर पर समाज के साथ बंधु मिलन का आयोजन व कार्तिक महीने के सभी पर्व मनाया गया।

अयोध्या में प्रदेश की त्रैमासिक रिपोर्ट को कोहिनूर कैटेगरी से नवाजा गया।

अध्यक्ष अस्मिता मुंदड़ा ✻ सचिव –शशि डोंगरा

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

रक्तदान शिविर आयोजित, 108 लोगों ने रक्तदान दिया, गौशाला में गायों की सेवा हेतु सहयोग

राष्ट्रीय संगठन द्वारा आयोजित मानस सिद्धि बैठक में 20 सदस्यों की उपस्थिति, व सभी कार्यक्रमों में भागीदारी कोहिनूर कैटेगिरी प्राप्त, मानस अदालत में अध्यक्ष को विशिष्ट पुरस्कार प्राप्त,वंदनवार प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार ,भजन प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त। राष्ट्रीय स्तर द्वारा पंचम देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में 14 प्रविष्टियां प्राप्त प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत। आत्म रक्षा अभियान में राष्ट्रीय द्वारा पूर्वांचल में पुरस्कार से पुरस्कृत। पूरे सत्र प्रत्येक अमावस्या को गो सेवा करने का संकल्प में गोशाला में गायों को रोटी, हरा चारा दलिया, गुड़ खिलाया गया।

पूर्व कोलकाता कार्तिक पूर्णिमा पर विष्णु भगवान पर 1108 नाम से तुलसी और माँ लक्ष्मी पर 1108 नाम से गुलाब पुष्प अर्पण, शरद पूर्णिमा पर्व पर असारी में 50 किलो खीर का वितरण, 200 दीप प्रज्वलित। बेलघरिया 151 दीप प्रज्वलित करके दीप दान। हिंद मोटर हमारे समाज की एक बच्ची का एडमिशन फ़ीस व तीन महीने की स्कुल की फ़ीस 15,000 रुपया नगद राशि प्रदान, बाबा रामदेव जी महाराज का जुम्मा धूम धाम से मनाया गया।मध्य कोलकाता लघु उद्योग को बढ़ावा देते हुए 25 स्टाल लगाकर आनंद दीपावली मेले का आयोजन, रक्तदान शिविर आयोजित 108 लोगों ने रक्तदान दिया। हावड़ा दुर्गा पूजा महोत्सव पर दुर्गा प्रतिमा हेतु 21000/- सहयोग राशि दी गई, देव दिवाली पावन पर्व पर गंगाघाट में 1000 दीप प्रज्वलित। बाली नवरात्रि पर्व पर 75 कन्याओं को नाश्ता,

टिफ़िन बॉक्स, फ्रूटी, फल मेकअप का समान व दक्षिणा उपहार स्वरूप देकर आशीर्वाद लिया, एक ज़रूरत मंद कन्या के विवाह पर साड़िया, कंबल, कॉस्मैटिक इमिटेशन ज्वेलरी प्रदान।

रिसड़ा घरों में बिना ज़रूरत के सामान गूंज संस्था के साथ एक ट्रक सामान ज़रूरतमंद लोगों के लिए दिया। बच्चों की फैंसी ड्रेस में नृत्य प्रतियोगिता रखी गई लोग प्रथम द्वितीय तृतीय व सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत। दक्षिण कोलकाता गौशाला में गायों की सेवा हेतु 21,000 रुपये का चेक दिया। एक ज़रूरतमंद महिला को सिलाई मशीन प्रदान। नवयुवती एक ज़रूरतमंद छात्रा की चार महीने की फीस विद्यालय में जमा 7800, गोशाला में गौ बछड़ा दान के साथ गाय को चारा ,लड्डू ,गुड़ आदि खिलाया गया।

प्रदेश अध्यक्ष–मंजु पेडीवाल ✻ प्रदेश मंत्री–कुसुम मुंदडा

झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

शैलजा संगम 2025, प्रादेशिक महिला अधिवेशन 4 एवं 5 अक्टूबर 2025

राष्ट्रीय महामंत्री सौ. ज्योतिजी राठी का आगमन

झारखंड बिहार प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा शैलजा संगम 2025, प्रादेशिक महिला अधिवेशन 4 एवं 5 अक्टूबर 2025 देवघर माहेश्वरी भवन में देवघर माहेश्वरी शाखा के अतिथ्य मे झारखंड बिहार प्रदेश के चार अंचल से कुल 19 संगठन के 105 महिला बहनों का समागम हुआ। यह संगम हम सबके लिए प्रेरणादायी और महिला सशक्तिकरण को और मजबूत बनाए इसी उदेश्य से आयोजन किया गया।

''समागम'' की भव्य शुरुआत सभी आगंतुकों का संथाली डान्स ग्रुप के स्वागत किया गया। सम्मानीय अतिथि द्वारा भगवान महेश की प्रतिमा मे माल्यार्पण एवं नृत्य प्रस्तुति के साथ महेश वंदना करके कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस समागम मे महिलाओ के लिए एग्जिभीशन भी लगाया गया जिसमे लोकल उद्यमीओ ने हैंडक्राफ्ट आइटम्स, ज्वेलरी, जैसे अन्य कई स्टाल्स लगाये। मंच पर राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी , पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी, पूर्वांचल उपाध्यक्ष गिरिजा सारडा, उद्योगपति सोनिया जी

तोषनीवाल, समाजसेवी श्रीमती वर्षा जी डागा, समाजसेवी शारदा जी साबू , प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जी लड्डा, कार्यसमिति सदस्य श्रीमती उषा जी माहेश्वरी, प्रदेश सचिव श्रीमती संगीता जी चितलांगिया, प्रदेश सभा कोषाध्यक्ष श्रीमान शिवशंकर जी साबू उपस्थित थे जिनका स्वागत दुपट्टा पहना कर पुष्प देकर किया। सभी को दुपट्टा पहना कर अभिनंदन किया गया। प्रमुख अतिथि राष्ट्रीय महामंत्राणी श्रीमती ज्योतिजी राठी ने अपने उद्बोधन मे कहा शुन्य से शिखर तक पहुंचना है तो ''रखना होगा हौसला वह मंजर भी आएगा, थक कर मत बैठो बहनों मंजिल भी मिलेगी अगर देखे हैं आपने सपने और यदि लक्ष्य है आपका बुलंद तो अपनी एक पहचान बनाओ अँधेरी रातों में जला कर दिया मुश्किलों को आसान बनाना चाहते हो, शिखर को छूना है तो आगे बढ़ो''। समारोह अध्यक्ष राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष श्रीमती शोभा जी सादानी ने उद्बोधन मे संगठन का प्रबंधन, आत्म विश्वास से आत्म चिंतन के बारे मे बताया । विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा जी सारडा के उदबोधन मे समाज उत्थान के लिए प्रोत्साहित

किया। उन्होंने साइलेंट किचन के बारे में अपना विचार साँझा किया । नेपाल में किस वजह से इतना बवाल हुआ समाज हित पर इस पर चिंतन करने कहा। सम्मानीय अतिथि समाजसेवी श्रीमती वर्षा जी डागा ने महिलाओ क़ो समय प्रबधन कैसे करना चाहिये घर, जॉब एवं समाज के बीच तालमेल रखते हुए आगे बढ़ना है उस पर बताया। मुख्य अतिथि उद्योगपति श्रीमती सोनिया जी तोषनीवाल ने महिलाओ को आत्म निर्भर बनते हुए घर परिवार समाज को कैसे लेकर चलना है वह टिप्स दिये । राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ ने वर्चुअल बीडीओ कॉल के माध्यम से उदबोधन मे काहा सोच की कोई सीमा नहीं श्रेष्ठ सोचे श्रेष्ठ ही पाए, शैलजा संगम को एक प्रेरणा बनाएं दृढ़ता से जीने की सृजनशीलता से आगे बढ़ाने की और, संगठित होकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की, परिवार हो या संगठन रिश्तो में मधुरता के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। उदघाटन सत्र के पश्चात पूर्वांचल संचार सिद्धा सह प्रभारी श्रीमती मनीषा सोमानी ने सोशल मीडिया से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण टिप्स जो आज के समय मे हमें जानना बहुत जरुरी है उसके बारे मे बताया। शाम को स्थानीय वरिष्ठ महिला सदस्यों का सम्मान राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा किया गया। जिसके बाद रंगा रंग संस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमे संगठन सदस्य ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया किसी ने मारवाड़ी मे नाटक किया। अंत मे सभी ने एक साथ गरबा डांडिया का आनंद लिया। यह मीटिंग बाबा धाम होने से सभी बहने सुबह एक साथ बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना करने मंदिर गई जहाँ भोले बाबा संग माँ पार्वती का गठ जोड़ा पूजन एवं मंदिर दर्शन कर आशीर्वाद लिया । समापन में तीन प्रतियोगिता रखी गई। बैनर एवं पोस्टर प्रेजेंटेशन जिसमे जमशेदपुर को प्रथम द्वितीय देवघर तृतीय कोडरमा, किशनगंज स्पेशल पुरस्कार दिया गया । संगठन प्रतिवेदन मे प्रथम जमशेदपुर, द्वितीय किशनगंज एवं तृतीय गुमला हुए। राष्ट्रीय 10 समिति की प्रदेश स्तर की संयोजिका प्रतिवेदन में प्रथम ग्राम विकास की सुधा पचीसिया, द्वितीय अष्ट सिद्धा की राजश्री डागा एवं तृतीय संजीवनी सिद्धा की शशि डागा को विजेता घोषित किया। प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर में सभी कार्य में भाग लेने वाले बहनों, बच्चों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही प्रदेश महिला मीडिया प्रभारी श्रीमती रश्मि मालपानी को अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार दीया गया ।

दिवाली मिलन पर बच्चों ने रामलीला की प्रस्तुति दी साथ ही दीपावली के बारे में मारवाड़ी में बोलकर सबका मन मोह लिया । धनतेरस दीपावली पर बच्चों के साथ खुशियाँ बाँटीं नए कपड़े, ऊनी कपडे, खेल समग्री, कॉपी, पेंसिल, बिस्किट और ड्रिंक भेंट दिया पटाखे फोड़े एव खाना उनके साथ खाया। महिलाओं के लिए रंगोली बनाओ प्रतियोगिता आयोजन । राजस्थान में पक्षियों के दाना के लिए 2500 रुपए की सहयोग राशि। चिल्ड्रन'स डे पर बच्चों को गेम्स खिलाया, पुरस्कृत कर साथ के भोजन भी किया ।

अयोध्या मानस हंस प्रोग्राम में पूर्वांचल की प्रस्तुति में संगीता बाहेती, शकुंतला मंत्री एवं सुधा पचीसिया ने भजन गायन में भी हिस्सा लिया।

महिला ट्रस्ट मे शकुंतला मंत्री ट्रस्टी बनी । बंदरवाल बनाओ प्रतियोगिता में कविता आगीवाल को कंसोलेशन प्राइज मिला । 25 दिसंबर बहुत ही धूम धाम से सभी ने तुलसी पूजन किया भजन गये । कड़ाके की ठंड में रहागिरो के लिए चाय बिस्कुट की व्यवस्था एवं कहीं–कहीं गरम कपड़े कंबल का वितरण भी किया गया । जुलाई – अक्टूबर के रिपोर्ट के लिए शालीमार कैटेगरी हासिल हुई।

अध्यक्ष–निर्मला लड्डा ✻ सचिव–संगीता चितलांगिया

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

भक्ति, सेवा, संस्कृति एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में गतिविधियां संपन्न, कैंसर पीड़ितों की सहायता

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत पश्चिम बंगाल प्रादेशिक इकाई ने अक्टूबर 2025 से निरंतर उत्साहपूर्ण एवं समर्पित कार्य किया। विभिन्न समितियों के माध्यम से भक्ति, सेवा, संस्कृति एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय गतिविधियां संपन्न हुई। अष्टसिद्धा में नियमित मीटिंग्स एवं व्यक्तित्व विकास चर्चाएं आयोजित हुई। मानस सिद्धि बैठक में 12 बहनों की सक्रिय उपस्थिति रही। संस्कारसिद्धा के अंतर्गत गुड टच, बेड टच कार्यशाला, बाल दिवस प्रतियोगिताएं, आत्मरक्षा कैंप, किड्स वॉकथॉन एवं संस्कार शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। स्वयंसिद्धा में महिलाओं हेतु पिकनिक एवं वूमेंस वॉकेथॉन का आयोजन उत्साहवर्धक रहा।

ज्ञानसिद्धा ने राष्ट्रीय देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में गंगटोक की अलका मर्दा को सम्मान दिलाया तथा महिला लेखनी ब्लॉग का प्रभावी प्रचार किया। संस्कृति सिद्धा के तहत सुंदरकांड पाठ, गो-अष्टमी पूजा, नंदी के नाथ भजन प्रतियोगिताएं एवं दीपावली मिलन प्रमुख आकर्षण बने। रघुकुल रीत सिद्धा में भगवान की पुरानी पोशाकों से वंदनवार प्रतियोगिता आयोजित हुई। संकल्पसिद्धा ने चाय बागान मजदूरों, स्लम क्षेत्रों में वितरण, गौशाला में दान, स्मार्ट विलेजों में भागीदारी।

संजीवनसिद्धा में टीबी रोगियों को पोषण सहायता ,नेत्र जांच, अंत्येष्टि सहायता एवं ब्लड कैंसर पीड़ित को 10,000 की आर्थिक मदद प्रदान की।

संचार सिद्धा संयोजिका ने अखिल भारतीय एवं प्रादेशिक स्तर पर सभी तकनीकी कार्यों को सुचारु रूप से संवारा।

युगलसिद्धा की विशेष उपलब्धि रही-मालदा में 11 तथा सिलीगुड़ी में 25 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न हुआ। सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि 'मिलन मधुरम्' (मालदा) में दो दिवसीय श्री राम-सीता विवाह महोत्सव के साथ 11 गरीब जोड़ों का निःशुल्क विवाह, जिसमें प्रदेश से 21,000 का सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रेखा लखोटिया, सचिव सुधा कल्याणी एवं पूरी टीम के अटूट समर्पण से संगठन भक्ति, सेवा एवं समाज कल्याण में निरंतर अग्रसर है।

पश्चिमांचल

पश्चिमी राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

जोधपुर में गोपाष्टमी पर गायों के इलाज एवं खाने के लिए सहयोग व दीपावली पर जरूरतमंद बच्चों को वस्त्र,मिठाई व पटाखे का वितरण

राष्ट्र द्वारा आयोजित देशभक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में जालौर जिले की शिखा भूतड़ा द्वारा लिखा गया गीत सराहनीय रहा। जोधपुर जिला दक्षिणी क्षेत्र द्वारा कार्तिक एकादशी को एक ब्राह्मण कन्या के विवाह हेतु 51 हजार रुपए की सामग्री एवं कपड़े पायल भेंट किए गए ।

जोधपुर जिला पूर्वी क्षेत्र द्वारा गोपाष्टमी पर गौशाला में 15000 लापसी के लिए 21000 चारे के लिए और 15000 बीमार गायों के इलाज के लिए भेंट किए गए। जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए 20000 स्कूल फीस भी वहन की गई ।

जालौर जिला महिला संगठन की ओर से बच्चियों को और महिलाओं को विकट परिस्थितियों में आत्मरक्षा के गुर सिखाए गए।

स्वदेशी प्रतियोगिता अभियान में प्रदेश की बहनों द्वारा फॉर्म भरे गए। दीपावली पर प्रदेश के सभी जिलों में गरीब बस्तियों में जाकर मिठाई नए वस्त्र एवं पटाखे वितरित किए गए। जालौर जिला द्वारा नेत्र चिकित्सा के लिए मेडिकल का फ्री कैंप का आयोजन किया गया ।जिसमें 147 लोग लाभान्वित हुए ।

मानस सिद्धि 2025 में प्रदेश की 12 सदस्य बहनों ने अपनी भागीदारी निभाई। मानस शिल्पी में बाड़मेर की रेखा तापड़िया एवं पाली की आशा झंवर की बंधनवार प्रतियोगिता में शामिल की गई जिसे प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मानस हंस में प्रदेश की स्वाति जैसलमेरिया द्वारा भागीदारी निभाई गई।

मानस मंच में प्रदेश अध्यक्षा मनीषा मुंदड़ा द्वारा भाग लिया गया और राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। मानस भक्ति में प्रदेश की उर्मिला तापड़िया स्वाति माधना और मंजू लोहिया द्वारा राम जन्म उत्सव पर भजन की प्रस्तुति की गई ।

मानस विकास में विकसित गांव के मॉडल की आंचलिक प्रतियोगिता में प्रदेश की सुनीता डागा ने भागीदारी निभाई और राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया । स्वाति माधना और स्वाति जैसलमेरिया द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन प्रदेश के राष्ट्रीय पदाधिकारी द्वारा किया गया।

प्र. अध्यक्ष–मनीषा मुंदड़ा * प्र. सचिव–रीटा बहेती

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

आत्मरक्षा शिविर के तहत 50 मूक-बधिर बच्चों को प्रशिक्षण दिया, समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत व अभिनंदन किया

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की सक्रिय सहभागिता के साथ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आयोजित त्रयोदश सत्र की तृतीय कार्यकारिणी एवं षष्टम कार्यसमिति बैठक मानस सिद्धि 2025 अयोध्या में सम्पन्न हुई। दक्षिणी राजस्थान से 36 बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

षष्टम कार्यसमिति बैठक में प्रदेश को त्रैमासिक रिपोर्टिंग में पुनः कोहिनूर केटेगरी से सम्मानित किया गया। मानस मंच- आपकी अदालत कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सीमा कोगटा की सहभागिता रही। पश्चिमांचल को द्वितीय पुरस्कार एवं श्रीमती सीमा कोगटा को आउट स्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड प्रदान किया गया।

साहित्य समिति की देशभक्ति गीत प्रतियोगिता में भीलवाड़ा की शिखा बाहेती को तृतीय पुरस्कार, मानस शिल्पी प्रतियोगिता में श्रीमती दमयंती लोहिया को सांत्वना पुरस्कार, मानस हंस सत्र में पश्चिमांचल सहप्रभारी मीनू झंवर ने विवेक द्वारा बाधाओं पर विजय का मार्ग बताया, प्रदेश संयोजिका श्रीमती सुनीता कोगटा ने संस्कारों के महत्व पर विचार रखे, चित्तौड़गढ़ की प्रियंका नरानीवाल का यक्ष प्रश्न राष्ट्रीय शीर्ष दस में चयनित हुआ,मानस भक्ति अंतर्गत भीलवाड़ा की वीणा मोदी, कृष्णा लड्ढा एवं उदयपुर की छवि भदादा द्वारा प्रस्तुत भजन पर सांत्वना पुरस्कार प्राप्त , मानस विकास मॉडल प्रतियोगिता पंचतत्व ग्रामसत्व में भीलवाड़ा से मोना डाड की प्रस्तुति के साथ पश्चिमांचल प्रथम रहा।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला ट्रस्ट एवं संगठन द्वारा बालिकाओं को उच्च अध्ययन हेतु 3 लैपटॉप प्रदान किए गए। शक्ति वंदनम सम्मान से पल्लवी लड्ढा सम्मानित हुई। अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट में श्रीमती संध्या आगीवाल प्रेरक ट्रस्टी बनीं तथा श्रीमती सीमा कोगटा, निशा काकाणी, भारती बाहेती एवं पल्लवी लड्ढा नए ट्रस्टी बने। मान कंवर जी काबरा द्वारा 40000/- की राशि के चूर्ण वितरित किए गए। राम लला दर्शन, सरयू स्नान एवं अयोध्या भ्रमण के साथ यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भीलवाड़ा में आत्मरक्षा शिविर के तहत 50 मूक-बधिर बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया व प्रशिक्षत,बालकों को प्रतिदिन अभ्यास हेतु तैयार किया गया। चित्तौड़गढ़ में वंदेमातरम के 150 वर्ष पर सामूहिक राष्ट्रगान हुआ। राजसमंद में नवरात्र एवं दशहरा पर शस्त्र पूजन व प्रशिक्षण दिया गया। उदयपुर में गीता जी मूंदड़ा एवं नम्रता जी बियानी का स्वागत। जोधपुर में समस्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों का स्वागत, अभिनंदन किया गया।

प्र.अध्यक्ष-सीमा कोगटा * प्र सचिव-सुशीला असावा

मध्य राजस्थान प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में मध्य राजस्थान ने सर्वाधिक 74 विद्यालयों में शिविर आयोजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया

राष्ट्रीय बैठक ''मानस सिद्धि'' में मध्य राजस्थान प्रदेश ने सशक्त सहभागिता, उत्कृष्ट कार्यशैली और अनुकरणीय समर्पण से उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की एवं 26 बहनें उपस्थित रहीं। ''सिद्धि सृजन'' कार्यक्रम में प्रदेश से तीन बहनों की सहभागिता रही और समाज सेविका श्रीमती उर्मिला गट्टानी ने विशिष्ट अतिथि पद को सुशोभित किया।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में मध्य राजस्थान ने सर्वाधिक 74 विद्यालयों में शिविर आयोजित किये व राष्ट्रीय और आंचलिक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी स्थानीय मंडल को चार विद्यालय का लक्ष्य दिया गया था। शिविर आयोजित करवाने में प्रदेश सचिव मनीषा बागला की महत्वपूर्ण भूमिका रही व जिला अध्यक्ष शोभा मूंदड़ा नागौर, मंजु मुरक्या अजमेर व कमलेश मूंदड़ा टोंक का सराहनीय प्रयास रहा।

साहित्य समिति द्वारा आयोजित लेखन प्रतियोगिता देशभक्ति गीत अंतर्गत देवली से भावना माहेश्वरी ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। मानस शिल्पी, भगवान के प्रयुक्त वस्त्रों से बंदनवार बनाने की रचनात्मक प्रतियोगिता अंतर्गत प्रदेश से 13 प्रविष्टियां प्राप्त हुई, जिसमें गच्छीपुरा से राधिका तोषनीवाल ने राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।मानस हंस रामायण के माध्यम से समस्याओं का निराकरण अंतर्गत प्रश्न कि परिवार से दूर रहकर बच्चों और माता–पिता में भावनात्मक दूरी आ जाती है। मालपुरा से मोनिका काहल्या ने शूपर्णखा प्रसंग पर प्रस्तुति देते हुए बताया कि किस तरह दो युवा घर से बाहर रहकर भी आत्मसंयम पर अडिग रह सकते हैं और किसी तरह के प्रलोभन जाल में नहीं फँसते, क्योंकि उन्हें बचपन से ही आत्मसंयम मर्यादा व विवेक के बारे में सिखाया जाता रहा। मानस भक्ति स्वरचित भजन प्रतियोगिता–भक्ति के रंग सुरों के संग–अंतर्गत देवली से भावना माहेश्वरी द्वारा श्री राम जानकी विवाह प्रसंग पर रचित भजन– सिया राम विवाह की झांकी की, इक झलक दिखाने आए हैं। जिसे स्वर दिया– देवली से भावना माहेश्वरी, सविता मालू व मालपुरा से श्रुतिका काबरा ने और प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया। मानस मंच कार्यक्रम आप की अदालत अंतर्गत प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शशि लड्ढा की सहभागिता रही और पश्चिमांचल को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मानस विकास विकसित गांव की मॉडल प्रतियोगिता में प्रदेश से गुंजन मोदानी ने अपनी मानस कला का परिचय दिया और अंचल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।प्रदेश को त्रैमासिक रिपोर्टिंग में पुनः कोहिनूर केटेगरी से नवाजा गया।हर कार्यक्रम में मिली सफलता प्रदेश की एकजुटता, आपसी समन्वय और सेवा भाव का सशक्त प्रमाण है।

प्रदेश अध्यक्ष–शशि लड्ढा ✲ प्रदेश सचिव–मनीषा बागला

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

'मानस सिद्धि' कार्यक्रम में आदर्श गांव प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एवं आपकी अदालत में द्वितीय स्थान प्राप्त किया

प्रथम स्थान प्राप्त आदर्श गाँव का मॉडल

अयोध्या में आयोजित सप्तम कार्य समिति एवं तृतीय कार्यकारिणी बैठक में पूर्वी राजस्थान से कुल 15 बहनों की सक्रिय एवं सराहनीय सहभागिता रही रामलला के दर्शन का सुअवसर प्राप्त हुआ। मानस कला विकसित गांव मॉडल में ''पंचतत्व'' में विनीता जी लाहोटी ने अपनी कला का परिचय दिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आप की अदालत कार्यक्रम में मंजू भराड़िया की सहभागिता रही, जिसमें उन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

श्रेया माहेश्वरी को शक्ति वंदनम सम्मान से राष्ट्र स्तर पर सम्मानित किया गया।

मानस शिल्पी भगवान के वस्त्रों से प्रयुक्त बंदनवार प्रतियोगिता व शबरी की आस्था पर आधारित भजन प्रस्तुति में भी सहभागिता रही।

साहित्य समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम मानस हंस रामचरितमानस से समस्याओं का निराकरण मैं निहारिका गगरानी की सहभागिता उल्लेखनीय रही।

सिद्धि सृजन कार्यक्रम में तीन बेटियों एवं पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही, जो अत्यंत प्रेरणादायी रही।

इसके अतिरिक्त, बच्चों के संस्कार निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 130 बच्चों का नेचर परीक्षण किया गया। बच्चों को संस्कार परक श्लोक सिखाए गए तथा ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। आत्मरक्षा शिविर का भी 6 स्थानो पर सफल आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षकों द्वारा सेल्फ डिफेंस तकनीक, रिस्ट रिलीज सहित पाँच महत्वपूर्ण अभ्यास सिखाए गए।

सर्दी की अधिकता को ध्यान में रखते हुए जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर वितरण भी किया गया।

समग्र रूप से पूर्वी राजस्थान की सहभागिता, उपलब्धियां एवं सामाजिक गतिविधियां संगठन के उद्देश्यों को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने वाली रहीं।

अध्यक्ष–मंजू भराड़िया ❊ मंत्री–नीलम तापड़िया

माहेश्वरी क्लब श्यामनगर जयपुर द्वारा दण्डवती यात्रा का आयोजन

101 महिला मेम्बर वाली क्लब द्वारा श्री गिरीराज जी की दण्डवत परिक्रमा का शानदार आयोजन किया गया। फाउनडर मेम्बर श्रीमती सरला जी डागा के सानिध्य में सुधा जी करनानी कुसुम जी मूंदड़ा श्री गोपालजी मालपानी एवं पुरी टीम का योगदान बहुत ही सराहनीय रहा। क्लब प्रेसिडेंट श्रीमती निशी जी बिहानी एवं पुरी टीम का आभार। तीन दिन का कार्यक्रम भक्ति सेवा ओर आनन्द से परिपूर्ण रहा। इस पावन दण्डवत यात्रा में सभी श्रद्धालुओं का हृदय से धन्यवाद ।

उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सरदारशहर द्वारा नवदिवसीय संगीतमय श्री राम कथा सम्पन्न

माहेश्वरी ट्रस्ट के तत्वाधान में माहेश्वरी महिला मण्डल सरदारशहर द्वारा नवदिवसीय संगीतमय श्री राम कथा का भव्य आयोजन 21 दिसंबर से 29 दिसंबर 2025 तक किया गया । कथा का वाचन परम श्रद्धेय श्री कृष्णानंद जी महाराज (रतनगढ़ वाले) के मुखारविंद से किया गया ।श्री राम कथा का शुभारम्भ बैंड – बाजे क साथ भव्य कलश यात्रा से हुआ जिसमें महिला मण्डल एक जैसी साड़ी पहने और समाज के वरिष्ठ नागरिक, ट्रस्ट के सभी सदस्य, माहेश्वरी युवा संगठन और भी अन्य समाज के लोग उपस्थित रहे। यात्रा माहेश्वरी (राधे–कृष्णा) मंदिर से रवाना होकर माहेश्वरी भवन (कथा–स्थल) पहुंची।

श्री कृष्णानंद जी महाराज के श्री मुख से नौ दिन में श्री राम कथा महात्मय, नाम महिमा, श्री शिव विवाह, श्री राम जन्मोत्सव, बाल लीला, श्री सीताराम विवाह, राम वनवास, केवट प्रसंग, भरत चरित्र, सीता हरण, सबरी मिलन, हनुमान चरित्र, सेतु बंधन, राम– रावण युद्ध, श्री राम राज्याभिषेक ऐसे बहुत सारी कथा का हम सभी नें रसपान किया और झंकियों के दर्शन भी हुए।

श्री राम कथा को सुनने और व्यासपीठ से आशीर्वाद लेने क लिए सरदार शहर विधायक श्री अनिल जी शर्मा, नगरपालिका चेयरमैन श्री राजकरण चौधरी, श्री मान राजकुमार जी रिनवा और भी अलग अलग समाज के लोग भी उपस्थित रहे ।साथ ही बाहर से उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्र्वरी महासभा से पदाधिकारी, उत्तरी राजस्थान प्रदेशाध्यक्षा बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, डूंगरगढ़ आदि जगहों से बहनें पधारी । उत्तरी राजस्थान में बीकानेर महिला संगठन द्वशारा डूंगरगढ़ की रोशनी बिहाणी को राष्ट्रीय संगठन द्वारा प्रदत्त लेपटॉप भेंट किया। बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम रहा।

प्रदेश अध्यक्ष–सरिता बियानी ❊ सचिव

महाराष्ट्र महानगरपालिका के संपन्न चुनाव में विजयी हुए सभी माहेश्वरी बान्धवों व बहनों का हार्दिक अभिनंदन

विजयी नाम–श्री नितिन लड्ढा , जलगांव, सौ कोमल नावंदर, मीरा भाईंदर, श्री धीरज कलंत्री, धुलिया, श्री राजु सोनी, पनवेल, श्री गणेश नावंदर, संभाजीनगर, सौ पद्मा मानधनी,जालना, सौ सदिच्छा सोनी, नांदेड, सौ मयूरी अंकुश पवार (भुतड़ा) नाशिक, श्री अनिल देवकरण डालिया, इचलकरंजी, सौ. राजश्री अंकित बाहेती, लातूर सौ शीतल विनोद मालू ,लातूर आप सभी की उपलब्धि से समाज गौरवान्वित हुआ है।

मध्यांचल

पूर्वी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पांच गरीब कन्याओं को कन्यादान एवं 57 स्कूलों में आत्मरक्षा अभियान

अक्टूबर में संगमनेर में सिद्धि सृजन कार्यक्रम में प्रदेश से 16 बच्चियों की उपस्थिति रही। पूरे प्रदेश में समय-समय पर मेले का आयोजन किया जाता है जिसमें अक्टूबर में अतरंगी दीप मेला भोपाल में लगाया गया जिसमें 47 स्टॉल थे, गाडरवारा में 20-21 दिसंबर को कैबिनेट मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के मुख्य अतिथि में राजस्थानी मेले का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा संगठन के कार्यकारी मीटिंग में आयोजित कार्यशाला में प्रदेश महिला संगठन से अनीता जी जावंधिया, रंजनाजी बाहेती, राजश्री राठी, शोभा जी लाहोटी, सात अन्य पदाधिकारी बहनों ने लाभ लिया। यह कौन जोड़ो द्वारा भोपाल में एवं 11 जोड़ो द्वारा कुंभराज में ''सामूहिक तुलसी विवाह'' का आयोजन महिला संगठनों ने किया एवं तुलसी विवाह में आए हुए सामान को पांच गरीब कन्याओं को कन्यादान में दिया गया।

दिसंबर में भोपाल गिरिराज चरित्र, जबलपुर इटारसी में नानी बाई का मायरा, पिपरिया में यमुना महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया इसमें सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। मानव सिद्धि 19, 20, 21 अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में अनीता जावंधिया समापन समारोह की मुख्य अतिथि रही। अयोध्या में आयोजित मानस मंच आप की अदालत कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रंजना जी की सक्रिय सहभागिता रही मध्यांचल टीम प्रथम विजेता रही। रिपोर्टिंग में कोहिनूर से नवाजा गया। सेल्फ डिफेंस प्रोजेक्ट के तहत 57 स्कूलों में आयोजन किया गया। उसके लिए राष्ट्रीय मंच से रंजना जी एवं राष्ट्रीय जी को मंच से प्रशंसा की एवं सम्मानित किया गया जबलपुर में मूक बधीर बच्चो के स्कूल में सेल्फ डिफेंस लिया गया जिसके लिए अंजलि जी द्वारा सभागृह को बताया गया। ''पंचतत्व ग्राम सत्व'' में मध्यांचल को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ जिसमें संगीता बजाज की सहभागिता रही। आगामी सत्र की मनोनीत

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती ज्योति जी राठी का उनके गृह नगर सौंसर में भव्य स्वागत हुआ, जिसमें उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की गई। मुरैना की प्रज्ञा गांधी राजस्थान न्यायीक सेवा परीक्षा 2025 के परिणाम में दूसरी रैंक हासिल की वर्तमान में राजस्थान विश्वविद्यालय में शोध कार्य कर रहे हैं भोपाल की प्रांजल कोठारी ने नैरोबी केन्या आयोजित 7 मेजर फार्मर्स ग्रुप का प्रतिनिधित्व किया इसलिए उन्हें पुरस्कार करके सम्मानित किया गया सीहोर की बिटिया ने कंलत्र आर्ट के फेस्टिवल के अंतर्गत आयोजित अंग्रेजी स्टोरी राइटिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय एवं संस्कृति मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है। प्रदेश के गठबंधन समिति द्वारा अभी तक 118 विवाह संबंध तय करें

प्र. अध्यक्ष रंजना बाहेती ✲ प्र. सचिव राजश्री राठी

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

पांच गरीब कन्याओं को कन्यादान एवं अस्पताल में सहयोग

राष्ट्रीय देशभक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में प्रदेश सदस्य अंजना बियानी (चतुर्थ) तथा संगीता चांडक (अष्टम) पुरस्कार जीतें। मोरबी के मुस्कान संगठन ने 6 जरूरतमंद किशोरियों को ब्यूटीशियन का कोर्स, 1 दिव्यांग किशोरी को एडवांस मेहंदी कोर्स करवाकर आत्मनिर्भरता हेतु मदद की तथा एक जरूरतमंद को इलाज हेतु राशि सहयोग किया। सूरत माहेश्वरी महिला मंडल ने स्थानीय अस्पताल में रु. 31,000/- की धनराशि दान की ।

गांधीधाम माहेश्वरी मंडल की सदस्य रजनी लड्ढा को मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। अहमदाबाद जिले के कु. शौर्य विरेन सारडा ने जुनियर केबीसी में जीतें कई इनाम और धनराशि। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में सूरत की महिला टीम ने जीता विजेता पुरस्कार। जामनगर संगठन द्वारा आयोजित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में 7 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य उपस्थिति प्रदेश उपाध्यक्ष प्रतिभाजी होलानी और निर्मला हरकुट की रहीं । संगिनी संगठन अहमदाबाद द्वारा आयोजित करवा चौथ सामूहिक उद्यापन में 700 बहनें जुड़ी। सूरत मंडल द्वारा वार्षिक सुंदरकांड उत्सव का भव्य आयोजन। करीब 300 बहनें अपने परिवारजनों के साथ पहुंचे। संगिनी संगठन अहमदाबाद द्वारा आयोजित फिएस्टा इवेंट में 400 बहनें अपने जीवनसाथी के साथ शामिल।

प्र.अध्यक्षा-मंजूश्री काबरा ✲ प्र. सचिव - कांता मोदानी

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला जी काबरा को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी जी के कर-कमलों से सम्मानित किया गया, प्रदेश की ओर से बहुत बहुत बधाई

''मानस-भक्ति'' में ''मीरा की लगन'' भजन प्रतियोगिता में राष्ट्र में प्रथम स्थान प्राप्त

अत्यंत हर्ष एवं गौरव का अनुभूति हो रही है कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की तृतीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, मानस सिद्धि एवं महिला सेवा ट्रस्ट की बैठक श्री रामजी की पावन भूमि अयोध्या में दिनांक 9, 10 एवं 11 दिसंबर को भव्य रूप से संपन्न हुई।

इस राष्ट्रीय आयोजन में पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित 31 बहनों की सशक्त सहभागिता रही। हम सभी के लिए यह अत्यंत गौरवपूर्ण क्षण रहा, जब हमारी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय सुशीला जी काबरा को केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी जी के कर-कमलों से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय मंच से आ.गीता जी मूंदड़ा के जन्मदिन पर शानदार अभिनंदन किया गया। हमारे प्रदेश की रिपोर्टिंग को कोहिनूर कैटेगिरी प्राप्त हुई।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में प्रदेश की बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। मानस भक्ति-स्वरचित मीरा की लगन भजन प्रतियोगिता में बुरहानपुर जिला की युवा बहनों प्राची माहेश्वरी, अनुराधा तोषनीवाल एवं जया माहेश्वरी ने सहभागिता कर राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर पश्चिमी मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया।

मानस शिल्पी- बन्दनवार में 54 प्रविष्टि में देवास जिला की प्रमिला गट्टानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा धार जिला की अभिलाषा तापड़िया को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ। **मानस हंस-**आंचलिक कार्यक्रम में खंडवा जिला की सपना काकाणी ने शानदार प्रस्तुति देकर प्रदेश को गौरवान्वित किया। **मानव विकास-** पंचतत्व ग्राम सत्व आंचलिक प्रतियोगिता में इंदौर की सरला मानधन्या ने सहभागिता की, जिसमें मध्यांचल ने तृतीय स्थान प्राप्त कर पुरस्कार अर्जित किया। मानस मंच-आप की अदालत प्रतियोगिता में सभी प्रदेशों के अध्यक्षों की सहभागिता रही, जिसमें मध्यांचल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसमें प्रदेश अध्यक्ष उषा सोड़ानी की सक्रिय सहभागिता रही। यह भी हमारे लिए सौभाग्य का विषय रहा कि सभी प्रमुख पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों के साथ हमारी संरक्षक आदरणीय गीता जी मूंदड़ा इस आयोजन में जूरी सदस्य के रूप में उपस्थित थीं।

इसी तरह मानस अभिव्यंजना- मानस की महिला पात्र का अभिनय में निर्णायक की भूमिका में आ. सुशीलाजी काबरा थीं। यह संपूर्ण यात्रा सहयोग, समर्पण एवं संगठनात्मक एकता का सजीव उदाहरण रही। सभी बहनों के सक्रिय कलात्मक योगदान से यह भव्य आयोजन संभव हो पाया। सभी का हार्दिक धन्यवाद एवं आभार।

प्रदेश संगठन द्वारा सेवा कार्यों में मेडिकल बैंक योजना में सहभागिता

धार जिले के धामनोद निवासी मुकुंद अग्रवाल ने सी.ए. परीक्षा में ऑल इंडिया फर्स्ट रैंक प्राप्त कर समाज को गौरवान्वित किया। सिविल जज परीक्षा में इंदौर की भामिनी राठी ने प्रथम तथा धार जिले की रिया मानधनिया ने तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रदेश की किशोरियों की प्रतिभा को सिद्ध किया।

प्रदेश संगठन द्वारा सेवा कार्यों के तहत मेडिकल बैंक योजना के अंतर्गत प्रदेश अध्यक्ष उषा सोड़ानी द्वारा ऑक्सीजन मशीन माहेश्वरी मेमोरियल ट्रस्ट एवं भारती जी लखोटिया द्वारा दो व्हीलचेयर नलखेड़ा मंदिर समिति हेतु वृद्ध जनों के लिए भेंट की गई। आत्मरक्षा शिविरों का सतत आयोजन जारी।उद्यमिता को प्रोत्साहित करते हुए जोधपुर माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो में प्रदेश की 4 बहनों को स्टॉल उपलब्ध कराए गए। संगमनेर में प्रदेश से सिद्धि सृजन में 20 बालिकाओं ने प्रदेश का मान बढ़ाया।

प्र.अध्यक्ष–उषा सोड़ानी ✻ प्र. सचिव–शोभा माहेश्वरी

निःशुल्क सामूहिक विवाह एक ऐसी पहल है जो समाज में आर्थिक और सामाजिक समानता को बढ़ावा देती

इंदौर जिला महिला संगठन द्वारा निःशुल्क सामूहिक विवाह एक ऐसी पहल है जो समाज में आर्थिक और सामाजिक समानता को बढ़ावा देती है। इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन हर वर्ष बसंत पंचमी पर माहेश्वरी बंधुओं के लिए यह आयोजन सानंद संपन्न करती है । कार्यक्रम की जानकारी देते हुए इंदौर जिला अध्यक्ष डिंपल माहेश्वरी ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 23 फरवरी बसंत पंचमी के दिन यह आयोजन माहेश्वरी मांगलिक भवन संयोगितागंज, इंदौर पर हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इंदौर जिला के पूरे कार्यकारी मंडल सदस्य बहनों के सहयोग एवं सहभागिता के साथ विधि विधान एवं रीति रिवाज के साथ माहेश्वरी समाज के चार जोड़ो का निःशुल्क सामूहिक विवाह संपन्न हुआ। चारों नव दंपति को गृहस्थी का सभी सामान दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव पुष्पा मोलासरिया द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम की साक्षी बनी राष्ट्रीय मध्यांचल की संयुक्त सचिव अनीता जावंदिया, गीता मूंदड़ा, सुशीला काबरा,नम्रता बियानी,ललिता मालपानी, प्रदेश अध्यक्ष उषा सोढानी, सचिव शोभा माहेश्वरी,सुमन सारडा, शांता मंत्री, वीणा सोमानी प्रमिला भूतड़ा, किरण लखोटिया, सुलेखाजी मालपानी, निर्मला जी बहती, रमा जी शारदा, उर्मिला जी झंवर, मंजू जी भलीका सभी ने नव वर वधू को आशीर्वाद देकर भावी युगल जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रदान की ।

कार्यक्रम संयोजक अर्चना के माहेश्वरी, कुसुम माहेश्वरी, शशि तोषनीवाल एवं मंजू मालपानी के साथ जिला पदाधिकारी मीनाक्षी नवाल, सरोज सोमानी, आशा साबू, दमयंती मनिहार, सुलोचना मंत्री, सीमा गगरानी, ज्योति मुछाल, अनु मुंदडा, पुष्पा काबरा ने पूरे कार्यक्रम की बागडोर संभाली। आभार सुनीता लड्ढा ने माना।

अध्यक्ष–डिम्पल माहेश्वरी ✻ सचिव–पुष्पा मोलासरिया

इंदौर जिला माहे. महिला संगठन

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

गर्व का पल... रायपुर की सौ. ज्योति राठी राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत–बधाई

''आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी'' कार्यक्रम का गोल्डन बुक ऑफ रिकार्ड

गौरव के पल –अयोध्या बैठक मानस सिद्धि में महामंत्राणी श्रीमती ज्योति जी राठी अगले सत्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर मनोनीत, बधाई।

ग्राम विकास समिति पंचतत्व मॉडल में मध्यांचल को मिला तीसरा स्थान। छत्तीसगढ़ की श्रीमती रुपाली गांधी द्वारा सामूहिक गर्भ संस्कार **आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी** कार्यक्रम गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा राष्ट्रीय खेल महोत्सव में राशि मल को बैडमिंटन एकल में मिला प्रथम स्थान।

मानस मंच–आपकी अदालत में मध्यांचल को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। हर्षित मन की Innovation Excellence का अवार्ड श्रीमती शशिजी गट्टानी (अध्यक्ष: छत्तीसगढ़) को प्रदान किया गया। छतीसगढ़ ने रिपोर्टिंग में पुनः कोहिनूर कैटिगरी प्राप्त किया।

विशेष–अध्यक्ष मनोनीत ज्योति जी राठी का प्रदेश आगमन पर जगह–जगह रेलवे स्टेशन पर स्वागत. रायपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत।

जिला के कार्य–फरवरी में आयोजित रजत उत्सव एवं प्रादेशिक अधिवेशन हेतु सभी जिलों को उनके कार्य सौपा गया।

अष्ट सिद्धा –मधु जी राठी, मार्केटिंग महायोद्धा प्रतियोगिता आयोजित जिसमें दिखी तत्कालीन संवाद की कला, आगामी कार्यक्रमों की प्लानिंग। संस्कार सिद्धा–पिंकी जी धूत, तिल व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित।

स्वयं सिद्धा –शशि जी बागड़ी, मेरी दुकान व्हाट्सएप पोर्टल से महिलाएं घर से शुद्ध मिठाईया ,नमकीन का कार्य कर अपने बिजनेस को बढाई। इनसे खरीदारी कर local for vocal को बढ़ावा दे रहे समाजजन।

ज्ञान सिद्धा–रमा जी मल, अयोध्या बैठक में आयोजित मानव हंस में छत्तीसगढ़ की जबरदस्त प्रस्तुति। माहेश्वरी महिला लेखनी का प्रकाशन एवं जन जन तक प्रचार।

संस्कृति सिद्धा–किरण जी दम्मानी, भजन अंताक्षरी, सुंदरकांड पाठ, चंपारण धाम में छाक बगीचा मनोरथ, राजभोग प्रसादी, गौशाला मनोरथ, भिक्षुक भोजन ,वस्त्र दान।

रघुकुल रीत सिद्धा–शशिकला जी काबरा, अध्यक्ष मनोनीत ज्योति जी राठी के लिए जिले की सभी संस्था ने मिलकर किया सम्मान समारोह, प्रतीक चिन्ह,विशाल माला, श्रीफल, दुपट्टे से सम्मान। अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट द्वारा दी जा रही सहयोग की जानकारी हर संगठन तक पहुंचाई गई।

संकल्प सिद्धा–शिल्पा जी सारडा, अनाथ आश्रम में अनाज दान वस्त्र दान। ग्राम विकास समिति पंचतत्व मॉडल में छत्तीसगढ़ की शानदार प्रस्तुति मध्यांचल को मिला तीसरा स्थान।

संजीवन सिद्धा–दिव्या जी राठी, जनवरी में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करने हेतु चर्चा एवं रूपरेखा बनाई गई।

संचार सिद्धा–नीना जी राठी, फरवरी में आयोजित रजत उत्सव के लिए प्रचार प्रसार इस समिति द्वारा बहुत ही सुंदर ढंग से किया जा रहा है. गूगल फॉर्म हेतु इस समिति का विशेष सहयोग। टिप ऑफ़ द वीक को समय–समय पर प्रेषित किया जा रहा हैं।इसी के साथ–साथ साप्ताहिक सामान्य ज्ञान भी फॉरवर्ड किया जा रहा है।

युगल सिद्धा–लता मंत्री बायोडाटा आदान–प्रदान यथावत।

अध्यक्ष –शशि गट्टानी ❊ सचिव –रूपा मुंदड़ा

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

विवाह विच्छेद में दोनों माताओं की भूमिका प्रतियोगिता

अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति–14 दिसंबर को प्रदेश अष्टम सभा का आयोजन वर्धा जिला के हिंगणघाट मे मुख्य अतिथी लताजी मोहता के उपस्थिती मे हुई प्रदेश से 170 बहने उपस्थित थी। जिला अध्यक्षा, सचिव एवम् निवृतमान अध्यक्षा के उपस्थिती मे 3 माह की रिपोर्ट प्रतियोगिता ली गई। अयोध्या मीटिंग के मानस मंच आंचलिक प्रतियोगिता मे प्रदेश अध्यक्षा सुषमाजी बंग भी मंध्याचल प्रथम पुरस्कार मे सम्मानित हुए।

संस्कारसिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति–आत्मसुरक्षा शिबिर का आयोजन प्रदेश के जिला मे हुआ।

सिध्दी सृजन मे 32 बेटियों को प्रदेश से लेकर गये थे। अभी भी व्हाट्सएप से बेटीयो के साथ बातचीत चल रही है। बुलढाणा जिला की खामगाव से भंट्टड परिवार को लॅपटॉप की जरुरत का फार्म आया प्रदेश की ओर से देने का तय हो रहा है। गीता जयंती निमित्त प्रदेश सभा मे गडचिरोली जिला से बच्चो द्वारा गीता के ज्ञान पर प्रस्तुती दी गई।

स्वयंसिद्धा महिला सशक्तिकरण समिति–प्रदेश निवृतमान अध्यक्षा भारतीजी राठी को वर्धा जिला सभा मे जीवन गौरव सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर औद्योगिक मेला मे प्रदेश से स्टॉल दिये गये। अकोला जिला मे स्वयंरोजगार के हिसाब से औद्योगिक मेला आयोजित किया। 30 स्टॉल लगाये गये। ज्ञानसिद्धा साहित्य समिति–ज्ञान सिध्दा समिति द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम मे प्रदेश संयोजिका कांताजी चांडक ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश से सहभागी रही। रुपलजी मोहता द्वारा सिया में राम पिक्चर की लांचिग अयोध्या मे राष्ट्रीय मंच से की जिसका लीखान प्रदेश पुर्वाध्यक्षा ज्योतीजी बाहेती द्वारा किया गया।

संस्कृति सिद्धा समिति–स्वरचित भजन प्रतियोगिता मे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहिला प्रोत्साहन पुरस्कार /मंध्याचल द्वितीय पुरस्कार मिला। यवतमाल जिला से स्मिता सोनी, रचना कलंत्री सुनिता बुब ने सुंदर गीत प्रस्तुत कर सम्मान पाया। गीता जयंती निमित्त प्रदेश स्थरीय गीता ज्ञान नाटीका प्रतियोगिता ली गई 11 जिला द्वारा प्रतियोगिता मे सहभाग लिया। प्रदेश ने सभी को अलग अलग संदेश को मंचन को देखकर पुरस्कार दिये गये।

रघुकुल रीत सिद्धा समिति–वर्धा जिला अधिवेशन मे रघुकुल सिद्धा समिति अंतर्गत विवाह विच्छेद मे दोनो माताओ की भुमिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जजमेंट पुर्वायक्षा ज्योतीजी बाहेती और शोभाजी तापडिया ने किया। समिक्षक के रुप मे राजेंद्रजी भुतडा रहे।

प्रदेश स्तर पर मानस शिल्पी – बंदनवार बनाओ प्रतियोगिता ली गई। 22 प्रतिस्पर्धी के बंदरवार मे से उत्कृष्ट एंट्री राष्ट्रीय स्तर पर भेजी ओर प्रोत्साहन पर पुरस्कार वाशिम जिला की श्रेया मोदाणी ने पाया।

संकल्प सिद्धा समिति–मानस विकास – पंचतत्व ग्राम सत्व आंचलिक प्रतियोगिता मे प्रदेश से निशी सांवल ने तैयारियां मे पुर्ण सहयोग कर मंध्याचल ने तृतीय पुरस्कार पाया।

युगलसिद्धा गठबंधन समिति–सभी जिला मे बायोडाटा का आदानप्रदान प्रदेश समिती द्वारा चल रहा है।

संचार सिध्दा समिति–प्रदेश सह संयोजिका पुनम झंवर द्वारा मानससिध्दी आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम मे सहयोग किया। फ्लायर बनाने में सहयोग किया । राष्ट्रीय मंच से सम्मान किया गया। हर माह त्यौहार, जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ के फ्लायर बनाना यह कार्य संचार सिध्दा समिति द्वारा किया गया।

संजीवन सिद्धा समिति–अमरावती तालुका के अचलपूर तहसील प्रदेश सहसयोजिका डॉ मंगलाजी राठी द्वारा बस्ती मे जाकर संतुलित आहार पर मार्गदर्शन के साथ महिला एवम बच्चो का चेकअप कॅप लिया। 250 लाभार्थी ने लाभ लिया। गोंदिया जिला अध्यक्षा के सासुजी ने मरणोपरांत अपने आखो को दान कराने का संकल्प लिया। 85 वर्ष की आयु मे परीवार जनो द्वारा संकल्प पुरा हुआ।

प्रदेश अध्यक्ष–सुषमा बंग ❊ प्रदेश सचिव– निलिमा मंत्री

उत्तरांचल

मध्य उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

प्रदेश को कोहिनूर एवं शालीमार कैटेगरी से सम्मानित किया गया
''मानस अभिव्यंजना'' में ''शबरी'' के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू बांगड़ की उपस्थिति में ''मानस चिंतन'' प्रदेश कार्यसमिति कार्यकारिणी बैठक में 85% से अधिक बहनों की उपस्थिति रही। मानस सिद्धि कार्यक्रम में प्रदेश ने मुख्य आयोजक संस्था के रूप में कार्यभार संभालते हुए संगठन क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया। प्रदेश की 54 बहनों की सहभागिता के साथ कानपुर नवयुवक मंडल अध्यक्ष एवं धर्मशाला अध्यक्ष एवं उनकी टीम ने आवास एवं भोजन व्यवस्था में सराहनीय सहयोग दिया। मानस हंस प्रतियोगिता में उत्तरांचल टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। मानस अभिव्यंजना कार्यक्रम में सृष्टि राठी (शबरी) ने प्रथम स्थान एवं राधिका मूंधड़ा (अनुसूया) ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

मानस मंच उत्तरांचल कार्यकम में अध्यक्ष सीमा झँवर की सहभागिता रही। मानस भक्ति भजन प्रतियोगिता में संगीता झँवर द्वारा स्वरचित भजन को वर्षा लाहोटी मृगांका माहेश्वरी, नूपुर मालपानी ने गायन प्रस्तुति दी एवं पंचम स्थान प्राप्त किया। मानस शिल्पी बंदनवार प्रतियोगिता में कर्णिका माहेश्वरी इंदु माहेश्वरी की प्रविष्टि की सराहना की गई। ''पंचतत्व स्मार्ट गांव'' मॉडल आंचलिक प्रतियोगिता में सृष्टि राठी के उत्कृष्ट प्रदर्शन दिया। युगांतर कार्यकम में प्रदेश की 12 बहनें व एक बालक ने प्रस्तुति दी। त्रैमासिक रिपोर्ट में प्रदेश को कोहिनूर एवं शालीमार कैटेगरी से सम्मानित किया गया। श्रीमती वैशाली बिहानी को शक्ति वंदनम पुरस्कार से सम्मानित।

राष्ट्रीय लेखन प्रतियोगिता में श्रीमती लता भुराड़िया की प्रविष्टि को राष्ट्र-स्तर पर सराहना मिली। बच्चों एवं किशोरियों द्वारा इको-फ्रेंडली डांडिया अरहर के सूखे पौधों से बनाया। मैनपुरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन राम-शबरी नाटिका एवं रामायण आधारित नृत्य-नाटिकाओं की भावपूर्ण प्रस्तुतियाँ। कानपुर 150 बच्चों को फ्लाइंग एलिफेंट एडवेंचर पार्क का भ्रमण

कराया गया। सक्षम योजना के अंतर्गत पुरानी साड़ियों व मंदिर वस्त्रों के पुनः उपयोग से रजाई, बंदनवार एवं पूजा सामग्री तैयार कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया गया।

नीलम मंत्री, सीमा झवर के सहयोग से एकलव्य स्पोर्ट्स अकैडमी के 15 बच्चों को राशन सामग्री एवं हेल्ट हास्पिटल लावारिस वार्ड में मरीजों को गद्दे तकिया चादर वितरण। बिरसा मुंडा बनवासी छात्रावास में 150 बच्चों को मंडल द्वारा एक वर्ष की शिक्षा एवं भरण पोषण का दायित्व लिया। 1500 श्रद्धालुओं हेतु भंडारा, अन्नकूट पर 56 भोग, धनुर्मास उत्सव का आगमन श्री गोदा महारानी एवं श्री रंगनाथ की पूजा की , 51 जोड़ों का सामूहिक विवाह एवं 34 जरूरतमंद लोगों को आवास निर्माण जैसे सेवा कार्य संपन्न हुए। मेडिकल उपकरण संग्रहालय से निःशुल्क चिकित्सा की स्थापना। श्रीमती करुणा अटल के अथक प्रयास कुल 15 सम्बन्ध तय हुए।

अध्यक्ष–सीमा झंवर ※ सचिव–नीलम मंत्री

पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

चुनरी मनोरथ, एकादशी उद्यापन, तुलसी विवाह, भंडारे, सुंदरकांड, गौशाला में दान

7 अक्टूबर 2025 को षष्ठम प्रादेशिक कार्यकारिणी बैठक नवरसिका का आयोजन मेरठ में किया गया जिसमें 33 संगठनों से 190 बहने, राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति जी राठी उत्तरांचल उपाध्यक्ष मंजू जी मांधना, संयुक्त मंत्री मंजू जी हरकुट, अतिथिगण की गरिमामयी उपस्थिति रही। मेरठ व हापुड़ सांसद श्री अरुण जी गोविल द्वारा ढाई सौ रामायण की पुस्तकें एवं मुख्य सहयोगी नेहा जी माहेश्वरी द्वारा सभी बहनों को पीतल की गंगाजली प्रदान की गई।

कविता गीत स्वर व्यंजन व्याकरण से भरपूर साहित्य सरोवर एवं कबाड़ से जुगाड़, फैशन शो परिधान प्रदर्शन प्रतियोगिता आयोजित की गई।जिला कार्यकर्ताओं को मूल्यांकन हेतु ट्रॉफी प्रदान की गई जरूरतमंद बहन को धनराशि, वृद्ध आश्रम में व्हीलचेयर, किशोरियों को लैपटॉप बांटे गए। औद्योगिक मेले का भी आयोजन किया गया।

अयोध्या में आयोजित मानस सिद्धि बैठक में प्रदेश से 70 बहनों की उपस्थिति। वंदनबार प्रतियोगिता में पंचम पुरस्कार एवं मानस अभिव्यंजना प्रतियोगिता में उर्मिला की किरदार को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रदेश से महेश वंदना में 2,युगांतर में 17, भजन में 3, मानस अभिव्यंजना में 2, पंचतत्व पर आधारित स्मार्ट गांव में 1, प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रदेश अध्यक्ष मोनिका जी माहेश्वरी को मानस मंच कार्यक्रम में बेस्ट अध्यक्ष की ट्रॉफी प्राप्त हुई। प्रदेश को मूल्यांकन हेतु कोहिनूर कैटिगरी से नवाजा गया। आगरा की शिल्पा जी कालिया को ऑल इंडिया कॉमेडी स्टार में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। प्रदेश की 6 संगठनों द्वारा देव उठान एकादशी एवं कार्तिक पूर्णिमा पर सात कन्याओं

का विवाह संपन्न कराया।

अलीगढ़ संगठन द्वारा मरणोपरांत नेत्रदान संकल्प पूर्ण, मुजफ्फरनगर और अलीगढ़ द्वारा 40 वर्ष से ऊपर की महिलाओं हेतु निशुल्क हड्डियों के चेकअप शिविर एवं रक्तदान शिविर(45 यूनिट) लगाया गया जिसमें 230 महिला–पुरुष लाभान्वित हुए। प्रदेश के विभिन्न संगठनों द्वारा अलग–अलग त्योहार पर चुनरी मनोरथ, एकादशी उद्यापन, तुलसी विवाह, भंडारे, सुंदरकांड, गौशाला में दान धर्म इत्यादि किया गया।

प्र.अध्यक्ष–मोनिका माहेश्वरी * प्र. सचिव–मनीषा राठी

दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

दशहरा, शरद पूर्णिमा, करवा चौथ, दीवाली मिलन के साथ गोवर्धन पूजा,अन्नकूट छप्पन भोग महोत्सव, गोपाष्टमी तथा दीपदान

त्यौहारों के रंग–सखियों के संग,

अक्टूबर महिने में रही पर्वों की बहार।

दशहरा, शरद पूर्णिमा, करवा चौथ, दीवाली मिलन के साथ गोवर्धन पूजा,अन्नकूट छप्पन भोग महोत्सव, गोपाष्टमी तथा दीपदान करके दर्शाया सभी क्षेत्रों ने अपना सरोकार।

150 समाज बंधुओं के सान्निध्य में दीवाली मिलन, 165+ समाज जनों के साथ शक्ति नंदिनी उत्सव तथा 800 से भी ज्यादा परिवारजनों तथा 140 कलाकारों की सहभागिता में सुनहरा सफ़र....द गोल्डन ईरा के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला प्रतियोगिता ऊर्जा और परंपरा के अद्भुत संगम के साथ–साथ हमारी पारिवारिक एकता तथा सांस्कृतिक धरोहर की छटा बिखेरने में मिल का पत्थर साबित हुआ। बाल दिवस के उपलक्ष्य में पिकल बॉल इवेंट तथा फन गेम्स आयोजित किए गए।

कैंडल बुके मेकिंग कार्यशाला तथा मेकअप क्लास महिलाओं को सशक्त बनाने में कारगर साबित हुआ।

विकलांग संस्थान अमर ज्योति चेरिटेबल ट्रस्ट में 25000/- का सहयोग दिया गया। अन्नकूट छप्पन भोग महोत्सव तथा मार्गशीर्ष अमावस्या पर गौशाला में लापसी सवामणी भोग की सेवा दी गई।

नववर्ष पर पिकनिक आयोजन किया गया।

उत्तरांचल की बहनों ने कर दिखाया कमाल,

करके राष्ट्रीय नेतृत्व का सपना साकार।

अयोध्या की पावन धरा पर संपन्न मानस सिद्धि आयोजन को बनाकर,

कला, साहित्य, अध्यात्म व समर्पण का अद्भुत उपहार।

पावन भूमि अयोध्या में नव नेतृत्व के नाम की उद्घोषणा ने,

भरा सभी के दिल में जोश, उमंग व उत्साह का संचार।

19-20-21 दिसंबर माह में अयोध्या में आयोजित बैठक मानस सिद्धि कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश को सह-आयोजक बनने का सौभाग्य मिला तथा सबसे बड़ी ख़ुशी का विषय कि बैठक तथा उत्तरांचल अधिवेशन पूर्ण सफ़ल रहा। उत्तरांचल उपाध्यक्ष तथा प्रदेश बहन मंजू जी मांधना ने मानस सिद्धि आयोजन में स्वागताध्यक्ष बनकर प्रदेश का मान बढ़ाया। मानस सिद्धि में होने वाली सभी प्रतियोगिताओं तथा प्रस्तुति में हमारे प्रदेश की शत-प्रतिशत सहभागिता रही। कुल दिल्ली प्रदेश से 37 बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज़ करवाई।

अध्यक्ष-श्यामा भांगड़िया ❊ सचिव-लक्ष्मी बाहेती

हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

संगठन द्वारा किए गए सेवा कार्य

अष्ट सिद्धा समिति अंतर्गत मानव सिद्धि कार्यक्रम हेतु प्रदेश द्वारा ज़ूम बैठक के माध्यम से बहनों को कार्यकर्ता एवं प्रतिभागी रूप में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। 29 नवंबर को प्रदेश अध्यक्ष सीमा जी मुंदड़ा द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी राउंड में भाग लिया गया

संस्कार सिद्धा समिति अंतर्गत नशा मुक्ति हेतु खेल खिलाए गए जिसमें एथलीट मीट के अंतर्गत 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया। 14 नवंबर बाल दिवस के उपलक्ष मैं कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वयं सिद्धा समिति अंतर्गत मानस अभिव्यंजना में रामायण के विभिन्न चरित्रों पर आधारित प्रतियोगिता हेतु प्रदेश से त्रिजटा और अहिल्या के किरदार को मानस सिद्धि में प्रस्तुत किया जा रहा है। ममता भट्टर और निधि माहेश्वरी इसमें प्रतिभागी रूप में भाग ले रहे हैं। मैं हूं स्वदेशी हेतु आत्मनिर्भर प्रोजेक्ट सर्टिफिकेट लिए गए।

ज्ञान सिद्धा समिति अंतर्गत मानस हंस हेतु प्रदेश से प्रतिभागी पूजा माहेश्वरी का नाम भेजा गया। समय–समय पर आने वाली प्रतियोगिताओं में बहनों द्वारा निरंतर भाग लिया जाता है। **संस्कृति सिद्धा समिति** अंतर्गत मानस भक्ति हेतु भजन भेजा गया और गायिकाओं के नाम दिए गए। 5 नवंबर देव दिवाली पर गौशाला एवं नदी के किनारो पर दीपक लगाए गए। तुलसी विवाह पर संगठनों द्वारा उत्सव आयोजित किए गए। **रघुकुल रीत सिद्धा समिति** अंतर्गत मानस शिल्पी बंदनवार प्रतियोगिता प्रदेश स्तर पर कराई गई उसमें से दो बंदनवार राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के लिए ले जाई जाएगी। **संकल्प सिद्धा समिति** अंतर्गत जरूरतमंद बच्चों की फीस देकर पढ़ाया जाता है 5650/– रुपए का मासिक शुल्क दिया जा रहा है। मानस सिद्धि में कार्यक्रम पंचतत्व में बहन रेणु खटोड़ प्रतिभागी के रूप में भाग ले रही है। **संचार सिद्धा समिति** ज़ूम संचालन और इनविटेशन कार्ड बनाए जाते हैं। मानस अभिव्यंजना कार्यक्रम हेतु बैकग्राउंड वीडियो भी तैयार किया गया। टिप ऑफ़ द वीक प्रदेश में संगठन स्तर तक भेजा जाता है। **युगल सिद्धा समिति** अंतर्गत बायोडाटा निरंतर अपलोड किए जा रहे हैं। मानस सिद्धि में ऑफलाइन बायोडाटा मैच किए जाएंगे।

संजीवन सिद्धा समिति अंतर्गत शशि जी सारड़ा के वीडियो का निरंतर प्रचार प्रसार किया जाता है ताकि बहनों को लाभ मिल सके।

विशेष : अयोध्या में होने वाले उत्तरांचल अधिवेशन मानस सिद्धि की सफलता हेतु प्रदेश द्वारा भरसक प्रयास किया जा रहा है।

अध्यक्ष–सीमा मुंदड़ा ✻ सचिव–अनु सोमानी

पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

अष्टदिवसीय भक्त समागम

माहेश्वरी महिला संगठन,वाराणसी द्वारा सभी समाज बन्धुओं के कल्याण हेतू श्रीमदभागवत कथा का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता व्यास पीठ से पं. श्री संजय शास्त्री जी (प्रधान अर्चक श्री श्याम मंदिर) द्वारा कथामृत का आस्वादन कराया गया जिसमें समाज के ,बड़ी संख्या में वृद्ध, युवा,बालक एवं बालिकाओ द्वारा कथा श्रवण का लाभ लिया गया। प्रत्येक दिन की कथानुसार बहुत ही सुंदर एवं मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई।

आयोजन दिनांक 24 दिसम्बर बुधवार(पौष माह शुक्ल पक्ष चतुर्थी) से 31 दिसंबर 2025 बुधवार (पौष माह शुक्ल पक्ष द्वादशी) तक सफलता से संपन्न हुआ। कथा का शुभारंभ कलश शोभायात्रा से हुआ जिसमें एक रंग की साड़ियां पहने महिलाएं बहुत ही सुंदर लग रही थी। इतने भव्य आयोजन, कार्यकर्ता भाई बहनों की मेहनत,लगन, दिन रात निस्वार्थ भाव से सेवा के बिना संभव नहीं होता।

चाहे अतिथियों की सेवा हो, प्रसाद वितरण हो या श्रोताओं की सुविधा। यह सेवा भाव वास्तव में भगवान श्री कृष्ण को समर्पित सच्ची भक्ति का ही स्वरूप है।

महाभारत का प्रसंग सुंदर ढंग से निभाया

युगांतर में महाभारत का प्रसंग हमारी बहनों ने बहुत ही सुंदर ढंग से निभाया।

साहित्य समिति अंतर्गत मानस हंस में वाराणसी की कृष्णा सोमानी का अभूतपूर्व प्रदर्शन रहा।

पंचतंत्र -ग्राम विकास मॉडल, मे वाराणसी की प्रियंका राठी ने बहुत ही सुंदर मॉडल प्रस्तुत किया।

भजन गायन प्रतियोगिता में हमारे अंचल की टीम जिसमें पुष्पा धूत, ममता सोमानी और नेहा लड्ढा ने सहभागिता प्रदान की थी,सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बंदनवार प्रतियोगिता में वाराणसी से प्रीति मंत्री और मिर्जापुर से संजू डागा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुए।

एकल प्रतियोगिता में वाराणसी की गुंजन पटवारी ने शूर्पनखा का चरित्र निभाया जिसे राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त हुआ एवं ज्योति चांडक जिसने कौशल्या की भूमिका निभाई उसे सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

प्र. अध्यक्ष भारती करवा ✻ प्र. सचिव पुष्प धूत

पूर्वोत्तर आसाम प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

चलती ट्रेन में रेणु सोमानी द्वारा सफल एवं स्वस्थ प्रसव करवाया गया

अखिल द्वारा प्रेषित देशभक्ति गीत लेखन में पूर्वोत्तर की मधु माहेश्वरी का उत्कृष्ट लेखन ।प्रणवी करनानी का हुलाहूप में विश्व रिकॉर्ड। चेस अंडर 19 में पिंकी लड्ढा विजयी । बहु को बेटी बना कर कन्यादान किया। चलती ट्रेन में रेणु सोमानी द्वारा सफल एवं स्वस्थ प्रसव करवाया गया ।काव्या बिहानी नार्थ-ईस्ट बेस्ट डांसर कम्पटीशन के अंतिम चरण में पहुंची ।

हैप्पीनेस कार्यशाला-लंबी बत्ती फूल बत्ती बनाने की कार्यशाला। संस्कार कार्यशाला से बच्चे लाभान्वित। बाल दिवस पर अनेक कार्यक्रम। ''आओ गीता सीखे'' कार्यशाला। खाद्य सामग्री वितरण। धनोपार्जन हेतु उत्कर्ष मेले का आयोजन। पाक कला प्रतियोगिता।

देश भक्ति गीत लेखन प्रतियोगिता में भागीदारी। कन्या भैरव पूजन, ब्राह्मण भोज,भेंट दक्षिणा इत्यादि। अखंड हनुमान चालीसा, मासिक सुंदर कांड,भजन कीर्तन, आरती प्रसाद, गीता पाठ, छप्पन भोग, अन्नकूट, दीप मलिकाये, रंगोली सजाओ। नानी बाई रो मायरो का सफलतम आयोजन। तुलसी दिवस पर कई कार्यक्रम। दीपावली मिलन समारोह, प्रीति भोज,दीप दान,पारिवारिक मिलन समारोह व सहभोज। गौ शाला में गौ माता का पूजन, सामाजिक मेले का आयोजन, सवामणियाँ, 2100/- धनराशि भेंट, गुड़ चापड़,चारा, रोटी से गौ सेवा। पानी टंकी का अनुदान। जरूरतमंद कन्या को आवश्यक सामग्री एवं नगदी रकम। एच पी वी वैक्सीन ड्राइव का निशुल्क शिविर ।170 बहनें लाभान्वित हुई।

दक्षिणांचल

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

भजन प्रतियोगिता में भक्ति के रंग सुरों के संग

संस्कृति सिध्दा समिती अंतर्गत 6 अक्टूबर 2025 चातुर्मास उत्सव पर्व प्रतियोगिता में प्रमुख अतिथि और निर्णायक के रूप में आ. डॉ. अनुराधाजी जाजू (रा. ज्ञान सिध्दा प्रभारी) कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में आ. प्रो. कल्पनाजी गगडानी (पू. राष्ट्रीय अध्यक्ष) पधारी थी।

संस्कार सिद्धा समिति राष्ट्रीय किशोरी शिविर (संगमनेर-महाराष्ट्र) में आयोजित सिद्धी-सृजन मे 43 किशोरियाँ शामिल हुई। अयोध्या आध्यात्मिक शिविर मानस सिद्धि 2025 दिनांक 19, 20, 21 दिसंबर को आयोजित किया गया। महाराष्ट्र से 35 बहनें गई, वहां विभिन्न कार्यक्रमों में महाराष्ट्र को कई प्राइज प्राप्त हुए। महाराष्ट्र प्रदेश रिपोर्टिंग में कोहिनूर कैटेगरी में रहा।

1) रघुकुल रीत सिद्धा समिति मानस शिल्पी बंधनवार प्रतियोगिता में आ संजनाजी बाहेती सेलू इनको उत्तेजनार्थ पुरस्कार मिला। बबीताजी जाखोटिया ने भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

2) ज्ञान सिद्धा समिति मानस हंस रामायण के माध्यम से समस्याओं का निराकरण -वैचारिक प्रस्तुति दी गई। महाराष्ट्र प्रदेश से आ. सुनीताजी चांडक संयोजिका ज्ञान सिद्धा ने हिस्सा लिया।

आ. सरोजजी गट्टानी द. सह प्रभारी तीन महिने से आयोजक के रूप में तैयारी करवाएँ।

3) संस्कृति सिद्धा समिति स्वरचित भजन प्रतियोगिता में ''भक्ति के रंग सुरों के संग'' में महाराष्ट्र प्रदेश को 24 प्रदेशों में चतुर्थ पुरस्कार प्राप्त हुआ। आ नीतूजी मालपानी, आ अंजूजी भराडिया, आ दीपालीजी रांदड ने भजन गायन में हिस्सा लिया आ भक्तिजी राठी ने ट्रेनिंग दी। गीत की रचना आ. नीतूजी मालपानी ने की।

4) अष्ट सिध्दा समिति मानस मंच प्रदेश अध्यक्षों हेतु विशेष कार्यक्रम आप की अदालत आयोजित किया गया। पांच आंचल में दक्षिणांचल चतुर्थ स्थान पर रहा। महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष आ. सुनीताजी पलोड को दक्षिणांचल कि मैन ओफ डी मैच के सम्मान से सम्मानित किया गया।

5) संकल्प सिद्धा समिति विकसित गांव के मॉडल की आंचलिक प्रतियोगिता पंचतत्व ग्राम सत्व- मानस विकास में दक्षिणांचल द्वितीय स्थान पर रहा। महाराष्ट्र प्रदेश की ओर से आ बबीताजी जाखोटिया ने हिस्सा लिया।

6) मीटिंग के चार दिन पहले 15 दिसंबर से 18 दिसंबर महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सुनीताजी पलोड के नेतृत्व में सुनियोजित बनारस, प्रयागराज और अयोध्या दर्शन का आध्यात्मिक ट्रिप 16 बहनों के साथ पूर्ण किया।

7) संस्कार सिद्धा के आत्म सुरक्षा प्रोजेक्ट के लिए प्रदेश अध्यक्ष आ सुनीताजी पलोड़ तथा प्रदेश सचिव सुनीता चरखा का सम्मान किया गया।

प्र.अध्यक्ष-सुनीता पलोड * प्र.सचिव-सुनीता चरखा

प्राथमिक चिकित्सा जीवन का एक अभिन्न अंग है

प्राथमिक चिकित्सा जीवन का एक अभिन्न अंग है। जीवन में कोई क्षति होने पर, डॉक्टर के पास पहुंचने से पहले घर में क्या करें, जिससे जीवन बच जाए और चोट का नासूर ना बने। छोटी-छोटी बातों का ख्याल रख कर हम सभी यह कर सकते हैं। इसके बाद डॉक्टर को जरूर दिखाएं। प्रस्तुत है कुछ जीवन उपयोगी टिप्स...

-कुंतल तोष्णीवाल

स्नेक बाइक या सांप काट ले

तो काटी हुई जगह को बिना हिलाए, गहने हटाए अन्यथा वहां पर सूजन आने के चांस होते हैं। हल्के कपड़े रखें और सांप किस तरह का दिखता था ध्यान रखें । घाव को हार्ट के नीचे के लेवल पर रखें जिससे कि हार्ट में खून जाने में देर हो । घाव को हल्के बैंड से कवर करें। घाव को काटे नहीं या उसे चूसने की कोशिश ना करें ना वहां टाइट कपड़ा बांधे। दवाई दें। तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। यह कार्य जल्दी से जल्दी होना चाहिए।

मिर्गी के दौरे

मरीज को लगे ना इसीलिए आसपास का फर्नीचर हटा दें। मरीज को करवट लेकर लेटा दें, जिससे कि उसके मुंह से निकलते हुए झाग जमीन पर गिर सकें। पकड़कर मिर्गी के दौरे को बंद करने की कोशिश ना करें। डॉक्टर को बुलाओ और उन्हें इससे अवगत कराएं। जिन्हें मिर्गी के दौरे आते हैं उन्हें कोई गाड़ी नहीं चलानी चाहिए या चढ़ाई नही चढ़ना चाहिए।

हाई बीपी या हाइपरटेंशन

जब ब्लड प्रेशर 120 से ऊपर हो जाए तो आप भोजन में नमक कम करें। कसरत करें । सिगरेट पीना छोड़ दें और अपना वेट मैनेज करें। टेंशन ना ले । उसी से हाई बीपी होता है । सिर में दर्द या सांस लेने में मुश्किल हो तो ब्लड प्रेशर चेक करें। लो बीपी : बेहोश होना, जी घबराना, थकान होना। एकाग्रता की कमी हो तो हो सकता है। आपका बी पी कम हो। नमक, शक्कर का घोल मरीज को दें। बीपी ज्यादा लो हैं तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लेकर दवाई दें।

सांस लेने में दिक्कत

अस्थमा, एलर्जी, साइनस इस तरह की चीजों से सांस लेने में दिक्कत हो सकती है । हमेशा डस्ट मास्क पहने और जिन चीजों से एलर्जी है उन्हें दूर रखें। घर में गलीचे न बिछाएं। पाव पोंछ बिछाते हैं, तो उन्हें बिल्कुल साफ रखें। सॉफ्ट टॉयज घर में ना रखें । कुत्ते बिल्ली आदि ना पाले । एयर कंडीशनर के फिल्टर को बराबर सफाई करवा कर रखें । ढीले कपड़े पहने। अगर चेहरे पर नीला पन या सांस लेने में तकलीफ हो रही है। तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। अस्थमा में होम्योपैथी बहुत कारगर है।

एसिडिटी

पानी पिए । इलाइची खाएं। ठंडा दूध पानी में डालकर पी सकते हैं । गुड़ खाएं। गर्म पानी में नींबू का रस डालकर पिए। केला खाएं। यह सब आपको एसिडिटी से बचा सकते हैं। एसिडिटी में कई बार पेट में दर्द या पूरे शरीर में भी दर्द हो सकता है। भोजन बहुत चबा कर खाएं।

विषाक्त खाया है

तो उल्टी करवाएं । जग भर गुनगुने पानी में नमक डालकर 4-5 गिलास गुनगुना पानी पिला दें और फिर मुंह में उंगली डालकर उल्टी करवाएं जिससे जो भी खाया है वह बाहर आएगा । पर यदि गलती से एसिड पी लिया है तो उल्टी ना करवाएं। पानी जरूर पिलाएं या दूध पिलाएं, चाहे तो बेकिंग सोडा को पानी में घोलकर पिला सकते हैं । डॉक्टर को दिखाएं।

लो सोडियम

यदि हमारे बड़े लोग बीमार लोग बहुत ज्यादा सो रहे हैं, उन्हें आंख खोलने में दिक्कत हो रही है, नींद से उठ नहीं रहे हैं, तो हो सकता है उनके शरीर में सोडियम की मात्रा कम हो गई है। बड़े लोग बहुदा बहुत कम खाते हैं या नमक इतना कम खाते हैं कि उनके सोडियम की कमी हो जाती है। पानी में नमक घोल कर दें या कैप्सूल में नमक भरकर उन्हें खिलाएं तो उससे भी ठीक हो जाएंगे। नमक शक्कर की शिकंजी भी पिला सकते हैं।

फर्स्ट एड बॉक्स

घर में एक फर्स्ट एड बॉक्स रखना रखना निहायत ही जरूरी है । इसमें गौज पट्टी, डेटोल या और कोई एंटीसेप्टिक क्रीम जैसे कैंची,साबुन, एस्प्रिन, क्रोसिन, बरनोल, एंटी एलर्जी दवाई, थर्मामीटर, सेफ्टी पिन, कैलेमाइन लोशन, हाथ के दस्ताने, चिमटी, मेडिकल स्टोर का नंबर, एंबुलेंस, डॉक्टर का नंबर लिखकर चिपका दें।

नोट : उपरोक्त चिकित्सा हेतु आपको प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी होनी निहायत ही आवश्यक है । हर हालत में डॉक्टर को अवश्य दिखाएं । इसमें लापरवाही ना करें।

झारखण्ड बिहार प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

होली, नव संवत्सर एवं गणगौर की हार्दिक शुभकामनाएं

उषा माहेश्वरी
रा.कार्यसमिति सदस्य

निर्मला लड्ढा
अध्यक्ष

संगीता चितलांगिया
सचिव

प्रमिला आगीवाल
निवृत्तमान अध्यक्षा

राज चांडक
कार्यकारिणी सदस्य

संतोष बजाज
कार्यकारिणी सदस्य

ऊषा मंत्री
कार्यकारिणी सदस्य

शशि डागा
कार्यकारिणी सदस्य

रेनू फलोर
कार्यकारिणी सदस्य

सुधा पचीसिया
कार्यकारिणी सदस्य

शांता पेडीवाल
कार्यकारिणी सदस्य

शांति कासट
कार्यकारिणी सदस्य

सुनीता मूंधड़ा
कार्यकारिणी सदस्य

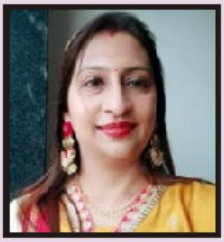

रश्मि मालपानी
कार्यकारिणी सदस्य

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सौ. ज्योतिजी राठी

को राष्ट्रीय संगठन की ओर से बहुत-बहुत बधाई व मंगलकामनाएँ

विभिन्न संगठनों द्वारा ज्योति राठी का आत्मीय स्वागत

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, यशवंत निवास रोड
इन्दौर (म.प्र.) मो. 9329211011

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।